मदरलैण्ड वॉइस की मुहिम

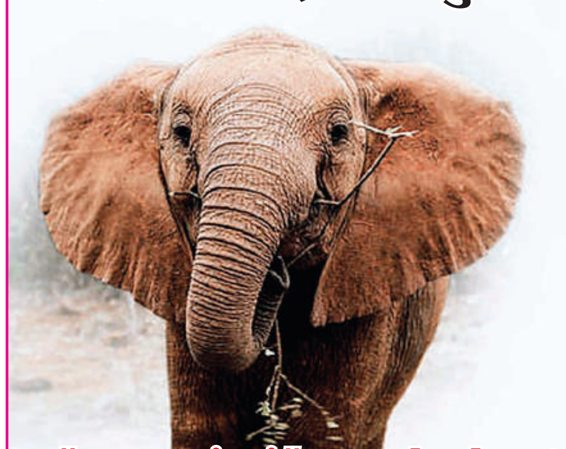

#savegajraj#saveelephant

वर्ष : 3 अंक : 203 मूल्य : 4 रू.

RNI No. -DELHIN/2019/78266

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस

रविवार, 20 मार्च 2022

राष्ट्र प्रेमियों का दैनिक समाचार पत्र

दिल्ली से प्रकाशित एवं जयपुर, लुधियाना, चंडीगढ़, पटना, रायपुर, देहरादून, शिमला में प्रसारित

गृहमंत्री शाह के पहुंचते ही सीआरपीएफ जवानों ने लगाए भारत माता की जय के नारे

जम्मू, एजेंसी। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 83वें स्थापना दिवस परेड में शामिल होने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मौलाना आजाद स्टेडियम में पहुंचे। सीआरपीएफ जवानों ने गृहमंत्री को अपने बीच देखकर भारत माता की जय के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। यह पहली बार है, जब सीआरपीएफ दिल्ली के बाहर अपना स्थापना दिवस मना रही है। स्टेडियम में पहुंचने पर गृहमंत्री अमित शाह ने परेड की सलामी ली। सलामी लेने के बाद गृहमंत्री ने आतंकवाद विरोधी अभियानों में बलिदान देने वाले जवानों के परिजनों और इन्हीं अभियानों में अपने साहस का प्रदर्शन दिखाने वाले जांबाज जवानों को पुलिस वीरता पदक से सम्मानित किया। उन्होंने पदक देकर बलिदानियों के परिजनों से कहा कि उनके अपनों की शहादत का पूरा देश हमेशा ऋणि रहेगा।

गृहमंत्री शाह के दौरे के चलते शहर में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। शहर के मौलाना आजाद स्टेडियम में चल रहे कार्यक्रम के चलते स्टेडियम की ओर जाने वाले सभी

मार्गों को वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है। पुल के दोनों ओर आने जाने के लिए भगवती नगर पुल व गुज्जर नगर पुल को खोला गया है। ट्रैफिक अव्यवस्था की वजह से कई जगहों पर जाम की स्थिति पैदा हो गई है।

सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्री अमरनाथ यात्रा और प्रस्तावित विधानसभा चुनाव से पहले सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा करने वाले हैं। बता दें कि पिछले पांच महीनों में शाह की जम्मू की यह दूसरी यात्रा है। इससे पहले वह जम्मू-कश्मीर के पांच दिवसीय दौरे पर आए थे।

गृहमंत्री गत शुक्रवार देर शाम जम्मू हवाई अड्डे पर पहुंचे और वहां से सीधा राजभवन के लिए रवाना हो गए। केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मेयर चंद्रमोहन गुप्ता ने उनका स्वागत किया। शुक्रवार शाम को ही आयोजित समारोह के दौरान केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री शाह ने जम्मू और कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में शहीद हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस के चार सुरक्षाकर्मियों के परिजनों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति आदेश सौंपे। इस मौके पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह तथा डीजीपी दिलबाग सिंह भी मौजूद थे। बाद में अमित शाह ने शहीद सुरक्षाकर्मियों के परिजनों से बातचीत भी की। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस के इन बहादुर सुरक्षाकर्मियों द्वारा दिखाए गए साहस और प्रतिबद्धता पर पूरे राष्ट्र को गर्व है। केंद्रीय गृह मंत्री सीआरपीएफ स्थापना दिवस समारोह के बाद उच्चाधिकारियों की बुलाई गई बैठक के बाद वापस लौट जाएंगे।

भगवा में गलत क्या है शिक्षा के भगवाकरण पर बोले उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार पर शिक्षा का भगवाकरण करने का आरोप है, लेकिन ह्लभगवा के साथ क्या गलत है। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने शनिवार को देश से मैकाले शिक्षा प्रणाली को पूरी तरह से खारिज करने का आह्वान किया। उपराष्ट्रपति ने देव संस्कृति विश्व विद्यालय में कहा कि भारतीयों को अपनी ह्यऔपनिवेशिक मानसिकताह्ण छोड़ देनी चाहिए और अपनी भारतीय पहचान पर गर्व करना सीखना चाहिए। शिक्षा प्रणाली का भारतीयकरण भारत की नई शिक्षा नीति का केंद्र है, जो मातृभाषाओं को बढ़ावा देने पर जोर देती है। स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में मैकाले शिक्षा प्रणाली को खारिज करने का आह्वान करते हुए उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने कहा कि इसने देश में शिक्षा के माध्यम के रूप में एक विदेशी भाषा थोप दी और शिक्षा को अभिजात वर्ग तक सीमित कर दिया। उन्होंने कहा कि सदियों के औपनिवेशिक शासन ने हमें खुद को एक निम्न जाति के रूप में देखना सिखाया। हमें अपनी संस्कृति, पारंपरिक ज्ञान का तिरस्कार करना सिखाया गया। इसने एक राष्ट्र के रूप में हमारे विकास को धीमा कर दिया। हमारे शिक्षा के माध्यम के रूप में एक

विदेशी भाषा को लागू करने से शिक्षा सीमित हो गई। समाज का एक छोटा सा वर्ग शिक्षा के अधिकार से एक बड़ी आबादी को वंचित कर रहा है। थॉमस बबिंगटन मैकाले एक ब्रिटिश इतिहासकार थे जिन्होंने भारत में शिक्षा के माध्यम के रूप में अंग्रेजी की शुरूआत में एक प्रमुख भूमिका निभाई। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमें अपनी विरासत, अपनी संस्कृति, अपने पूर्वजों पर गर्व महसूस करना चाहिए। हमें अपनी जड़ों की ओर वापस जाना चाहिए। हमें अपनी औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागना चाहिए और अपने बच्चों को उनकी भारतीय पहचान पर गर्व करना सिखाना चाहिए। हमें जितनी संभव हो भारतीय भाषाएं सीखनी चाहिए। हमें अपनी मातृभाषा से प्रेम करना चाहिए। हमें अपने शास्त्रों को जानने के लिए संस्कृत सीखनी चाहिए, जो ज्ञान का खजाना हैं। युवाओं को अपनी मातृभाषा का प्रचार करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा, ह्लमैं उस दिन की प्रतीक्षा कर रहा हूं जब सभी अधिसूचनाएं संबंधित राज्य की मातृभाषा में जारी की जाएंगी। आपकी मातृभाषा आपकी दृष्टि की तरह है, जबकि एक विदेशी भाषा का आपका ज्ञान है तुम्हारे चश्मे की तरह ।ह्व उन्होंने कहा कि भारत आने वाले विदेशी गणमान्य व्यक्ति अंग्रेजी जानने के बावजूद अपनी मातृभाषा में बोलते हैं क्योंकि उन्हें अपनी भाषा पर गर्व है।

संक्षिप्त समाचार

श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग रिकार्ड समय में खुला

श्रीनगर, एजेंसी। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 434 किलोमीटर लंबा श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि कि भारी बर्फबारी के कारण इस साल जनवरी में बंद किया गया यह राजमार्ग रिकॉर्ड 73 दिनों में खोला गया है। नागरिक यातायात के लिए सड़क खोलने का निर्णय नागरिक प्रशासन द्वारा संयुक्त निरीक्षण के बाद लिया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल राजीव चौधरी ने 11,650 फुट मीटर की ऊंचाई पर स्थित जोजिला दर्रे पर राजमार्ग को यातायात के लिए खोल दिया। उन्होंने कहा कि इस साल इसे रिकॉर्ड समय में साफ कर दिया गया। लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने संवाददाताओं से कहा, ह्ययह दर्रा ज्यादातर छह महीने तक बंद रहता है। हमने इसे पिछले साल केवल लगभग 110 दिनों के लिए बंद रखा जिसके कई फायदे मिले थे, लेकिन इस साल इसे 73 दिनों में खोल दिया गया।ह्ण उन्होंने कहा कि इस साल चार जनवरी तक राजमार्ग को खुला रखा गया था, जिसके बाद भारी बर्फबारी के बाद इसे यातायात के लिए बंद कर दिया गया था।

आयकर विभाग में सुधार और घरेलू अर्थव्यवस्था को ह्यमजबूतह्ण होने से कर संग्रह बढ़ा : मोहपात्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन जेबी मोहपात्रा ने कहा कि मोदी सरकार के आयकर विभाग में सुधार और घरेलू अर्थव्यवस्था को 'मजबूत' करने के निणर्यों से रिकॉर्ड प्रत्यक्ष कर संग्रह हुआ है। उन्होंने कोरोना से प्रभावित अर्थव्यवस्था संबंधित आशंकाओं को खारिज कर कहा कि कंपनियों ने (करों का भुगतान करने के लिहाज से) चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया। मोहपात्रा ने कहा, यह कहना बहुत मुश्किल होगा कि अगले साल स्थिति कैसी होंगी लेकिन यह कहने के लिए कोई जगह नहीं है कि अच्छा समय केवल चार तिमाहियों तक रहता है।' उन्होंने रिकॉर्ड कर संग्रह के कारणों का भी जिक्र कर कहा, 'सबसे पहले भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। अर्थव्यवस्था जितनी अच्छी होगी, कर संग्रह उतना ही अच्छा होगा, जो अभी हो रहा है।' उन्होंने कहा कि कर संग्रह पर प्रभाव डालने वाले विभागों में किए गए सुधारों से भी संग्रह बढ़ा है। मोहपात्रा ने कहा कि इसतरह के कई नीतिगत उपाय हैं, जो बजट में या बजट के बाहर उठाए गए हैं और अब इन उपायों का 'प्रभाव' या 'लाभ' अब दिख रहा है। उन्होंने कहा, ह्लकर संग्रह में वृद्धि का तीसरा कारण विभाग के भीतर सुधार की दिशा में पिछले चार वर्ष से उठाए जा रहे कदम हो सकते हैं।ह्व महापात्र ने कहा, ह्लचौथा कारण छोटा लेकिन महत्वपूर्ण है और यह आयकर विभाग में प्रौद्योगिकी शामिल करने से संबंधित है।'

भारत के वैध तरीके से ऊर्जा खरीदने का दुनिया में राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के वैध तरीके से ऊर्जा खरीदने का दुनिया में राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए और जो देश तेल के मामले में आत्मनिर्भर हैं, या स्वयं रूस से तेल आयात करते हैं वे प्रतिबंधात्मक व्यापार की वकालत नहीं कर सकते हैं। दुनिया के कुछ देशों में भारत की इस रुख को लेकर आलोचना की गई है कि उसने रूस से रियायती दर पर कच्चा तेल खरीदने के लिए रास्ते खुले रखे हैं। इसके बाद उक्त टिप्पणी आई है। सूत्रों ने कहा कि यूक्रेन संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी ने भारत की चुनौतियां बढ़ा दी है। इससे स्वभाविक रूप से प्रतिस्पर्धी दर पर तेल प्राप्त करने को लेकर दबाव बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि रूस बहुत कम मात्रा में भारत को कच्चे तेल का निर्यात करता है, जो देश की जरूरत का एक फीसदी से भी कम है। सूत्रों ने कहा कि आयात के लिए सरकारों के बीच कोई समझौता भी नहीं है। सूत्रों ने बताया, भारत प्रतिस्पर्धी ऊर्जा स्रोतों पर ध्यान केंद्रित करते रहेगा। हम सभी उत्पादकों के इसतरह के प्रस्तावों का स्वागत करते हैं। भारतीय व्यापारी भी सर्वोत्तम विकल्प तलाशने के लिए वैश्विक ऊर्जा बाजारों में काम करते हैं। रूस ने सैन्य कार्रवाई के बाद पश्चिमी पाबंदियों की वजह से भारत को रियायती दर पर कच्चा तेल बेचने की

पेशकश की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने रूस से रियायती दर पर तेल खरीदने की संभावना से इनकार नहीं कर कहा कि वह बड़ा तेल आयातक होने की वजह से हमेशा सभी संभावनाओं पर विचार करता है। उन्होंने कहा, भारत अपनी जरूरत का अधिकतर तेल आयात करता है, उसकी जरूरतें आयात से पूरी होती हैं। इसलिए हम वैश्विक बाजार में सभी संभावनाओं का दोहन करते रहते हैं, क्योंकि इस परिस्थिति में हमें अपने तेल की जरूरतों के लिए आयात का सामना कर पड़ रहा है।'

बागची ने कहा कि रूस, भारत को तेल की आपूर्ति करने वाला प्रमुख आपूर्तिकर्ता नहीं रहा है। उन्होंने कहा, ह्यह्यमैं रेखांकित करना चाहता हूं कि कई देश कर रहे हैं, खासतौर पर यूरोप में और इस समय मैं इसे उसपर छोड़ता हूं। बागची से जब पूछा गया कि यह खरीददारी रुपये-रूबल समझौते के आधार पर हो सकती है तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस पेशकश की विस्तृत जानकारी नहीं है।

आतंकी हाफिज सईद, सलाहुद्दीन, यासीन मलिक, के खिलाफ आरोप तय करने के आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में आतंक के लिए फंडिंग के मामले में लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक पाकिस्तानी आतंकी हाफिज सईद, हिजबुल मुजाहिदीन प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन, यासीन मलिक, शब्बीर शाह, मसरत आलम और अन्य के खिलाफ दिल्ली की एक अदालत ने आरोप तय करने का आदेश दिया है। इन आरोपियों पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की विभिन्न धाराओं के तहत यह निर्देश दिए गए हैं। इन सभी पर जम्मू और कश्मीर राज्य में आतंकवादी और अलगाववादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए वित्त पोषण का आरोप है। पटियाला हाउस कोर्ट स्थित विशेष न्यायाधीश प्रवीण सिंह की अदालत ने कश्मीरी राजनेता और पूर्व विधायक राशिद इंजीनियर, व्यवसायी जहूर अहमद शाह वटाली, बिट्टा कराटे, आफताब अहमद शाह, अवतार अहमद शाह, नईम खान, बशीर अहमद भट, उर्फ पीर सैफुल्ला और कई अन्य के खिलाफ भी विभिन्न धाराओं के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा है, कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा पेश तथ्यों व साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के एक-दूसरे के साथ मिलकर जम्मू एवं कश्मीर में अलगाव व आतंक फैलाने का प्रथमद्दष्टया मकसद साबित हुआ है। इतना ही नहीं, जांच एजेंसी ने दस्तावेजी व अन्य साक्ष्यों के माध्यम से पाकिस्तानी आतंकी संगठन के नेतृत्व में आतंकवादी संगठनों को आतंक फैलाने के लिए धन मुहैया कराने को भी प्रथमद्दष्टया प्रमाणित किया है।

अदालत ने कहा कि आरोपपत्र पर बहस के दौरान, किसी भी आरोपी ने यह तर्क नहीं दिया कि व्यक्तिगत रूप से उनकी कोई अलगाववादी विचारधारा या एजेंडा नहीं है या उन्होंने अलगाव के लिए काम नहीं किया है, या तत्कालीन जम्मू और कश्मीर राज्य को भारत सरकार से अलग करने की पैरवी नहीं की।

जापानी पीएम ने कहा, भारत यात्रा के दौरान यूक्रेन संकट पर चर्चा करुंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा दो दिवसीय भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत में रहेंगे। पिछले साल पदभार संभालने के बाद से किशिदा का यह देश का पहला दौरा होगा। उन्होंने कहा कि मैं भारत और फिर कंबोडिया की यात्रा पर जा रहा हूं। उन्होंने कहा, चूंकि यूक्रेन पर रूसी आक्रमण यात्रा के साथ मेल खाता है, मैं अंतरराष्ट्रीय एकता के महत्व पर जोर देना चाहता हूं और पुष्टि करता हूं कि विभिन्न मुद्दों पर एक साथ जापान और भारत काम करने वाले हैं। जापानी पीएम ने कहा, भारतीय प्रधानमंत्री मोदी के साथ, मैं जापान, भारत, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका के नेताओं के बीच टोक्यो में आयोजित होने वाली क्वाड शिखर बैठक की सफलता की दिशा में काम करने के अपने इरादे की पुष्टि करने की योजना बना रहा हूं।

प्रधानमंत्री किशिदा ने कहा कि यूक्रेन के खिलाफ रूस की आक्रामकता एक आक्रोश है, जो एशिया सहित अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की नींव को कमजोर करती है। उन्होंने कहा कि मैं अपने विदेश यात्रा के दौरान यूक्रेन की स्थिति और अन्य मामलों के बारे में अपने समकक्षों के साथ विचारों का आदान-प्रदान करूंगा और उनसे कार्रवाई करने का आग्रह करूंगा। किशिदा ने कहा कि 24 फरवरी को शुरू हुए यूक्रेन के आक्रमण के बाद से जापान ने दर्जनों रूसी व्यक्तियों और संगठनों पर प्रतिबंध लगाए हैं और यूक्रेनी शरणार्थियों को प्राप्त कर रहे हैं। हालाँकि, भारत चार क्वाड सदस्यों में से एकमात्र है, जिसने रुसी आक्रमण की निंदा नहीं की है। जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा अपनी भारत यात्रा के दौरान अगले पांच वर्षों में भारत में करीब 42 बिलियन डॉलर निवेश की योजना की घोषणा करने वाले हैं। जापानी मीडिया ने इसकी जानकारी दी है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी बैठक के दौरान पीएम फुमियो लगभग 300 बिलियन येन कर्ज के लिए सहमति देने वाले हैं। इसके अलावा कार्बन कटौती से संबंधित एक ऊर्जा सहयोग दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए जाने की भी उम्मीद है। बात दें कि जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा 19-20 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर भारत के आधिकारिक दौरे पर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ जापान के पीएम फुमियो किशिदा 14वें भारत-जापान शिखर बैठक में हिस्सा लेने वाले हैं।

उत्तराखंड के नए मुख्यमंत्री के चयन के लिए सोमवार को भाजपा विधायक दल की बैठक

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी मुख्यमंत्री बने रहेंगे अथवा कोई नया चेहरा होगा इसका पता सोमवार को लगेगा। नए मुख्यमंत्री के चयन के लिए देहरादून में सोमवार को बीजेपी विधायक दल की बैठक होने की संभावना है। बीजेपी की उत्तराखंड इकाई के प्रवक्ता शादाब शम्स ने यह जानकारी दी। उत्तराखंड के लिए पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक राजनाथ सिंह और मीनाक्षी लेखी बैठक में शामिल होने के लिए एक दिन पहले रविवार को या फिर उसी दिन देहरादून पहुंच सकते हैं। शम्स के मुताबिक, शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार को हो सकता है और इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और कई बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के शामिल होने की संभावना है।

कुमाऊं क्षेत्र में शनिवार को होली मनाए जाने के मद्देनजर वहां की विभिन्न विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले विधायक अभी भी वहीं हैं। बीजेपी की उत्तराखंड इकाई के अध्यक्ष मदन कौशिक ने कहा कि इन नेताओं को अगले दो से तीन दिन में नई सरकार के गठन की संभावनाओं से अवगत करा दिया गया है और वे रविवार तक देहरादून पहुंच जाएंगे। खटीमा से हार के बावजूद पुष्कर सिंह धामी जहां मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं, वहीं चौबट्टाखाल के विधायक सतपाल महाराज, श्रीनगर के विधायक धन सिंह रावत और राज्यसभा सदस्य अनिल बलूनी भी इस पद के दावेदारों में शामिल हैं।

बीजेपी की उत्तराखंड इकाई के सूत्रों ने बताया कि धामी के दोबारा मुख्यमंत्री बनने की संभावना ज्यादा है, क्योंकि वह न केवल युवा और ऊजार्वान हैं, बल्कि बीजेपी ने पहाड़ी राज्य में उनके नाम पर चुनाव लड़ा था और शानदार जीत दर्ज की। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के धामी के नाम पर मुहर लगाने का फैसला करने की एक और बड़ी वजह यह हो सकती है कि उसे पिछले कार्यकाल में बेहद कम समय में दो मुख्यमंत्रियों को बदलने के लिए काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। अगर पार्टी किसी नए चेहरे का चयन करने का फैसला लेती है तो क्षेत्रीय और जातीय संतुलन बैठाना काफी अहम होगा। चूंकि, कुमाऊं के एक ब्राह्मण नेता अजय भट्ट को पहले ही केंद्रीय राज्य मंत्री बनाया जा चुका है, ऐसे में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन बैठाने के लिए गढ़वाल के एक ठाकुर या राजपूत नेता को मुख्यमंत्री पद के लिए चुना जा सकता है।

सोनिया गांधी-गुलाम नबी आजाद से मुलाकात के बाद क्या रुख बदलेगा जी-23

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से हुई मुलाकात के बाद गुलाम नबी आजाद ने एक बार नहीं कई बार ये तो कहा कि जी23 नेताओं को सोनिया गांधी के नेतृत्व से कोई दिक्कत नहीं है पर गौरतलब है कि उन्होंने यही बात एक बार भी पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के लिए नहीं कही। ये बात किसी से छिपी नहीं है कि जी23 नेताओं का मानना है कि मुख्यतः राहुल गांधी की भूमिका की वजह से ही कांग्रेस का आज ये हाल हो रहा है और अब किसी गैर गांधी को पार्टी का अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए। गौरतलब है कि शुक्रवार शाम जब गुलाम नबी आजाद सोनिया गांधी से मिलकर निकले तो उन्होंने नपे तुले लफ्जो में कहा कि कार्यसमिति की बैठक में ही ये बात साफ कर दी गई थी कि सोनिया गांधी के नेतृत्व से किसी को शिकायत नहीं है और संगठन के चुनाव होने तक वो अध्यक्ष बनी रहेंगी। जी23 के सूत्रों की मानें तो पार्टी नेतृत्व और खासकर राहुल गांधी से भूपिंदर सिंह हुड्डा के माध्यम से जी23 नेताओं को केंद्रीय चुनाव समिति और संगठनात्मक बदलाव संबंधित कमेटियों में अहम भूमिका दिए जाने का

प्रस्ताव तो दिया गया है मगर समस्या इन सबके बावजूद सोनिया गांधी नहीं बल्कि राहुल गांधी का नेतृत्व है, जिसमें कांग्रेस एक के बाद राज्यों के चुनाव हारती जा रही है। ये बात भी सही है कि राहुल गांधी को लेकर पार्टी में दो फाड़ है। एक तरफ जहां जी23 नेताओं का मानना है कि अध्यक्ष पद पर ना रहते हुए भी सारे फैसले कर अध्यक्ष सी भूमिका निभा रहे राहुल गांधी अब आम लोगों में कांग्रेस के प्रति भरोसा नहीं जता पा रहे वहीं पार्टी में संगठन महासचिव और कार्यसमिति के तमाम सदस्यों समेत कई वरिष्ठ नेता ऐसे हैं जो राहुल गांधी और गांधी परिवार के साथ खड़े हैं। इन नेताओं का तर्क है कि राजनीति नुकसान राहुल गांधी के नेतृत्व की वजह से नहीं बल्कि बीजेपी द्वारा किये जा रहे ध्रुवीकरण की राजनीति से हो रहा है। ऐसे मे नेतृत्व पर सवाल खड़े करना कायराना कदम है। अहम बात ये कि अगस्त सितंबर में संगठन और अध्यक्ष पद के चुनाव होने हैं और जहां एक ओर अशोक गहलोत और भूपेश बघेल सरीखे गांधी परिवार के लॉयलिस्ट नेता राहुल गांधी को ही फिर से अध्यक्ष बनाने के लिए बैटिंग कर रहे हैं वहीं गौर करने वाली बात ये भी है कि बाबत राहुल गांधी ने खुद औपचारिक तौर पर अब तक कुछ नहीं कहा है। बल्कि जी23 के विद्रोह के बाद हुई कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में तब राहुल गांधी ने उलटे ये कह दिया था कि पार्टी किसी और को अपना नया अध्यक्ष चुन ले और गांधी परिवार से इसके लिए कोई और सदस्य यानी प्रियंका गांधी भी नहीं होंगी।

सोनिया गांधी को कांग्रेस में जवाबदेही के सिद्धांत को लागू करना चाहिए: मनीष तिवारी

नई दिल्ली, एजेंसी। जी-23 के नेताओं ने बैठक की थी, इसमें आनंदपुर साहिब से कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी भी मौजूद रहे। मनीष तिवारी भी जी-23 नेताओं का हिस्सा है। ये समूह पार्टी में संगठनात्मक बदलावों और सामूहिक नेतृत्व की व्यवस्था की बात कर रहा है। जी-23 नेताओं में शामिल मनीष तिवारी ने कहा कि पार्टी अब शायद कांग्रेस मुक्त भारत की ओर देख रही है। बैठक के संदर्भ में पूछा गया कि क्या अब एकतरफा फैसले लिए जा रहे हैं? इस पर मनीष तिवारी ने कहा, पार्टी के 18 वरिष्ठ नेताओं ने गुलाम नबी आजाद के आवास पर मुलाकात की, होली के कारण कई अन्य नेता बैठक में नहीं आ सके। खासकर जब हमने कुछ अहम सुधारों को चिन्हित करते हुए एक खत लिखा था जो पार्टी को दोबारा जीवित करने के लिए जरूरी थे। तब से कांग्रेस 11 राज्यों में हार का मुंह देख चुकी है। तिवारी ने कहा कि स्पष्ट रूप से परेशानी है, जमीनी हकीकत और फैसले लेने के बीच एक डिस्कनेक्ट है। चुनावों में लगातार कांग्रेस की हार पर उन्होंने कहा, इस बात पर ज्यादा जोर नहीं दिया जा सकता कि कांग्रेस अस्तित्व के संकट से जूझ रही है। हम 2014 और 19 का लोकसभा चुनाव हारे, 2014 से 49 विधानसभा चुनावों में से हमें 39 में हार मिली है। हम केवल 4 चुनाव जीत सके हैं। हम वास्तव में एक गंभीर हालात देख रहे हैं। उन्होंने कहा, हर सियासी पार्टियां सियासी आंदोलन अंततः एक विचार है।वहीं कांग्रेस का विचार जो इतना पुराना है, वह अब विलुप्त होता दिख रहा है। किसी भी सियासी संगठन में पांच जरूरी चीजें होती हैं, आइडिया, लीडरशिप, नैरेटिव, संगठन और संसाधनों तक पहुंच। उन्होंने कहा जिस नेतृत्व ने 1998 से 2017 तक सोनिया गांधी के रूप में हमारा नेतृत्व किया है, शायद अभी भी कांग्रेस के एक बड़े हिस्से को स्वीकार्य है। लेकिन फिर सोनिया गांधी को अपने पुराने अंदाज में लौटकर जवाबदेही के सिद्धांत को लागू करना शुरू करना चाहिए, जो दुर्भाग्य से 2017 से गायब है।

थाना मंदिर मार्ग एवं थाना कनाट प्लेस ने सुलझाए दो मामले: अमृता गुगुलोथ उपायुक्त पुलिस

» विजय गौड़ विशेष संवाददाता

निषाद पाटिल पुत्र सुनील पाटिल निवासी सांगली, महाराष्ट्र ने बताया कि वह एक ऑटो रिक्शा में कीमती सामान से भरा अपना बैग भूल गया था। सतविंदर सिंह, एसएचओ / मंदिर मार्ग की देखरेख में एवं विनय माथुर, एसीपी/कनॉट प्लेस के समग्र पर्यवेक्षण में एक टीम का गठन किया गया जिसमें हेड कांस्टेबल महेंद्र एवं कांस्टेबल मक्खन को शामिल किया गया। टीम ने कई सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया और ऑटो रिक्शा का पता लगाया। ऑटो रिक्शा के चालक से संपर्क किया गया और पुलिस स्टेशन मंदिर मार्ग जाने के लिए कहा, जहां ऑटो रिक्शा की पिछली सीट से शिकायतकर्ता का 40,000/- रुपये युक्त बैग और अन्य कीमती सामान मिला जो शिकायतकर्ता को सौंप दिया गया। एक अन्य घटना में सैमसंग शोरूम, एन-ब्लॉक, आउटर सर्कल, कनॉट प्लेस में सनसनीखेज चोरी के संबंध में पीएस कनॉट प्लेस में ई-एफआईआर नंबर 102/2022, दिनांक 14.03.2022, यू / एस 380/457 आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया था। घटना की संवेदनशील प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, उपेंद्र सिंह, एसएचओ / कनॉट प्लेस की देखरेख में एवं विनय माथुर एसीपी/कनॉट प्लेस के समग्र पर्यवेक्षण में एक टीम का गठन किया गया जिसमें हेड कांस्टेबल रामपाल एवं कांस्टेबल मोहित को शामिल किया गया। दोषियों को पकड़ने के लिए आरोपी की गतिविधियों पर नजर रक्खी गयी और टीम ने कड़ी मेहनत की इलाके के सीसीटीवी फुटेज भी एकत्र किए। सीसीटीवी फुटेज लगभग। 45 कैमरों का विश्लेषण किया गया और टीम आरोपियों की पहचान करने में सफल रही। इसके बाद, टीम ने जाल बिछाया और बाबू (उम्र - 21 वर्ष) और पकड़े गए किशोर (उम्र - लगभग 16 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस थाना कनॉट प्लेस, नई दिल्ली जिला ने चोरी के सनसनीखेज मामले को एक चोर की गिरफ्तारी और एक किशोर की गिरफ्तारी के साथ सुलझाया। चोरी की संपत्ति के एक रिसीवर को भी गिरफ्तार किया गया है और उसके कब्जे से चोरी का अधिकांश सामान बरामद कर लिया गया है। निरंतर पूछताछ करने पर, बाबू ने चोरी की संपत्ति के रिसीवर के विवरण का खुलासा किया, जिन्होंने उनसे चुराई गई वस्तुओं को औने-पौने दाम पर खरीदा था। नतीजतन, टीम ने चोरी की संपत्ति के रिसीवर आजाद रहमान पुत्र काली मुद्दीन, निवासी माता सुंदरी रोड, मस्जिद तकिए काली खान, दिल्ली को पकड़ लिया और उसके कब्जे से चोरी का अधिकांश सामान बरामद कर लिया। अमृता गुगुलोथ आईपीएस उपायुक्त पुलिस नई दिल्ली जिला ने दोनों थानों के टीमों की प्रशंसा की।

हरियाणा के गुरुग्राम में दो साल बाद खेली गई कोरडा होली

» सतबीर शर्मा, मदरलैंड संवाददाता

गुरुग्राम। गुरुग्राम में 2 साल के बाद हौली का त्योहार रंगों व गुलाल उड़ा कर मनाया गया। सेक्टर 46 में सभी सेक्टर वासियो ने प्रेम व प्यार की भावना से इकठे हुए। होली का मतलब हो चुका। जो हो चुका उसको भूल जाओ। हम सबको प्रेम से रहकर मानवता का उदहारण देना चाहिए। होली के त्योहार पर लोगो ने बताया कि राधा कृष्ण की रास लीला प्रेम की कथा है। ॥होली, जिसे ॥रंगों का त्योहार॥ के रूप में जाना जाता है, फाल्गुन (मार्च) के महीने में पड़ने वाली पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। होली मनाने के लिए तेज संगीत, ड्रम आदि के बीच विभिन्न रंगों और पानी को एक दूसरे पर फेंका जाता है। भारत में कई अन्य त्योहारों की तरह, होली भी बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। सेक्टर 46 में मुख्य रूप से होली का आयोजन सभी ने मिलकर किया व आयोजन का कार्य बहल, रितेश यादव ,अतुल यादव ने किया व भगत सिंह पार्क में हौली का क्रांति दल की लोकेश चोधरी व उनके साथियों ने किया। भोजन की व्यवस्था में हरिओम का सहयोग रहा।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में थाने से चंद कदम की दूरी पर युवक की चाकू गोद कर हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। नारायणा इलाके में मामूली सी बात पर शुरू हुई कहासुनी ने खूनी रंग ले लिया। ये सब नारायणा थाने से चंद कदमों की दूरी पर हुआ। झगड़े की शुरूआत उस समय हुई, जब पान की दुकान पर काम करने वाले एक किशोर को स्कूटी सवार ने मामूली सी टक्कर मार दी। इसके बाद दोनों पक्षों में बहस शुरू हो गई। बहस ने झगड़े का रंग ले लिया और इसी विवाद में पान दुकान मालिक व उसके यहां पर काम करने वाले लोगों ने मिलकर शिवा नाम के युवक की छाती में चाकू से वार कर उसकी हत्या कर दी। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि झगड़े के समय 2 पुलिस कर्मी भी वहां मौजूद थे लेकिन झगड़े को रोक नहीं पाए। पान दुकान वाले को पुलिस की शह भी मिली हुई है और यही वजह रही कि जब शिवा के परिजन वहां पहुंचे और शिवा को अस्पताल ले जाना चाहा तो उसे ले जाने नहीं दिया गया। बाद में जब लोगों की भीड़ बड़ी और पुलिस की संख्या बढ़ी तब शिवा को अस्पताल ले जाया गया लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। घटना के समय शिवा का ममेरा भाई राहुल भी उसके साथ था। राहुल ने बताया कि वे लोग जब स्कूटी पर पीवीआर नारायणा के नजदीक पहुंचे तो पान की दुकान पर काम करने वाले एक लड़के से उनके स्कूटी की टक्कर हो गई। इसके बाद कहासुनी शुरू हो गई। लड़के ने कहा कि यहीं रहना है या दूसरे घर जाना है। बात जब बढ़ गई तो दुकान के मालिक धर्मेंद्र ने दुकान से चाकू निकाला और उस लड़के को दे दिया, जो नाबालिग है और उस लड़के ने चाकू से शिवा की छाती पर वार कर दिया। मैंने जब मदद के लिए अपने भाइयों को फोन किया तो वे लोग और गांव के अन्य लोग भी मौके पर आ गए। हम लोग जब शिवा को अस्पताल ले जाना चाह रहे थे और उसे वहां से उठाना चाह रहे थे तो आरोपियों ने उसे वहां से उठाने नहीं दिया। वे लोग हमसे लड़ने लगे। झगड़ा जब शुरू हुआ था, तो 2 पुलिसकर्मी भी वहां पर खड़े हुए थे। लेकिन उनके रहते भी झगड़ा रुका नहीं और आरोपियों ने सरेआम इस हत्या की वारदात को अंजाम दे दिया। हमारे ही किसी एक साथी ने एक वीडियो भी बनाया है, जिसमें देखा जा सकता है कि जब हम जब शिवा को उठाने का प्रयास कर रहे हैं, तो हमें रोका जा रहा है।

उत्तर भारत में गर्मी ने दिन के साथ रात में भी परेशान करना शुरू किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली और एनसीआर के शहरों के साथ समूचे उत्तर भारत में गर्मी ने धीरे-धीरे लोगों को दिन के साथ रात में भी परेशान करना शुरू कर दिया है। दिल्ली और एनसीआर में तो दिन के साथ अब रात में भी एयर कंडीशन चलाने की नौबत आ गई है। न्यूनतम और अधिकतम तापमान में इस कदर इजाफा हुआ कि लोगों को रात में भी एयर कंडीशन चलाने पड़े। दिल्ली के लोगों की शनिवार को सुबह की शुरूआत गर्मी के साथ हुई। वहीं, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, अगले एक सप्ताह के दौरान इस गर्मी से निजात नहीं मिलने वाली, ऊपर से गर्मी में लगातार इजाफा ही होगा। इस बीच मौसम विभाग पिछले सप्ताह ही पूवार्नुमान जता चुका है कि मार्च के महीने में ही गर्मी 77 सालों का रिकार्ड तोड़ सकती है। इसके साथ ही दिल्ली-एनसीआर में गर्मी का नया आल टाइम रिकार्ड भी बन सकता है।

नई दिल्ली क्षेत्र की सुंदरता को बढ़ाने और उसका रखरखाव बनाए रखने के लिए एनडीएमसी के उद्यान विभाग का कार्य सराहनीय : उपाध्यक्ष पालिका परिषद

नईदिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली क्षेत्र में विभिन्न छटाओं में रंगबिरंगे खिलते फूल धरती पर स्वर्ग का अहसास कराते हैं, यह बात नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के उपाध्यक्ष- सतीश उपाध्याय ने वरिष्ठ अधिकारियों और विभागाध्यक्षों के साथ नेहरू पार्क और शांति पथ-चाणक्य पुरी, नई दिल्ली का दौरा करने के दौरान कही।

श्री उपाध्याय ने कहा कि हमारा उद्देश्य एनडीएमसी क्षेत्र की सुंदरता और ग्रीन कवर को बढ़ाने के साथ-साथ माननीय प्रधान मंत्री के ॥स्वच्छ भारत मिशन॥ के दृष्टिकोण को पूर्ण मूर्त रूप देने और भारत की आजादी के 75 साल को ॥आजादी का अमृत महोत्सव॥ के रूप में मनाने के उपलक्ष्य पर किया जा रहा है।

श्री उपाध्याय ने कहा कि जीवन के हर क्षेत्र से इन फूलों की प्रतिक्रिया उत्कृष्ट आ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इन खूबसूरत फूलों को देखने से न केवल सकारात्मक ऊर्जा मिलती है, बल्कि तनाव मुक्त वातावरण भी मिलता है और आगंतुकों को खुशी का एहसास भी मिलता है। उन्होंने कहा कि एनडीएमसी की यह पहल जीवन की भागदौड़ भी कठिन परिस्थितियों के होने पर भी खुशी पैदा करती है और अंधेरे में प्रकाश की भूमिका निभाती है।

पालिका परिषद के निदेशक (उद्यान-दक्षिण) रईस अली एवं जोगिंदर डबास - उप निदेशक (उद्यान) ने यहां खिली फूलों की कलियों का तकनीकी विवरण देते हुए बताया कि अकबर रोड-मैथ्यू सर्कस चौराहे पर एनडीएमसी ने अलग-अलग रंगों में पेटुनिया की फूल कलियां, एंटिरहिनम, वर्बेना, मैरीगोल्ड, साल्विया, लार्क्सपुर-ब्लू जबकि शांति पथ पर हमने साल्विया, कोरॉप्सिस, लिनम, डिमोर्फोटिका आदि के साथ अलग-अलग रंगों में पेटुनिया लगाया है। उपाध्याय ने बताया कि एनडीएमसी दिल्ली के कुल क्षेत्रफल का 3% है, लेकिन इसमें 64.5% हरित क्षेत्र है इसमें 6 प्रमुख उद्यानों और 3 अंतर्राष्ट्रीय संबंध स्मारक पार्कों के साथ, यहां 5 गुलाब उद्यान, 270 किमी लंबाई के 135 रास्ते, आठ नर्सरी, तीन हाई-टेक नर्सरी, 51 गोल चक्कर, 3 हैप्पीनेस पार्क, विभिन्न स्थानों पर 24 वर्टिकल गार्डन, 123 आवासीय पार्क, 450 सीपीडब्ल्यूडी कॉलोनी पार्क और एक एनडीएमसी स्कूल ऑफ गार्डनिंग हैं।

श्री उपाध्याय ने बागवानी विभाग के मेहनतकश मालियों और अन्य कर्मचारियों एवं अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि एनडीएमसी ने एक जबरदस्त काम किया है, जो नेहरू पार्क एवं शांति पथ-चाणक्य पुरी और अकबर रोड-मेथ्यू सर्कल न्यू की सुंदरता के रूप में दर्शाती है। उन्होने दिल्लीवासियों से आने यहां आकर शानदार एवेन्यू सड़कों और हरे भरे नई दिल्ली क्षेत्र की सुंदरता का आनंद लेने का आग्रह किया।

हजारों की संख्या में किसान कल विरोध प्रदर्शन के साथ करेंगे मुख्यमंत्री आवास का घेराव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा एवं दिल्ली के हजारों किसान कल मुख्यमंत्री आवास के बाहर अपनी मांगों को लेकर एक विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता, नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी, केंद्रीय मंत्री सहित दिल्ली भाजपा के सभी सांसद, विधायक एवं प्रदेश पदाधिकारी की मौजूद रहेंगे। किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विनोद सहरावत ने बताया कि सुबह 10 बजे से चंदगी राम अखाड़ा से विरोध प्रदर्शन शुरू होकर मुख्यमंत्री आवास तक जाएगा। विरोध प्रदर्शन में पालम 360 खाप महापंचायत गांव के हजारों किसान अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री आवास के बाहर कल इकट्ठा होंगे।

श्री सहरावत ने बताया कि पिछले 40 दिनों से लगातार मुख्यमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन पर बैठने के बावजूद मुख्यमंत्री केजरीवाल ना ही बात करने को तैयार हुए और ना ही दिल्ली सरकार का कोई पदाधिकारी हम किसानों से मिलने तक आया। किसानों के धैर्य अब टूट चुका है इसलिए कल मुख्यमंत्री आवास के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली देश की राजधानी होने के बावजूद किसानों को उनका मूलभूत अधिकार तक नहीं दिया जा रहा है। किसानों द्वारा ट्रैक्टर, खाद एवं अन्य कृषि संबंधि उपकरण खरीदने में कोई सब्सिडी नहीं मिलती और कमर्शियल दर पर उनसे सिंचाई के लिए बिजली शुल्क लिए जा रहे हैं जो कि न सिर्फ अन्नदाताओं के साथ अन्याय है बल्कि केजरीवाल का किसानों के प्रति रवैया मानवीय को शर्मसार करने वाली है।

कोरोना के नए मामलों में 18 फीसदी की गिरावट पिछले 24 घंटों में 2075 नए केस दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में जानलेवा कोरोना वायरस महामारी के नए मामलों में आज 18 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के 2 हजार 75 नए केस सामने आए हैं और 71 लोगों की मौत हो गई। कल कोरोना के 2 हजार 528 केस दर्ज किए गए थे और 149 लोगों की मौत हुई थी। जानिए देश में कोरोना की ताजा स्थिति क्या है केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, कल देश में 4 हजार 722 लोग ठीक हुए, जिसके बाद अब एक्टिव मामलों की संख्या घटकर 27 हजार 802 हो गई है। वहीं, इस महामारी से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 5 लाख 16 हजार 352 हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक, अभी तक 4 करोड़ 24 लाख 61 हजार 926 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण मुहिम के तहत अभी तक कोरोना वायरस रोधी टीकों की 181 करोड़ से ज्यादा खुराक दी जा चुकी हैं। कल 5 लाख 84 हजार 177 डोज दी गईं, जिसके बाद अबतक वैक्सीन की 181 करोड़ 4 लाख 96 हजार 924 डोज दी जा चुकी हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, स्वास्थ्यकर्मियों, कोरोना योद्धाओं और 60 साल से ज्यादा आयु वाले अन्य बीमारियों से ग्रस्त लोगों को 2 करोड़ से ज्यादा (2,16,60,637) एहतियाती टीके लगाए गए हैं। देश में कोविड रोधी टीकाकरण अभियान 16 जनवरी, 2021 से शुरू हुआ और पहले चरण में स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लगाया गया। वहीं, कोरोना योद्धाओं के लिए टीकाकरण अभियान दो फरवरी से शुरू हुआ था।

लाजपत नगर सेंट्रल मार्केट में भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन

» स्वतंत्र सिंह भुल्लर मदरलैंड संवादाता

नई दिल्ली। लाजपत नगर सेंट्रल मार्केट में श्री शक्ति राज पार्क में शॉपकीपर वेलफेयर एसोसिएशन पुष्पा मार्केट, सेंट्रल मार्केट स्पीकर एसोसिएशन, सेंट्रल मार्केट लाजपत नगर टू में सीनियर चीफ वार्डन डीसीडी प्रेसिडेंट अवार्ड मेडल राजेंद्र कपूर द्वारा पार्क में भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मार्केट एसोसिएशन के संजीव तलवार भी शामिल रहे और वही वीआईपी गेस्ट कुमार स्पेशल गेस्ट एम एल ए प्रवीण कुमार सुनील कुमार नीलम यादव ब्रांड एंबेसडर एसडीएमसी श्याम शर्मा पधारे

होली समारोह में एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने श्याम शर्मा मनोज साधु विशाल अग्रवाल संजीव गुप्ता साहिल गुप्ता जतिन मेहता संजीव गोसाई मानिक अरोड़ा रोहित साहनी नवल मनचंदा ने चंदन का टीका लगाकर चुनरी शील्ड देकर उपस्थित सभी माननीय लोगों का सम्मान किया और बड़े धूमधाम से होली मिलन मनाई।

धर्म, जाति या लिंग से बहुत उप्पेर है इंसानियत, इंसानियत से बढ़कर कोई जाति या धर्म नही है: डॉ सारिका वर्मा प्रवक्ता आप हरियाणा

» मदरलैंड संवाददाता

गुरुग्राम। परिवार के कुछ सदस्यों के साथ हाल की बातचीत ने मुझे गहराई से झकझोर दिया है और मुझे यह विश्वास करने के लिए प्रेरित किया है कि विभाजन का निरंतर प्रचार सामान्य रूप से समझदार और गैर-राजनीतिक लोगों के दिमाग में समा गया है। यह मेरे लिए बेहद चिंताजनक है क्योंकि मैं धर्म, जाति या लिंग के पूर्वाग्रह के बिना पहले इंसान बनना पसंद करता हूं।

कश्मीर फाइल्स नाम की एक फिल्म को आईटी सेल जिस तरह से आगे बढ़ा रहा है, वह इसका उदाहरण है। , जब यह अत्याचार हुआ तो पागलपन को रोकने के लिए कुछ नहीं किया। और वर्तमान सरकार को 8 साल सत्ता में रहने के बावजूद कश्मीरी पंडितों का पुनर्वास नहीं करने के लिए उनके हाथों पर शर्म आती है। धारा 370 हटने के 2 साल बाद भी एक भी परिवार अपने पुश्तैनी घर नहीं लौटा है. क्यों? क्यों दर्द और डर को फैलाना ठीक है लेकिन उनके पुनर्वास की मांग करना ठीक नहीं है? वोट बटोरने के लिए उनके दर्द को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के अलावा किसी भी सरकार ने उनके लिए क्या किया है

हिंदू कश्मीरी पंडितों का दर्द गुजरात दंगों में मुसलमानों के दर्द, गोधरा ट्रेन नरसंहार में हिंदुओं, 1984 के सिख नरसंहार, बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद हिंदू मुस्लिम दंगों और विभाजन के दौरान भारतियो केव दर्द के रूप में है। ये सभी घटनाएं भारत के इतिहास में काले निशान हैं। ये दर्दनाक यादें हैं कि इंसानों ने लड़ा, मार डाला, बलात्कार किया, साथी इंसानों को अपंग कर दिया और जानवरों से भी बदतर व्यवहार किया। ये ऐसी घटनाएं नहीं हैं जिनका महिमामंडन करने और लोगों की आत्मा को दुखाने के लिए पुराने घावों को कुरेदने की जरूरत है। हमने दुख को ठीक करने, अतीत को दफनाने और आगे बढ़ने के लिए समय दिया है। लेकिन यह मौजूदा सरकार गुस्से को जिंदा रखने के लिए चुनिंदा घटनाओं का इस्तेमाल करती है। क्योंकि नफरत ही उन्हें पेश करनी है।

जहां शिक्षा बेहतर है, वहां महिलाओं के बच्चे कम हैं, चाहे वे हिंदू हों या मुस्लिम। इसलिए बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल में परिवार का आकार सिकुड़ जाएगा यदि राज्यों का ध्यान शिक्षा पर है। व्हाट्सएप ग्रुप में बहुत सारे चाचा हैं जो आपको अन्यथा बताने की कोशिश कर रहे हैं। कृपया इन तथ्यों के साथ उनका मुकाबला करें।

मैं आपसे माता-पिता के रूप में पूछता हूं, क्या आपके सपनों का भारत होगा जो सुशासन और शिक्षा क्रांति पर आधारित एक आर्थिक महाशक्ति है या आप अपने शहरों में खून और लाशों की नदियों को पसंद करेंगे? विभाजन और नफरत की कथा को फैलाना और स्वीकार करना बंद करें। आपको अपने बच्चों का वास्ता।

खेल नहीं रहे, वैसे आनंद ले रहे हैं शतरंज का

महामहिम राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने गोल्फ कार्ट में सैर की सूरजकुंड मेले की

» अनूप चौधरी, मदरलैंड संवाददाता

फरीदाबाद। हमें क्या खेलना आता है, हम तो वैसे ही मोहरे बदल रहे हैं। शायद खेलना तुम भी नहीं जानते और हमारी फोटो खींच रहे हो।

सूरजकुंड की धरती पर हर्षोल्लास और ढोल बाजे की थाप पर शुरू हुए 35वें अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुंड मेले का अवलोकन करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय व मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल उज्बेकिस्तान की स्टाल पर शतरंतज खेल रहे थे तो सीएम साहब मजाक में ये शब्द कहे। महामहिम राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने वीवीआईपी गेट दंतेश्वरी द्वार पर फीता काटकर मेले का आगाज किया। चार अप्रैल तक जारी रहने वाले इस मेले में इस बार स्टेट थीम बनाए गए जम्मू-कश्मीर व अन्तराष्ट्रीय स्तर पर सहयोगी देश उज्बेकिस्तान की मेले में विशेष भागेदारी रहेगी।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय व मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने अपने सहयोगी केंद्रीय विद्युत एवं भारी ऊर्जा मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, शिक्षा एवं पर्यटन मंत्री कंवरपाल गुर्जर, परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा व उज्बेकिस्तान के राजदूत दिलशोद ओख्तोव के साथ गोल्फ कार्ट में बैठकर मेले की सैर की। यहां ढप, नगाड़े, बीन, चंग, ढोल, सारंगी बजा रहे सैंकड़ों कलाकारों ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव एवं सूरजकुंड मेले के वाइस चेयरमैन एमडी सिन्हा उन्हें एक-एक स्टाल का अवलोकन करवा रहे थे। मुख्यमंत्री और राज्यपाल ने सबसे पहले कश्मीर पैवेलियन का अवलोकन किया। जम्मू-कश्मीर से आर्ट एंड क्राफ्ट विभाग के निदेशक मामूद शाह ने राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय व मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल को अपने पहाड़ी राज्य के खान-पान व कहोवा पिलाने की संस्कृति से अवगत करवाया। मुख्य अतिथि पैवेलियन के अंदर थे तो बाहर कश्मीरी बालाएं व कलाकार अपने लोक गीतों व सरोद, मटका आदि लोक वाद्य बजाकर उनका स्वागत कर रहे थे। महामहिम राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने कश्मीरी वेशभूषा से सुसज्जित लड़कियों के साथ फोटो भी खिंचवाई और उनको आशीर्वाद दिया।

इसके बाद महामहिम राज्यपाल ने मुख्यमंत्री के साथ कश्मीर के काष्ठद हस्तशिल्प, बुनाई की दस्तकारी व कश्मीर की डोगरा कला संस्कृति से सरोबार पांडालों का अवलोकन किया। गोल्फ कार्ट से उतरकर पैदल ही महामहिम राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय व मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल उज्बेकिस्तान के गलियारे में पहुंचे, जहां राजदूत दिलशोद ओख्तोव ने अपने साथी अधिकारियों के साथ दोनों महान हस्तियों का आदर-सत्कार से स्वागत किया। यहां राजदूत दिलशोद ओख्तोव ने अपने देश के शिल्पकारों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों का परिचय दिया। राज्यपाल व मुख्यमंत्री स्टाल पर उज्बेकिस्तान की सुंदर शंतरंज देखकर एक-दूसरे के साथ खेलने लगे। यहां मुख्यमंत्री ने भी फोटो ले रहे मीडियाकर्मियों के साथ हंसी-ठिठोली की। दिल्ली दौलतराम कालेज में हिंदी पढ़ रही ताशकंद से आई छात्रा जलाला ने दोनों अतिथियों से बातचीत की। जलाला ने बताया कि वह पिछले दो सालों से भारत में है और हिंदी उसे विशेष प्रिय है।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस 03
नई दिल्ली, रविवार, 20 मार्च 2022

तेज रफ्तार डंपर ने लोगों को लिया चपेट में, 2 की मौत दर्जनभर घायल, ग्रामीणों ने लगाया जाम

» मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। दिल्ली-अलवर राष्ट्रीय राजमार्ग 248ए पर गांव सलम्बा(नूंह) के बाहर शनिवार सुबह तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला, तेज रफ्तार डंपर ने अनियंत्रित होकर एक बस व आसपास खड़े लोगों को टक्कर मार दी घटना में दो की मौत व दर्जनों चोंटिल हो गए। चोंटिलों को शहीद हसन खां मेवाती राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से घायलों को दिल्ली रेफर किया गया है। लोगों ने घटना का ठीकड़ा सीधा पुलिस पर फोड़ा है और गुस्साए ग्रामीणों ने गांव के बाहर मार्ग को जाम कर दिया जिससे दोनों ओर वाहनों की लम्बी कतारे लग गई। घटना की सूचना पाकर एसडीएम पुन्हाना, डीएसपी, सीएलपी के उप नेता आफताब अहमद, युवा भाजपा नेता ताहिर हुसैन, जजपा नेता तैयब हुसैन घासेडिया आदि समेत विभिन्न सियासी दलों के नेता मौका पर पहुंच गए। मौके पर मौजूद सियासी लोगों व ग्रामीणों ने इस घटना को पुलिस की वजह से होने का आरोप लगाया और साथ ही पीड़ित परिवार को डीसी रेट पर नौकरी व मुआवजा की मांग पर एसडीएम ने

भरोसा दिलाया कि उनकी मांगों पर साहनुभूति से विचार किया जाएगा। जबकि नूंह सदर थाना पुलिस ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। खबर लिखे जाने तक पुलिस ने कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया लेकिन घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि शिकायत मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

प्राप्तजानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता आशक उर्फ आसक अली पुत्र अली मोहम्मद निवासी गांव सलम्बा थाना सदर नूंह ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि शनिवार सुबह समय करीब 7 बजे वह गांव के बाहर दिल्ली-अलवर मार्ग स्थित अपनी चाय की दुकान पर बैठा था कि मेरा पुत्र अबरार उम्र 11 साल नाश्ते का सामान लेकर मेरी दुकान पर आया जो कि दुकान के पास एक टैऊक्टर खड़ा था और मुनफरीद पुत्र मोरमल व ताहिर निवासियान गांव बुजाका थाना रामगढ जिला अलवर(राजस्थान) दुकान पर चाय पीने के लिए आए हुए थे तभी अचानक नूंह की तरफ से एक हाईवा डंपर रजि0 नं-आरजे-40जीए-2089 का चालक वाहन को तेज गति, लापरवाही व गफलत में चलाता हुआ आया और पीछे पुलिस की सफेद गाड़ी भी उसके पीछे लगी थी, लेकिन चालक ने डंपर को अचानक घुमा दिया जिससे डंपर ने सोहना की तरफ से आ रही एक बस, अबरार, मुनफरीद व ताहिर में जोरदार टक्कर मार दी जिससे मेरा पुत्र अबरार व मुनफरीद की मौके पर ही मौत हो गई,घायल ताहिर के अलावा बस में बैठे रोहतास पुत्र जग्गी निवासी मोनाका जिला भरतपुर, रूकमूदीन पुत्र जहल, अब्दुल रज्जाक पुत्र सत्तार निवासी जयसिंहपुर, असफाक निवासी कैराका, निजामुदीन पुत्र अब्दुल्ला निवासी जयसिंहपुर, आरिफ निवासी रानिका, अयुब अडबर, वसीम अकरम, बिलाल, रासिद, नियाजू, तौफिक सहित करीब दर्जनभर से अधिक बुरी तरह से घायल हो गए और उनको शहीद हसन खां मेवाती राजकीय मेडिकल कॉलेज में दाखिल कराया गया। जबकि डंपर चालक व पुलिस वाहन मौका से फरार हो गए।

घटना के बाद गुस्साएं ग्रामीणों ने लगाया जाम- घटना के बाद गुस्साएं ग्रामीणों ने दिल्ली-अलवर मार्ग पर गांव के बाहर दोनों तरफ कंटीली झाडियों को डालकर जाम लगा दिया जिसके बाद मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लम्बी-लम्बी कतारें लग गई। पुलिस पलवल टी प्वाइंट व गांव घासेडा के समीप वाहनों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की।

इस बारे में नूंह सदर थाना प्रभारी ने शनिवार सांय माना कि गांव सलम्बा पुलिस लाईन के करीब घटित घटना में प्रारम्भिक जांच में दो की मौत व 14 लोगों के घायल होने की बात सामने आई है। घायलों का नलहड मेडिकल कॉलेज व अन्य अस्पतालो में उपचाराधीन हैं, घटना की शिकायत मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी और पुलिस पर लगे आरोपों को सिरे से खारिज किया है।

संक्षिप्त समाचार

बाबा मोहनराम के दूज मेले पर भीड़ टूट रही

मदरलैंड संवाददाता, नूंह/मेवात। समीपवर्ती बाबा मोहनराम काली खोली वाले बाबा के धाम(भिवाडी) में फल्गुन मास का लग रहा दूज मेले में भक्तों का जत्था पहुंचा। लगभग एक पखवाड़े से चल रहे मेले में जमकर भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। भक्तों की माने तो दो साल कोरोना की वजह से मेले का आयोजन प्रभावित रहा था लेकिन अब कोरोना की बात सामने नहीं आने से इस बार भक्तों ने खूब दर्शन किए है। अंतिम दिनों में भक्त डीजे, हारमोनियम के अलावा पैदल व पेट पलनिया जिला की सीमाओं से गुजर रहे हैं लेकिन प्रशासन द्वारा उनकी सुरक्षा के इंतजाम ना करने से लोग असमंजस की स्थिति में हैं। लोगों की माने तो मेवात जिला के सोहना-तावडू-भिवाडी मार्ग, केएमपी मार्ग से भक्तजन गुजर रहे हैं लेकिन इन मार्गों पर दूर-दूर तक भी पुलिस के जवान भक्तों की सुरक्षा में दिखाई नहीं दिख रहे थे। मेले प्रबंधन के अलावा भिवाड़ी पुलिस भी मेले में उमडी भीड़ को संभालने में नाकामयाब साबित हो रही थी।

ऑनलाइन ट्रांजैक्शन से धोखाधड़ी करने के आरोप में दो को किया गिरफ्तार

मदरलैंड संवाददाता, हांसी । पुलिस अधीक्षक नितिका गहलोत के दिशा निदेर्शानुसार व साइबर अपराधों पर रोकथाम लगाते हुए साइबर हेल्प डेस्क शहर थाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है । गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान रविंदर उर्फ काला व नवीन वासी रिढना जिला सोनीपत के रूप में हुई । जिन्होंने सतीश वासी हांसी की दुकान से सामान लेकर ऑनलाइन ट्रांजेक्शन करके धोखाधड़ी की थी जिन को गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश करके 1 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया रिमांड के दौरान आरोपियों के कब्जे से 8000 रुपये नकदी बरामद करने के बाद रिमांड की अवधि पूरी होने पर न्यायालय में पेश करके जेल भेज दिए हैं । जोकि पहले ही कई मामलों में हिसार जेल में बंद थे जिन को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर शामिल तफ्तीश करके व धोखाधड़ी से हड़पी गई नकदी बरामद करके न्यायालय पेश करके जेल भेज दिए हैं ।

लड़ाई झगड़ा करके सरकारी ड्यूटी में बाधा पहुंचाने के आरोप में तीन को किया गिरफ्तार

मदरलैंड संवाददाता, हांसी । पुलिस अधीक्षक हांसी के दिशा निदेर्शानुसार व अपराधों पर रोकथाम लगाते हुए शहर थाना पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है । गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान धर्मेंद्र , नवीन व पवन उर्फ टोनी वासी रामसिंह कॉलनी के रूप के रूप में हुई । जिन्होंने शहर थाना पुलिस के एएसआई के साथ लड़ाई झगड़ा करके सरकारी ड्यूटी में बाधा पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी जो गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश करके जेल भेज दिए हैं।

घर में घुसकर मकान में चोरी करने के आरोप में एक को किया गिरफ्तार

मदरलैंड संवाददाता, हांसी । पुलिस अधीक्षक नितिका गहलोत के दिशा निदेर्शानुसार चोरी की वारदातों पर लगाम लगाते हुए शहर थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है । गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान शंकर वासी हनुमान कॉलोनी हांसी के रूप में हुई जिसने दिनेश कुमार वासी उत्तम नगर हांसी घर में घुसकर चोरी करने की नियत से चोरी कर ली थी जिस को गिरफ्तार करके न्यायालय पेश करके जेल भेज दिया हैं ।

अवैध शराब रखने के आरोप में एक को किया गिरफ्तार

मदरलैंड संवाददाता, हांसी । पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देश अनुसार व जिला भर में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सदर थाना ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है । गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान कृपाल उर्फ रामकृपाल वासी सीरिया जिला पन्ना मध्य प्रदेश के रूप में हुई जिसको गाँव उमरा से गाड़ी नंबर ल्ट, फ् 21 ,ट ,6960 गाड़ी में 18 बोतल देसी माल्टा व 9 बोतल अंग्रेजी शराब (कुल 27 बोतल) सहित गिरफ्तार करके थाना सदर हांसी में आबकारी अधिनियम संशोधित 2020 के तहत कार्यवाही की गई है ।

सी.एम.एस. छात्रा को उच्चशिक्षा हेतु आस्ट्रेलिया के दो विश्वविद्यालयों से आमंत्रण

लखनऊ, एजेंसी। आस्ट्रेलिया के दो प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों ने सिटी मान्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड कैम्पस की छात्रा तन्वी सक्सेना को उच्चशिक्षा का ऑफर दिया है। इन विश्वविद्यालयों में आस्ट्रेलिया की ला ट्रोब यूनिवर्सिटी एवं यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी शामिल है। तन्वी ने इस सफलता का सम्पूर्ण श्रेय सी.एम.एस. के अपने शिक्षकों व विद्यालय के शैक्षिक वातावरण को दिया है। सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी ने इस प्रतिभाशाली छात्रा को हार्दिक बधाई देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है। विदित हो कि सी.एम.एस. प्रदेश में एकमात्र एस.ए.टी. (सैट) एवं एडवान्स प्लेसमेन्ट (ए.पी.) टेस्ट सेन्टर है जो उत्तर प्रदेश एवं आसपास के अन्य राज्यों के छात्रों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध करा रहा है। वर्ष 2022 में अब तक सी.एम.एस. के 70 से अधिक छात्रों ने अमेरिका, इंग्लैण्ड, कैनडा, आस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, जर्मनी आदि विभिन्न देशों के ख्यातिप्राप्त विश्वविद्यालयों जैसे कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, कैलीफोर्निया इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (कैलटेक), मैसाचुसेट्स इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.आई.टी.), स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी, कार्नेल यूनिवर्सिटी, मेलबर्न यूनिवर्सिटी एवं नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर आदि में स्कॉलरशिप के साथ चयनित होकर लखनऊ का नाम अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर गौरवान्वित किया है।

जिला में होली(धुलैंडी) पर्व धूमधाम से मनाया गया

» मयंद मोहन, मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। जिला में शुक्रवार को होली(धुलैंडी)पर्व धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही महिलाऐं घरों में पकवान बनाने में जुटी हुई थी। लोगों ने एक-दूसरें को रंग-गुलाल लगाकर पर्व की खुशियां बांटी गई। जिला में पर्व के मौके पर किसी प्रकार के झगड़े की खबर सामने नहीं आई जिससे पर्व शांतिपूर्ण मनाया गया। लोगों ने अपने घर के आगे डीजे, ढोल नगाड़ों की धुन पर खूब पर्व का आनंद लिया।

यहां, यह बता दें कि भारतीय धर्म संस्कृति में होली पर्व का विशेष महत्व हैं। यह पर्व रंगों से खेला जाने वाले पर्व हैं लेकिन बदलते वक्त में इसको चंदन, फूलों के जरिये भी खेला जाता हैं। लोग अपने परिचितों के साथ होली खेलकर भाईचारा बढ़ाने के अलावा बड़ों का आशीर्वाद लेते हैं। नूंह में पुरानी अनाज मंडी, विवेकानंद प्रभात शाखा के अलावा तावडू, पुन्हाना, पिनगवा, फिरोजपुर झिरका,नगीना व इंडरी विकास खण्डों में भी होली पर्व धूमधाम से मनाया गया।

जिला में इस बार मात्र 82.8 फीसदी रकबे का पंजीकरण हुआ

» मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। सरकार की मेरी फसल -मेरा ब्योरा पोर्टल पर जिला के किसानों को रबी फसलों के पंजीकरण के लिए कई बार मौका देने के बावजूद मात्र 82.8 फीसदी रकबे का पंजीकरण हुआ है। सबसे अधिक पुन्हाना खण्ड के किसानों ने 75 फीसदी सर्वाधिक पंजीकरण में दिलचस्पी दिखाई है। यहां, यह बताना जरूरी है कि जिला की कुल 263562 एकड़ भूमि का रबी फसलों के लिए 217868 भूमि का पंजीकरण हुआ है। तावडू का 42120, 57875, फिरोजपुर झिरका का 40828, नगीना का 37848 व पुन्हाना का 39295 एकड़ भूमि का रबी फसलों का पंजीकरण हुआ है।

उप मण्डल कृषि अधिकारी बीडी गौतम ने शनिवार सांय कहा कि मेरी फसल -मेरा ब्योरा पोर्टल पर जिला के 82.8 फीसदी किसानों का 18 मार्च अंतिम तिथि तक पंजीकरण हुआ है यानी जिला की कुल 263562 एकड़ भूमि का रबी फसलों के लिए 217868 भूमि का पंजीकरण हुआ है।

भाविप का होली परिवार मिलन समारोह सुभाष क्लब में

» मदरलैंड संवाददाता

हांसी । भारत विकास परिषद शाखा हांसी द्वारा दिनांक 18-03-2022 (शुक्रवार) को सुभाष ड्रामाटिक क्लब में ₹होली परिवार मिलन समारोह₹ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रऊट जितेंद्र अहलावत थे और अध्यक्षता प्रांतीय वित्त सचिव कमलेश गर्ग ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर महिला प्रमुख चंद्र अरोड़ा ने तंबोला, बैलून, पतंग उड़ाओ, म्यूजिकल चेयर के खेल करवाए और होली के गीतों पर समूह नृत्य भी किया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में बोलते हुए कहा कि भारत विकास परिषद भारत के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रही है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष कमलेश गर्ग ने सभी का स्वागत किया और शाखा के अध्यक्ष जगदीश धमीजा ने सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन कमल किशोर शास्त्री और राजीव बंसल ने किया।

इस अवसर पर डा.रणजीत सिंह सैनी, सुभाष गर्ग, दयानंद महता, दिलबाग वर्मा, सुभाष चंद्र कटारिया, कश्मीरी लाल मनचन्दा, हरीश गावड़ी, राजकुमार मनचन्दा, संजय सीधर, डा. वीरेंद्र आहूजा, राम अवतार सिंह, प्रमोद ठकराल, रमेश कुमार अरोड़ा, राजेंद्र नांगरू, डा.राकेश भारद्वाज, देवेंद्र रावल, सतबीर कौशिक, धर्मवीर रतेरिया, अनिल चराया, प्रेम खुराना, राजीव यादव, कश्मीरी लाल ग्रोवर, प्यारे लाल सैनी, राम कुमार लाम्बा, कृष्ण यादव आदि उपस्थित थे।

खेड़ी चौपटा तहसील के किसानों व बास के ग्रामीणों के मुद्दे को प्रमुखता से उठाएंगे चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा - जस्सी पेटवाड़

» मनमोहन शर्मा, मदरलैंड संवाददाता

नारनौंद / हांसी । खेड़ी चौपटा तहसील के 17 गावों के किसानों को मुआवजे से वंचित रख कर उन्हें परेशान किया जा रहा है। पिछले 5 दिनों से खेड़ी चौपटा तहसील के किसान ताला लगाकर धरना दे रहे हैं। कोई भी प्रशासनिक अधिकारी उनकी सुध लेने के लिए नहीं पहुंचा है। वहीं दूसरी तरफ 21 दिनों से बास के ग्रामीण नगर पालिका को भंग के लिए धरने पर बैठे हुए हैं लेकिन सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। उक्त शब्द कांग्रेस नेता जस्सी पेटवाड़ ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए कहे। उन्होंने दोनों मांगों को लेकर नेताप्रतिपक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व राज्यसभा सांसद दीपेन्द्र हुड्डा को मांग पत्र सौंपा है । जिसमें बास के ग्रामीणों व खेड़ी चौपटा तहसील के अंतर्गत आने वाले 17 गांवों के किसानों की मांग को उन्होंने प्रमुखता से उठाने की मांग की है। जिस पर उन्होंने आश्वासन दिया है कि वह इन दोनों मुद्दों को प्रमुखता से उठाएंगे।

जस्सी पेटवाड़ ने कहा कि भाजपा जजपा गठबंधन सरकार किसान विरोधी है। पिछले डेढ़ सालों से किसानों को दिल्ली के बॉर्डर पर बैठाए रखा और अब जब किसानों के खेतों में सरसों की फसल कटाई का काम चल रहा है। ऐसे में किसानों को धरने पर बैठने के लिए मजबूर किया जा रहा है। लेकिन सरकार को पता होना चाहिए कि डेढ़ साल बोर्डरों पर बैठने के बाद भी किसानों ने अपनी लड़ाई को जीत कर ही दम लिया था । खेड़ी चौपटा के किसान भी मुआवजा लेकर ही धरने से उठेंगे और कांग्रेस पार्टी हर कदम पर किसानों के साथ खड़ी है।

जब बास गांव के ग्रामीणों को नगर पालिका बनने से आपत्ति है तो सरकार को अपनी हठधर्मिता छोड़कर ग्रामीणों की बात को मानते हुए तुरंत नगरपालिका को रद्द कर देना चाहिए और फिर से पंचायत का दर्जा बहाल कर देना चाहिए। सरकार आम जनता को सुविधाएं देने के लिए लोग चुनते हैं और जब सरकार लोगों की बात को अनसुना कर उन को प्रताड़ित करने का काम करें तो उस सरकार को सत्ता में रहने का अधिकार नहीं होता ।

जस्सी पेटवाड़ ने कहा कि बीजेपी और जजपा के नेता यहां वोट मांगने तो आ जाते हैं लेकिन बीच में कोई भी हल्के की सुध लेने नही आता ।

जिला की मंडियों में सरसों की आवक जोरों पर, सरकार द्वारा 50-50 रुपए न्यूनतम मुल्य पर 21 मार्च से खरीद शुरू कराने का दावा

» मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। जिला की मंडियों में सरसों की आवक जोरों पर हैं। सरसों की खुले में अच्छे दाम होने से सरकारी खरीद केन्द्र सूने पड़े हैं सरकार द्वारा 5050 रुपए न्यूनतम मुल्य पर 21 मार्च से खरीद शुरू कराने का दावा पेश किया हुआ है। जबकि जिला की मंडियों में 4500 से 8000 रुपए प्रति क्विंटल की दर से सरसों की खुले में बिकवाली हो रही है और रोजाना करीब अढाई हजार क्विंटल सरसों की आवक हो रही है।

उधर,दूसरी तरफ गेंहू के खुले बाजार में 2400 से 2500 रूप्ये प्रति क्विंटल की दर से खुले में हो रही बिकवाली से लोगों के कयास हैं कि इस बार गेंहू 2015 न्यूनतम मुल्य पर बिकवाली की संभावना कम ही लग रही हैं और सरसों की तर्ज पर गेंहू भी इस बार खुले बाजार में न्यूनतम मुल्य से अधिक बिकने की संभावना है और इसी वजह से किसानों ने पंजीकरण कम किया है।

इस बारे में मार्किट कमेटी पुन्हाना के सचिव कम कार्यकारी अधिकारी दीपक कुमार ने शनिवार सांय माना कि उनकी मंडी में सरसों की करीब अढाई हजार क्विंटल आवक हो रही है और खुले बाजार में 4500 से 8000 रूप्ये प्रति क्विंटल की दर से बिकवाली हो रही है। इसी तरह उप मण्डल कृषि अधिकारी बीडी गौतम ने कहा कि गेंहू का न्यूनतम मुल्य 2015 है और खुले में 2400 से 2500 रूप्ये प्रति क्विंटल की दर से बिकवाली हो रही है।

चारो ओर उड़ा अबीर-गुलाल, रंगो से सराबोर हुए लोग

बाराबंकी, एजेंसी। होली का त्योहार शुक्रवार को क्षेत्र में हर्षेल्लास से मनाया गया। चारों ओर हवा में उड़ता अबीर-गुलाल और रंगों से सराबोर लोग। यह नजारा देख हर कोई होली के रंग में रंग गया और जमकर होली खेली गई। होली के त्योहार में लोगों में गजब का उत्साह देखने को मिला। एक सप्ताह पहले ही लोगों ने होली की तैयारियां शुरू कर दी थी।

गुरुवार की रात होलिका दहन होने के बाद शुक्रवार को दिन भर रंगों का दौर चलता रहा। सुबह से ही लोग मित्रों, रिश्तेदारों के यहां पहुंच गए और एक दूसरे को रंग लगाकर होली का उल्लास मनाया। बड़े-बुजुर्गों को अबीर गुलाल लगाकर उनका आशीर्वाद लिया। बच्चों ने अपने हम उम्र साथियों के साथ पिचकारियों व अन्य माध्यमों से होली के त्योहार का लुत्फ उठाया। दिन भर यही दौर चलता रहा। लोगों का एक दूसरे के घर आना-जाना लगा रहा। होली का उल्लास इतना था कि गांव की सूनी पड़ी गलियों से जो भी निकला वह पूरी तरह होली के रंगों में रंगा हुआ नजर आया। दोपहर बाद होली मिलन का कार्यक्रम शुरू हुआ और हिन्दू-मुस्लिम सभी एक दूसरे से गले मिलकर होली की बधाई दी। होली मिलन का कार्यक्रम देर रात्रि चलता रहा।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

संक्षिप्त समाचार

कुमाऊंनी होली में रही भारतीय संस्कृति की झलक, जमकर बरसा गुलाल

मदरलैंड संवाददाता, रुड़की। कुमाऊं संस्कृति विकास मंडल समिति की महिला शक्ति ने बुधवार को महिला अध्यक्ष गायत्री देवी की अध्यक्षता में जमकर होली खेली। इसमें आदर्श शिवाजी नगर की पूरी होली मंडली होली के रंग में रंगी रही। महिला सचिव गीता पुजारा ने लोगों को अपनी संस्कृति बचाने के लिए आगे आने की बात कही। समाज के लोगों को एकजुट होने के लिए आह्वान किया। महिला अध्यक्ष गायत्री देवी ने कहा कि होली रंगो का त्यौहार है और रंग जीवन में खुशियां भरने का काम करते हैं। इसलिए सभी लोग रंगो के इस त्यौहार को आपसी भाईचारे के साथ ही खेले। एक-दूसरे के प्रति मन में किसी तरह का द्वेश न रखे। कहा कि होली भारतीय संस्कृति की भी पहचान है। जिसके जरिए हमें अपनी संस्कृति को जानने का मौका मिलता है। होलिका दहन बुराई पर अच्छाई का परिचायक है। उन्होने सभी को होली की बधाई देते हुए तेज रंगो से परहेज करने की भी बात कही। कहा कि त्वचा खराब करने वाले तेज कैमिकल रंगो से दूर रहकर सभी फूलों और हरबल गुलाल से ही होली खेले।

ब्रह्माकुमारीज ने किया विधायक अनुपमा, नारसन का सम्मान

मदरलैंड संवाददाता, रुड़की। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय रुड़की व हरिद्वार सेवा केंद्रों पर होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किए गए। ब्रह्माकुमारीज संस्था ने हरिद्वार ग्रामीण क्षेत्र की नवनिर्वाचित विधायक अनुपमा रावत को उनकी नारी शक्ति के रूप में हुई विजय के लिए व साहित्यकार श्रीगोपाल नारसन के द्वारा ब्रह्माकुमारीज सम्बंधित कई पुस्तकों के लेखन के लिए सम्मानित किया गया। देहरादून जोनल इंचार्ज राजयोगिनी मंजू दीदी, हरिद्वार सेवा केंद्र प्रभारी राजयोगिनी मीना दीदी, रुड़की केंद्र से राजयोगिनी गीता व ब्रह्माकुमार सुशील ने संयुक्त रूप से पुष्प गुच्छ, शाल व लक्ष्मी नारायण का चित्र देकर उनका अभिनन्दन किया। विधायक अनुपमा रावत ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज नारी शक्ति के नेतृत्व का विश्वव्यापी आध्यात्मिक संगठन है, जो विश्व मे चरित्र निर्माण की अलख जगा रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र में आकर सुखद अनुभूति हुई। वे चाहती है कि विकास की दिशा में ब्रह्माकुमारी बहने उनका मार्गदर्शन करें ताकि वे समग्र समाज के हितों के लिए कार्य कर सके। उन्होंने राजयोग को परमात्मा से संवाद की अनूठी युक्ति पर भी चर्चा की। इस अवसर पर राजयोगिनी मंजू ने होली के आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए कहा कि हम परमात्मा की याद के रंग में स्वयं को रंगेंगे तो सच्ची होली हो जाएगी। राजयोगिनी मीना ने राजयोग के अभ्यास को जीवन के लिए जरूरी बताया व होली पर बुराइयों को छोड़कर भक्त प्रहलाद की तरह ईश्वरीय याद में रहने के टिप्स बताए। बीके गीता व सुशील ने अतिथियों का स्वागत करते हुए राजयोग के लिए 7 दिन का निशुल्क पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए आमजन से ब्रह्माकुमारीज केंद्रों पर आने की सलाह दी। ब्रह्माकुमारीज संस्था जनकल्याण मिशन से अवगत कराते हुए साहित्यकार श्रीगोपाल नारसन ने जहां विधायक अनुपमा रावत को जीत के लिए बधाई दी वही स्वपरिवर्तन से जग परिवर्तन सोच को सार्थक करने के लिए राजयोग अभ्यास को आवश्यक बताया। उन्होंने होली से सम्बंधित कविताएं सुनाकर सबको मंत्रमुग्ध भी किया। प्रियंका ने अतिथयों को राजयोग का अभ्यास कराया गया और सिद्ध किया कि किस प्रकार हम आत्मा परमात्मा से रूह रिहान कर सकते है। जिसके साक्षी बने सूचना विभाग के उपनिदेशक मनोज श्रीवास्तव, बीके प्रियंका, बीके बबिता, अनिल पुंडीर, हर्ष हसीन व सतीश दुबे आदि मौजूद रहे। वही रुड़की सेवा केंद्र पर हुए होली मिलन कार्यक्रम में एआरटीओ एल्विन ने ब्रह्माकुमारीज संस्था से जुड़ने के अपने रोचक अनुभव साझा किया। छोटे बच्चों ने होली के आध्यात्मिक पक्ष पर केंद्रित एक नाटिका प्रस्तुत की।

नदी में डूबे युवक का शव बरामद

देहरादून, एजेंसी। एसडीआरएफ टीम को सूचना मिली थी कि एक लड़का आठली गांव नदी में डूब गया था। इस दौरान उपरोक्त सूचना प्राप्त होते ही एसडीआरएफ पोस्ट उजेली रेस्क्यू टीम व एसडीआरएफ पोस्ट कोटी कॉलोनी से डीप डाइविंग टीम द्वारा घटनास्थल पर लगातार सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा था। इस पर बताया गया कि सर्चिंग के दौरान एसडीआरएफ टीम के डीप डाइवर आरक्षी कविंद्र चैहान द्वारा लगभग 30 फीट गहराई में जाकर उक्त युवक नाम अजय सिंह गुसांई पुत्र भगवान सिंह गुसांई उम्र 21 वर्ष निवासी आठली गांव, उत्तरकाशी के शव को बरामद कर जिला पुलिस के सुपुर्द किया गया।

नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण की तैयारियां तेज, प्रधानमंत्री मोदी होंगे शामिल

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड भारतीय जनता पार्टी ने नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण की तैयारियां तेज कर दी हैं। नया मुख्यमंत्री कौन होगा इसको लेकर जहां सस्पेंस बरकरार है वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने कहा कि जल्द ही मुख्यमंत्री का चयन कर लिया जायेगा। आज भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने कहा है कि नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण भव्य होगा और शपथ ग्रहण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत भाजपा शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा हाईकमान से उनकी बातचीत हुई है जैसी ही केंद्रीय पर्यवेक्षकों का समय मिलेगा भाजपा विधायकों को विधानमंडल दल की बैठक के लिए सूचना भेज दी जाएगी, जबकि भाजपा के अधिकांश विधायक देहरादून में ही मौजूद हैं। कुमाऊं में होली के चलते कुछ विधायक क्षेत्रों में हैं जो देहरादून पहुंचने वाले हैं। उन्होंने कहा कि नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण की तैयारियों को लेकर आज शाम साढे.छह बजे भाजपा संगठन की भी बैठक होनी है।

रामनगर, अशोक नगर में रही होली मिलन कार्यक्रमों की धूम

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। अशोक नगर अध्यक्ष कुंवर सिंह डंगवाल, ब्रिगेडियर विनोद जोशी मास्टर अनिल कुमार प्रधानाचार्य राजेंद्र सिंह रावत तथा सांस्कृतिक कुमाऊं मंडल अध्यक्ष चंद्र दत्त पांडे तथा महिला मंडली द्वारा पूजा अर्चना कर होली दहन कराया गया। इस अवसर पर मिष्ठान वितरण कर तथा रंग लगाकर सब को होली की शुभकामनाएं दी गई। व्यवस्था बनाने में एचएस धोनी पंकज तथा राजीव ने योगदान दिया। विनोद नेगी, जगदीश खड़ायत लक्ष्मण सिंह बिष्ट दीवान सिंह बिष्ट तथा अन्य सभी उपस्थित रहे। रामनगर में राम मंदिर में राजा दीवान, तिलक पिपलानी व भाजपा नेता संजय अरोरा के सहयोग पूजा अर्चना कराकर होलिका दहन किया गया। पंडित कैलाश सेमवाल ने मंत्रोच्चार कराकर होलिका दहन कराया। इसके बाद सभी को प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर समस्त क्षेत्रवासी मौजुद रहे। उधर रामनगर में होली मिलन कार्यक्रम में जमकर प्रेम और कविताओ के रंगो की बारिश हुई। प्रांत सत्संग प्रमुख विश्व हिन्दू परिषद उत्तराखंड कवि राजेन्द्र सैनी ने होली के मौके पर अपनी कविताओ से सबको गुदगुदा दिया। विधायक प्रदीप बत्रा ने सभी को गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। विधायक ने कहा कि होली रंगो का त्यौहार है और रंग जीवन में खुशियां भरने का काम करते हैं। इसलिए रंगो के इस त्यौहार को आपसी भाईचारे के साथ ही मनाना चाहिए। उन्होने विधानसभा चुनाव में मिली जीत को पूरे शहर की जीत बताया। उधर रा प्रा वि भौंरी में भी राजेंद्र सैनी द्वारा बच्चों के साथ होली खेली गई।

होली पर जमकर बरसे रंग, मोहल्लो, बाजारों में हुआ धमाल

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। शहर देहात में होली पर जमकर रंग बरसे। मोहल्लो, बाजारों में खूब धमाल हुआ। सड़क पर उतरी युवाओ की टोली ने सबको रंगो की पिचकारी से भिगोकर रख दिया। महिलाओं, बच्चों ने भी जमकर एक-दूसरे पर रंग बरसाए। होली के गीतों पर जमकर डांस हुआ। खूब जाम से जाम छलके। शनिवार को दूसरे दिन क्षेत्र में होली की धूम बनी रही। दूसरे दिन थानों में होली खेली गई। शहर में होली को लेकर शुक्रवार से ही रंग बरसना शुरू हो गए थे। लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर रिश्तों में बनी कडवाहट को धोया तो युवाओ की टोली ने सबको रंगो की पिचकारी से भिगोकर रख दिया। महिलाएं, बच्चे भी इसमें पीछे नहीं रहे। एक-दूसरे पर जमकर रंगो की पिचकारी चली। डीजे की धुन पर खूब डांस हुआ। जाम से जाम भी जमकर छलके। रंगो के त्यौहार में नेताओ ने भी खूब पिचकारी चलाई। सिविल लाइंस में विधायक प्रदीप बत्रा, किसान कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष सचिन गुप्ता, कांग्रेस प्रदेश महामंत्री राजेंद्र चैधरी एड़वोकेट, रामनगर में प्रोफेसर देवेंद्र प्रताप सिंह, भाजपा नेता संजय अरोड़ा, पूर्वावली गणेशपुर में भाजपा पॉलिसी रिसर्च विभाग के प्रदेश सह संयोजक डॉ. अनिल शर्मा के आवास पर जमकर रंग बरसे। ढंडेरा में श्री योगेश्वर पब्लिक सीनियर सैकेंड्री स्कूल में भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष जितेंद्र पुंडीर के नेतृत्व में होली खेली गई। डिफैंस कालोनी में भाजपा नेता रामकुमार चैधरी के आवास पर रंगो की पिचकारी चली। दोपहर बाद तक शहर में रंगो की बारिश होती रही। सिविल लाइंस, मेन बाजार, रामनगर, बीटी गंज, मक्तुलपुरी, पुरानी तहसील, पश्चिम व पूर्वी अम्बर तालाब में दिनभर होली की धूम बनी रही। मोहनपुरा, ढंडेरा, लालकुर्ती, गणेशपुर, आदर्श नगर में भी दिनभर युवाओ की टोली सड़कों पर घुम-घुम कर एक-दूसरे को रंगो की पिचकारी से भिगोने में लगी रही। भगवानपुर, झबरेड़ा, धनौरी, लक्सर क्षेत्र में भी होली पर जमकर रंगो की बारिश हुई। तमाम जगहों पर लोगों ने भाईचारे की होली खेलकर एक-दूसरे पर प्यार के रंग बरसाए।

ढंडेरा के श्याम राणा ने प्रो बाक्सिंग में लहराया परचम

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। ढंडेरा निवासी श्याम राणा ने जयपुर में आयोजित प्रो बाक्सिंग प्रतियोगिता में उत्तराखण्ड का परचम लहरा दिया है! मुक्केबाज श्याम राणा पहले 4 राउंड से लेकर आखिर तक विरोधी मुक्केबाजो पर भारी बने रहे! शनिवार को ढंडेरा में चेयरमैन रवि राणा के आवास पर मुक्केबाज श्याम राणा का स्वागत किया गया! इस दौरान चेयरमैन रवि राणा ने कहा कि मुक्केबाज श्याम राणा प्रदेश की उभरती हुई प्रतिभा है! श्याम राणा ने जयपुर में राष्ट्रीय प्रो बाक्सिंग प्रतियोगिता में जीत दर्ज कर पूरे क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन कर दिया है! रवि राणा ने कहा कि ऐसी प्रतिभाओं को आगे बढाने के लिए वह पूरी तरह से सहयोग करते रहेगें! तमाम क्षेत्रवासी श्याम राणा की जीत से खुशी में डूबे है! मुक्केबाज श्याम राणा ने कहा कि सीनियर खिलाड़ियों से प्रैरणा लेकर आज वह यहां तक पहूंचे है! इसमें उनके कोच की मेहनत शामिल हैं! भाजपा नेता देवराज पाल ने कहा कि श्याम राणा ढंडेरा ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में उभरती हुई प्रतिभा है! ऐसी प्रतिभाओं का सम्मान जरूरी है! इससे खिलाड़ियों का हौसला बढ़ता है! उन्होंने दूसरे युवाओं से श्याम राणा से प्रेरणा लेकर आगे बढने की बात कही! इस अवसर स्वागत करने वालो में कोच नवीन ठाकुर, सुदर्शन डोबरियाल, मुकेश चमोली, बॉबी राणा, अवनीश चैधरी, राव इस्तकार, बृजेश कुमार, मनोज नागर, भूपेश राणा, विजय कुमार, अभय राणा, विनोद चैहान, पुनीत रोहिल्ला, उज्जवल राणा, अमनदीप राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रियंका गैरोला को गेट परीक्षा में 972 अंकों के साथ ऑल इंडिया रैंक में मिला पहला स्थान

प्रियंका ने किया उत्तराखण्ड का नाम रोशन

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड की एक और बेटी प्रियंका गैरोला ने प्रदेश का नाम रोशन करते हुए गेट परीक्षा में 972 अंकों के साथ ऑल इंडिया रैंक में पहला स्थान प्राप्त किया है। यहां राजधानी के बल्लूपुर के आकाश दीप कॉलोनी निवासी प्रियंका गैरोला कहती हैं कि एनईटी-जेआरएफ में भी उनकी टॉप रैंक हो सकती है। उन्होंने अपने इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को देना नहीं भूलती। इस अवसर पर प्रियंका ने कहा कि इसके बाद वह अब आईआईटी के लिए आवेदन करेंगी और दर्शनशास्त्र के माध्यम से वह अपने उत्तराखंड की जनजातीय संस्कृति के विकास के लिए कार्य करना चाहेंगी। इस दौरान प्रियंका गैरोला ने गेट परीक्षा में ह्यूमेनिटी एंड सोशल साइंस (दर्शनशास्त्र) विषय में ऑल इंडिया रैंक में प्रथम रैंक हासिल किया है। उन्होंने कहा कि जिसमें 972 अंकों के साथ 73.0 प्रतिशत अंक मिले हैं। प्रियंका ने कहा कि फरवरी में हुई गेट की परीक्षा में जेईएन में 50.7, ओबीसी में 45.6 और एस/एसटी में 33.8 अंक प्राप्त किए हैं। इस अवसर पर प्रियंका गैरोला ने बताया कि उन्होंने 2021 में मुंबई यूनिवर्सिटी से दर्शनशास्त्र में मास्टर डिग्री प्राप्त की और उसके बाद वह गेट की तैयारियों में लगी रही। प्रियंका ने कहा कि उत्तराखंड में दर्शनशास्त्र के लिए अभी भी कॉलेजों में उस स्तर के स्कोप नहीं है, जिस स्तर के होने चाहिए। इसलिए दर्शनशास्त्र के छात्रों को बड़े शहरों की और पलायन करना पड़ रहा है। इस दौरान प्रियंका ने कहा कि इसलिए उन्होंने साइंस (दर्शन शास्त्र) विषय में ऑल इंडिया रैंक में प्रथम रैंक हासिल की है।

ग्राम पंचायत कोटला संतूर में पानी की समस्या के समाधान की मांग

देहरादून, एजेंसी। ग्राम पंचायत कोटला संतूर में पानी की समस्या के समाधान के लिए सामाजिक कार्यकर्ता आकाश जोशी अक्कू ने मुख्यमंत्री एवं जल संस्थान के मुख्य अभियंता से इस समस्या के समाधान की मांग की है जिससे यहां के निवासियों की समस्यायें हल की जा सकें। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि इस क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत कोटड़ा संतूर में ट्यूबवेल और प्राकृतिक स्त्रोत दोनों माध्यमों से पानी आता है लेकिन पिछले काफी समय से जब से कोटड़ा संतूर में पानी की व्यवस्था जल निगम के हाथों में है और तब से गांववासियों के नलों में पानी बड़ी मुश्किल से देखने को मिल रहा है पानी बेहद अव्यवस्थित रूप से आ रहा है। उन्होंने कहा कि जिस गांव में पानी सदैव 24 घंटे आता था और पानी का प्रेशर इतना होता था कि तीसरी मंजिल पर रखी टंकी में पानी बिना मोटर के माध्यम से चला जाता था आज उसी गांव में जल निगम की लापरवाही की वजह से पानी की बहुत दिक्कतें हो रही हैं। ग्रामवासियों को नल के सामने बैठकर पानी आने का इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत कोटला संतूर में जल्द ही पानी की समस्या का समाधान नहीं होता है तो जल निगम के कार्यालय में धरना देने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

पड़ोसी के कमरे में पेट्रोल छिड़कर आग लगाने का प्रयास

- होलिका दहन पर नशेड़ी को किया था समझाने का प्रयास
- पकड़ने के प्रयास पर पड़ोसी व साथी पर उस्तरे से हमला
- पुलिस ने आरोपी को तमंचे व उस्तरे के साथ किया गिरफ्तार

हरिद्वार, एजेंसी। होलिका दहन पर हंगामा कर रहे नशेड़ी को पड़ोसी को समझाने महंगा पड़ गया। आरोप है कि नशेड़ी ने पडोसी के कमरे में पेट्रोल छिड़क कर आग लगने का प्रयास किया। जिसको पकडे.का प्रयास करने पर नशेड़ी ने पड़ोसी व उसके साथी पर गाली गलोच कर उस्तरे से हमला कर घायल कर दिया। घटना से क्षेत्र से अफरा तफरी मच गयी। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को दबोच लिया। जिसके कमरे की तलाशी लेने पर पुलिस ने 315 बोर का एक तमंचा व जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस ने पीड़ित पड़ोसी की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर मेडिकल के बाद न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया। सिडकुल थाना प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार उनियाल ने बताया कि होलीका दहन के दौरान एक नशेडी युवक हंगामा कर रहा था। जिसको पड़ोसी युवक अरूण पुत्र पप्पू निवासी महाराजपुर खुर्द लक्सर हरिद्वार हाल ग्राम गढमीरपुर रानीपुर ने समझाने का प्रयास किया। नशेड़ी मनोज पुत्र चरण सिंह निवासी ग्राम गढ़मीरपुर रानीपुर हरिद्वार ने गुस्से में पड़ोसी से गाली गलोच शुरू कर दी। आरोप है कि विरोधा करने पर नशेड़ी पेट्रोल लेकर आया और पड़ोसी के कमरे में छिड़कर आग लगाने का प्रयास करने लगा। जिसको पकड़ने का प्रयास अरूण व उसके साथी ने किया तो नशेड़ी ने उन पर उस्तरे से हमला कर घायल कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को दबोच लिया। पुलिस ने नशेड़ी के कमरे की तलाशी लेने

पर 315 बोर का तमंचा व एक जिंदा कारतूस बरामद किया। पुलिस ने पीड़ित अरूण की तहरीर पर आरोपी मनोज के खिलाफ सम्बंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। जिसको मेडिकल के बाद आज न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया।

बच्चों के साथ स्वामी रामदेव व आचार्य बालकृष्ण ने खेली होली

पतंजलि विश्वविद्यालय में होली पर्व पर मनाया होली उत्सव

हरिद्वार, एजेंसी। पतंजलि विश्वविद्यालय में होली का उत्सव मनाया गया। जिसमें स्वामी रामदेव ने एवं आचार्य बालकृष्ण ने पतंजलि शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं व बच्चों के साथ हर्षोंल्लास के साथ फूलों की होली खेली। होली के महोत्सव पर स्वामी ने देशवासियों से आह्वान किया है कि वह जब होली का दहन करें तो अपने विकारों का भी दहन करें और साथ में सात्विकता को ध्यान में रखते हुए होली जैसे पावन पर्व को मनायें। स्वामी ने होली के उत्सव पर पतंजलि शिक्षण संस्थान में पड़ रहे दसवीं से बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं को उपहार स्वरुप देश के वह चुनिंदा गुरुजन देने का संकल्प किया है जो कोटा राजस्थान व दिल्ली जैसे बडे-बडे. शिक्षण संस्थान में मेडिकल व इंजीनियरिंग की तैयारी करवाते हैं ऐसे गुरुजनों को पतंजलि

निममित रुप से शिक्षा देने के लिए नियुक्त करेगा। जिससे बच्चों को यह लाभ होगा कि वह इन क्षेत्रों की तैयारी के लिए मोटी रकम के साथ-साथ अपना समय भी बचा पाएंगे। पतंजलि द्वारा उठाया यह कदम पतंजलि शिक्षण संस्थाओं को अन्य शिक्षण संस्थाओं से अग्रणीय बना देगा। पतंजलि शिक्षण संस्थान में यह प्रतिभामान गुरुजन फिजिक्स, कैमिस्ट्री, बॉयोलॉजी और गणित की तैयारी बच्चों को करायेंगे ताकि भविष्य में पतंजलि से हजारों छात्र-छात्राओं का चयन मेडिकल व इजीनियरिंग के क्षेत्र में हो सके। आचार्य बालकृष्ण ने होली के पावन पर्व पर कहा कि यह देश कृषि प्रधान देश है प्राचीन काल से आज तक हमें यही सिखाया गया है कि कृषि से ही जीवन को निर्वहन किया जाता है प्रत्येक मनुष्य के लिए खेतों से ही अन्न उपजाकर उसका भरण-पोषण किया जाता है। आज के दिन किसान आधे पके अन्न को होलिका पर दहन करता है ताकि उसकी फसल सर्वश्रेष्ठ हो सके। किसानों के लिए यह पर्व उन्नति व सम्पन्नता का प्रतीक है। आचार्य ने होली में आने वाले विकारों पर भी अपनी चिंता व्यक्त की और कहा कि पहले यह पर्व हर्षोंउल्लास का प्रतीक होता था लेकिन धीरे-धीरे यह पर्व हुड़दंग में बदलता जा रहा है। हमें यह पर्व शांति व प्रेम के साथ मनाना चाहिए। होली के इस कार्यक्रम का शुभांरम्भ पतंजलि शिक्षण संस्थान के छात्र-छात्राओं ने वेदों के मंत्रोंच्चारणों के साथ किया और तद्उपरांत वासंती नव सस्योष्टी यज्ञ आहुतियों के साथ किसानों व देश की तरक्की के लिए कामना की। इस कार्यक्रम के समापन में छात्र-छात्राओं ने होली के मंगल गीतों को गाया और उसके उपरांत सभी बच्चों ने स्वामी व आर्चाय के साथ फूलों की होली को खेलकर आशीर्वाद ग्रहण किया, उसके बाद सभी बच्चों ने आपस में एक-दूसरे को रंग लगाकर होली के त्यौहार को खुशी से मनाया। इस कार्यक्रम में यशदेव शास्त्री, बहन रितम्भरा, डॉ. साध्वी देवप्रिया, प्रो. महावीर अग्रवाल, वीसी पाण्डेय, राकेश मित्तल, डॉ. जयदीप आय, बहन पारुल मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

कवियों ने कविताओं से किया बंसत ऋतु का गुणगान

विनोद कुमार, मदरलैंड संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाबी लेखक सभा की और से पंजाब कला भवन सैक्टर 16 में बंसत ऋतु को लेकर त्रिभाषीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें ट्राईसिटी के पंजाबी, हिंदी, उर्दू के लगभग 40 कवियों ने भाग लिया। अध्यक्ष मंडल में प्रेम विज (हिंदी), गुरदीप गुल (उर्दू) और सिरीराम अर्श (पंजाबी) साहित सभा के अध्यक्ष बलकार सिद्धू और वरिष्ठ उपाध्यक्ष अवतार सिंह पतंग उपस्थित थे। कार्यक्रम के आरंभ में सुरजीत धीर ने बंसत ऋतु को समर्पित गुरबाणी में से बंसत राग प्रस्तुत किया। कविवर प्रेम विज ने कविता पेश करते हुए कहा – पुराने पत्ते झड़ जाने दो, बात पतझड़ों को समझाओं प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटी,इसके पश्चात तेजा सिंह थोहा ने युद्ध कविता पढी। हरिंदर सिंन्हा, अनीश गर्ग, संतोष गर्ग, डेजी जनेजा, आर.के भगत, गणेश दत्त ने हिंदी में कविताएं प्रस्तुत की। शमशेर सिंह सोढी, जगदीप कौर, जगदीप नुरानी, समरजीत कौर ग्रेवाल, जतिन सलवान, कंचन भल्ला, सुरेंद्र सिंह गिल, मंजीत मोहाली, नवनीत कौर मठारू, मंजीत बल, परमजीत परम, दिलबाग सिंह , लाभ लहरी,बाबू राम दिवाना ने आदि ने कविताओं और गंजलों से श्राताओं को मंत्रमुगध कर दिया।

होली के रंग में रंगे एनआरआई सुदर्शन गर्ग

मदरलैंड संवाददाता, पंचकूला। एनआरआई सुदर्शन गर्ग के निवास स्थान पर होली का त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर उनके कई सगे- संबंधियों ने आकर कार्यक्रम को चार चांद लगाए। लोगों ने डीजे पर गानों की धुन पर डांस किया। सभी आयु वर्ग के लोगों ने खूब आनंद उठाया। एनआरआई सुदर्शन गर्ग ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी लोगों के लिए लंच का आयोजन भी किया। उन्होंने कहा कि यह एक यादगार पल था। भारतीय संस्कृति समृद्धता और खुशहाली की प्रतीक है। वह भारत के लगभग सभी त्योहारों को बड़ी धूमधाम से मनाते हैं।

समाज सेवक गुरमीत सिंह बेली जल्द आम आदमी पार्टी का थामेंगे हाथ

हरप्रीत सिंह, मदरलैंड संवाददाता, लुधियाना। पिछले कई सालों से समाज के प्रति सेवा कर रहे बी आर एस नगर के गुरमीत सिंह बेली समाज सेवक जल्द आम आदमी पार्टी में शामिल हो सकते हैं सूत्रो ने बताया कि पश्चिमी हल्के में कई सालो से सेवा कर रहे गुरमीत सिंह जिन्होंने कोविड-19 के समय घर घर जाकर जरूरतमंद लोगों को राशन भी बांटा था और मुफ्त में दवाइयां भी दी थी जब भी किसी जरूरत मंद को किसी भी चीज की जरूरत होती है तो वह गुरमीत सिंह का दरवाजा खटखटाया करते हैं हल्के की जनता को पता है कि बेली किसी को भी खाली नहीं जाने देता तन मन से हमेशा से ही जनता की सेवा कर रहे हैं किसी भी राजनीतिक पार्टी से भी नहीं जुड़े हुए हैं उनकी सेवा को देखते हुए इलाके के लोगो ने मांग की है कि अब पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बन गई है इस हल्के से गुरमीत सिंह बेली को आम आदमी पार्टी में शामिल करके सेवा का मौका मिलना चाहिए जो इंसान पहले से ही आम आदमी की तरह हल्के की सेवा कर रहा हो तो उसका हक बनता है कि अब वो आम आदमी पार्टी में एक अच्छी बड़ी सीट पर बैठ कर जनता की ओर सेवा करे पार्टी का दामन थामा होगा तो हल्के का और भी विकास होगा।

रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे... गाने पर डांस कर मचाई धूम

मदरलैंड संवाददाता, लुधियाना। दुगरी फेस 2 की महिलाओ ने मिलकर खूब होली खेली चैरी खरबंदा द्वारा किट्टी पार्टी का आयोजन किया गया जिसमे सभी महिलाओ ने मिलकर व्हाइट टी शर्ट जिस पर हैप्पी होली के साथ उनकी तस्वीर लगी हुई थी डाली इस अवसर पर कशिश अंजू बंसल ने कहा कि कितने साल बाद सभी दोस्त इक्कठे हुए हैं और आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब में बनी है उस की खुशी में सभी रंगो में रंग गए हैं सभी महिलाओं ने खूब डांस किया और फूलो के साथ और रंगो के साथ होली खेली चैरी खरबंदा ने रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे गाने पर खूब डांस किया चैरी ने सभी महिलाओं को संदेश दिया कि हम सब को मत भेद भूल कर मिलकर होली माननी चाहिए

नामदेव भवन में होली मिलन समारोह में समाज द्वारा काव्य गोष्ठी आयोजित

» संतोष यादव, मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। शहर के रविदास मार्ग पुरानी सराय में स्थित नामदेव भवन धर्मशाला में समस्त नामदेव समाज का होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर एक काव्य गोष्ठी भी आयोजित की गई। गोष्ठी में शामिल समाज के कवियों ने काव्य विधा के विभिन्न रंगों को उकेरा तथा कार्यक्रम में शामिल लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। काव्य गोष्ठी के प्रारंभ में डॉ संजय कुमार वर्मा द्वारा सभी मेहमानों का स्वागत एव अभिनंदन किया गया व एक-एक करके कवियों को काव्य पाठ के लिए आमंत्रित किया गया। होली मिलन कार्यक्रम में समस्त नामदेव समाज के संरक्षक समाज रत्न सुभाष चंद लखमरा ठेकेदार व कई अन्य संगठनों के पदाधिकारी भी शामिल हुए जिनमें प्रमुख रूप से श्री नामदेव चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रधान बाबूलाल वर्मा,सचिव एडवोकेट सत्यनारायण वर्मा, मंदिर ट्रस्टछीपीजोहड़केप्रधानकैलाशचौधरी,बृजमोहन गोठवाल,ओम प्रकाश नागर भी उपस्थित रहे। काव्य गोष्ठी में काव्य पाठ करते हुए कवि महेंद्र रतन ने कविताह्वराज को राज रहने दो क्योंकि दीवारों के भी कान होते हैंह्व श्रोताओं की खूब वाहवाही बटोरी। सत्यनारायण वर्मा सत्यम द्वारा प्रस्तुत कविता ह्वहोली आई होली संग अपने रंग हजारों लेकर आईह्व ने होली के अवसर पर खेले जाने वाले रंगों को साकार कर दिया। कवियों द्वारा प्रस्तुत कविताओं में हास्य व्यंग एवं प्रेरणा जैसे विषयों का सम्मिश्रण रहा जिसका श्रोताओं ने खूब आनंद उठाया।एडवोकेट सत्यनारायण वर्मा ने होली का त्यौहार क्यों मनाया जाता है एवं इसका क्या महत्व है इस विषय पर विस्तार से उपस्थित लोगों को बताया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुभाष चंद कश्यप जे ई बिजली बोर्ड ने नारनौल शहर की ऐतिहासिक महत्व एवं इसकी विशेषता पर प्रकाश डालते हुए अकबर के नौ रत्नों में से एक बीरबल के चरित्र एवं बुद्धिमता पर प्रकाश डाला। सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य ब्रह्म प्रकाश थेपडा ने गोष्ठी में प्रेरक प्रसंग एवं चुटकुले सुनाकर कार्यक्रम को काफी खुशनुमा बनाए रखा। सुभाषचंद दुबलानिया ने अपने विचार रखते हुए सामाजिक एकता पर बल दिया तथा समाज के पुरोधा जिनकी बदौलत सभा भवन बन सका उन्हें याद किया। इस अवसर पर श्री नामदेव समाज समिति के अध्यक्ष ओम प्रकाश लोहारिया,उपप्रधान जय दयाल वर्मा, हेमंत वर्मा,रिटायर्ड मुख्य अध्यापक सुभाष कश्यप, भवरलाल,ओमप्रकाश,पूर्व प्रधान हरद्वारी लाल वर्मा व सुभाष चंद्र कश्यप,सतीश झाकल, ओमप्रकाशनागर,राजेंद्रकुमार,कृष्णकुमार,दिनेश, मक्खन लाल मुकेश डीपी, सुरेश वर्मा, मनोहर लाल वर्मा बसई वाले,दयानंद वर्मा,रमेश पांडला, सुभाष कोकचा,ओमप्रकाश कोकचा,त्रिभुवन वर्मा,नेनू ड्रेस वाला,लक्ष्मीकांत कश्यप, कमल कोकचा, सहित अनेको समाज के लोग उपस्थित। कार्यक्रम के अंत में कवि महेंद्र वर्मा ने सभी लोगों का आभार प्रकट करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

शांति से मनाया प्रेम एवं भाईचारे का पर्व धुलेंडी

» मदरलैंड संवाददाता

कनीना। कनीना में धुलेंडी का पर्व होली धूमधाम से संपन्न हुआ। होली के पर्व पर किसी अप्रिय घटना का समाचार नहीं मिला है। दिन भर लोग रंग गुलाल से होली खेलते नजर आए।

उल्लेखनीय है कि युवा वर्ग में पहली बार देखने को मिला कि पानी की बचत कर रहे थे तथा प्राकृतिक रंग एवं गुलाल आदि से होली खेल रहे थे। कृष्ण कुमार, सुरेंद्र कुमार, सुनील कुमार ने बताया कि उन्होंने पहली बार हल्दी, टेसू के फूल, चुकंदर का रस, पत्तों के रस एवं मेहंदी आदि से होली खेली और पानी को बचत की पहली बार क्षेत्र में सूखी होली खेलने को मिली। वहीं यदाकदा कुछ लोग पानी बिखेरते भी नजर आए। वहीं दुलेंडी के दिन तो दिन भर सड़कों, गलियों में होली खेलते लोग नजर आए। क्षेत्र में भडफ एवं जैनाबाद,सीहा, निमोठ, बवानिया आदि गांवों में मेले लगे वहीं जैनाबाद आश्रम में लाल दास महाराज ने होली खेली और भक्तों पर रंग डाला। भक्तों ने भी महाराज पर रंग डाला। होली का पर्व धूमधाम से विभिन्न संस्थाओं में भी मनाया गया। होली खेलते महिलाएं, पुरुष एवं बच्चे देखे गए। कनीना के सामान्य बस स्टैंड पर तथा अनाज मंडी में सभी दुकानें बंद रही और वे होली खेलते देखे गए। विभिन्न संस्थानों एवं समाजसेवियों के अनुरोध पर इस बार कम पानी का प्रयोग हुआ। बच्चे एवं युवा ही अधिक संख्या में होली खेलते मिले। दुलेंडी पर अकसर लड़ाई झगड़ा होता रहा है किंतु इस बार शांतिपूर्वक पर्व संपन्न हो गया। पत्रकार, समाजसेवी, नेता एवं सामान्य जन बढ़ चढ़कर गुलाल लगा रहे थे।

सार्वजनिक प्राकृतिक चिकित्सालय में हुआ एक दिवसीय शिविर का आयोजन

» मदरलैंड संवाददाता

कनीना। आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के अवसर पर राष्ट0्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, आयुष मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से इंटरनेशनल नेचरोपैथी ऑर्गेनाइजेशन व सूर्या फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में रोग मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन स्थानीय सार्वजनिक प्राकृतिक चिकित्सालय एवं योग केंद्र में किया गया शिविर का शुभारंभ वैदिक हवन के साथ हुआ इस शिविर के आयोजक व इंटरनेशनल नेचरोपैथी ऑर्गेनाइजेशन के जिला संयोजक डॉ भंवर सिंह कसाना ने बताया कि इस चिकित्सा शिविर में दक्षिण हरियाणा के 200 से अधिक प्रकृति प्रेमियों ने भाग लिया इस शिविर की अध्यक्षता परम श्रद्धेय स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती ने की इस दौरान उन्होंने प्राकृतिक चिकित्सा के महत्व पर अपने विचार रखे एवं मुख्य अतिथि बतौर महेंद्रगढ़ के उपमंडल अधिकारी दिनेश कुमार रहे व विशिष्ट अतिथि ओम साई स्कूल के चेयरमैन रमेश सैनी एवं कैप्टन राजेंद्र खेड़ा रहे इस शिविर के मुख्य वक्ता मीरपुर यूनिवर्सिटी के योग विभाग से डॉ धर्मवीर यादव सलोनी रहे इन्होंने शिविर में आए हुए लोगों को प्राकृतिक आहार व प्राकृतिक जीवन शैली, प्राकृतिक घरेलू चिकित्सा विधियों से अवगत करवाया इस दौरान हर वर्ष की भांति सभी प्रकृति प्रेमियों ने प्रकृति की गोद में आकर शरीर पर औषधीय युक्त मिट्टी लेपन कर पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए आपसी भाईचारे ,सौहाद्र्पूर्ण शांति का संदेश दिया कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर भंवर सिंह ने बताया कि शिविर में आए सभी लोगों के लिए प्राकृतिक आहार की भी समुचित व्यवस्था की गई जिसकी सभी ने भरपूर प्रशंसा की इस अवसर पर आर्य समाज के प्रधान महेंद्र सिंह, भूपेंद्र गाहडा ,सुरेंद्र आर्य दादरी ,कंवर सिंह आर्य आनावास, मुकेश भट्टी, रंगराव पालडी, लक्की सीगड़ा, नरेश भूतपूर्व सरपंच सीहमा, प्राकृतिक चिकित्सक सुरेंद्र, न्यूरोपैथी विशेषज्ञ डॉक्टर रोहिताश आर्य सीहमा,डॉ तरुण बंसल, संदीप बसई, प्रमोद बेवल, प्रदीप निम्बेड़ीया, डॉ संतोष, डॉ कृष्णा, केशर माता व सहायक चिकित्सक मनीष सीहमा ,अन्नू, ईश्वर आढ़ती,गगन सैनी, कोच धर्मवीर सोनी, सुमेरसिहं मेघनवास एवं अन्य गणमान्य प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे अंत में डॉक्टर भंवर सिंह ने कार्यक्रम में आए सभी मेहमानों के प्रति कृतज्ञता प्रकट किया।

आर्यन और अनन्या (जुड़वा भाई -बहन)को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं।

25वा होला मोहल्ला दुगरी में गुरु गोबिंद सिंह स्टडी सर्किल ने मनाया

फतेह किड्स क्लब के बच्चो ने कीर्तन और नाटक करके दिया संदेश

» मदरलैंड संवाददाता

लुधियाना। देश-दुनिया में मनाया जाने वाला होली पर्व रंग और उमंग के लिए जाना जाता है. इस पावन पर्व को सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह से ने एक नए ढंग से मनाने की पंरपरा शुरू की थी, जो आज इस बात का बात का प्रतीक बन गया है कि जीवन से जुड़े सारे रंग और सच्चा आनंद परमात्मा के बगैर अधूरे हैं. सही कहें तो संस्कृति, पंरपरा और आध्यात्मिकता का संगम है होला मोहल्ला (त्र्ड्डद्यद्य ट्टद्बद्धद्य). होली को होला मोहल्ला के रूप में मनाने की शुरूआत वर्ष 1680 में किला आनन्दगढ़ साहिब में गुरु गोविन्द सिंह जी ने स्वयं की थी. जिसका मुख्य उद्देश्य सिख (रद्बद्ध) समुदाय को तन और मन से मजबूत बनाते हुए उनमें विजय और वीरता के जज्बे को दृढ़ करना था. आइए रंग और शौर्य के इस पावन पर्व के बारे में गुरु गोबिंद सिंह स्टडी सर्किल के डायरेक्टर ने बताया कि होला मोहल्ला पर्व की शुरूआत से पहले होली के दिन एक-दूसरे पर फूल और फूल से बने रंग आदि डालने की परंपरा थी लेकिन गुरु गोविंद सिंह जी ने इसे शौर्य के साथ जोड़ते हुए सिख कौम को सैन्य प्रशिक्षण करने का आदेश दिया. उन्होंने होला मोहल्ला की शुरूआत करते हुए सिख समुदाय को दो दलों में बांट कर एक-दूसरे के साथ छद्म युद्ध करने की सीख दी. जिसमें विशेष रूप से उनकी लाडली फौज यानि कि निहंग को शामिल किया गया जो कि पैदल और घुड़सवारी करते हुए शस्त्रों को चलाने का अभ्यास करते थे. इस तरह तब से लेकर आज तक होला मोहल्ला के पावन पर्व पर अबीर और गुलाल के बीच आपको इसी शूरता और वीरता का रंग देखने को मिलता है. आज 25वा होला मोहल्ला दुगरी फेस वन में मनाया गया जिसमे एक मिनट गेम्स मे बच्चो और महिलाओ ने हिस्सा लिया फतेह किड्स क्लब के बच्चो ने कीर्तन किया और एक नाटक द्वारा होली और होला मोहल्ला के बारे में बताया महिलाओ और बच्चो की रेस भी कराई गई इस अवसर पर मुख्य अतिथि आम आदमी पार्टी के विधायक कुलवंत सिंह सिद्धू ने सभी महिलाओं और बच्चों को सम्मानित किया फतेह किड्स क्लब की चेयरमैन बीबी अरविंदर कौर ने बताया कि बच्चो और महिलाओ को गुरबाणी के साथ जोड़ा जाता है गतका खेलना भी सिखाया जाता है जो महिलाओ की शारीरिक कसरत और सुरक्षा के काम आता है इस अवसर पर दुगरी इस्त्री सत्संग सभा ने भी हिस्सा लिया डॉक्टर पर्ल प्रीत कौर ने दांतो को कैसे सुरक्षित रखना है अपना दातों से संबंधित स्टॉल लगाया गया और बच्चों और महिलाओं को जानकारी भी दी।

मास्टर जयनारायण सांस्कृतिक मंच के सौजन्य से मनाया 52वा महामूर्ख सम्मेलन

» जयप्रकाश भारद्वाज, मदरलैंड संवादाता

महेंद्रगढ़। हर वर्ष की भांति होली के पावन पर्व दुल्हेंडी के दिन रामलीला परिषद के रंगमंच पर मास्टर जयनारायण सांस्कृतिक मंच के सौजन्य से 52वे महामूर्ख सम्मेलन के तत्वावधान में विशाल हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन शुक्रवार दोपहर 3 बजे से देर शाम तक किया गया। जिसमें पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा की गरिमामयी उपस्थित रही तथा महामूर्ख के सिंहासन पर सुधीर दिवान मौजूद रहे। कार्यक्रम से पहले मूर्खाधिश का श्रृंगार कर उनकों बग्गी पर बिठाकर सैनीपुरा से भगवान परसुराम चौक, मसानी चौक से होते हुए गाजे बाजे व नाच गांनों के साथ सम्मेलन स्थल तक लाया गया। उसके बाद कवि सम्मेलन का आगाज हुआ।

इस मौके पर पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने हास्य कवि सम्मेलन के आयोजन के लिए सांस्कृतिक मंच को बधाई देते हुए कहा कि आधुनिक भागदौड़ भरी जिंदगी में हंसना व हंसाना मानव जीवन की खुशहाली का प्रतीक है। इसी कड़ी में यह मंच इस तरह का आयोजन पिछले लंबे समय से करता आ रहा है। उन्होंने इस अवसर पर मंच को 31 हजार की राशि भी दान स्वरूप भेंट की। गूंजते ही रहें वीणा के तारों पर वंदना वंदना वंदना के ये स्वर अर्चना के ये स्वर सुरेश मक्कड़ 'साहिल' द्वारा रचित, गिरीश कानौड़िया ने मधुर कंठ द्वारा मां शारदे की वंदना से कार्यक्रम का प्रारंभ किया। इसके बाद बाल कवि उरांश गौतम ने बड़े ही अच्छे ढंग से काव्य पाठ किया। सरदार मंजीत सिंह ने कवि सम्मेलन का संचालन करते हुए ऑनर किलिंग से प्रेम कथा फेल हो गई हत्यारों की तो अगले दिन ही बेल हो गई। अरबों का माल लूट के वो उड़ गए विदेश कुछ मुर्गी चोरों को यहां पे जेल हो गई। आदि कविताओं से काव्य पाठ किया। उत्तर प्रदेश से पहुची योगिता चौहान ने अपनी धड़कन में ऐसे छुपाले मुझे, मैं तो एक गीत हूँ गुनगुनाले मुझे। सुनके हिचकी तेरी मैं तो चली आउगी, बनके मोहन कभी भी बुला ले मुझे।। से पंडाल को तालिया बजाने को मजबूर कर दिया। स्थानीय कवि सुरेश मक्कड़ साहिल ने आकाश में सदैव दीप-तारे जगमगाएंगे , धूप-छांव-चांदनी कभी कहीं न जाएंगे, व्यर्थ जो चले गए ये प्यार के दो चार पल , लौट कर न आएंगे ये लौट कर न आएंगे कविता से सब का दिल जीत लिया, वही झज्जर से पहुंचे मास्टर महेंद्र ने हांस्य की कविता व हास्य चुटकुलों के माध्यम से लोगों का मनोरंजन किया।

अपनी संस्कृति की स्वर लहरियों से सराबोर रहा होली महोत्सव

» अशोक सैनी, मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। दक्षिणी हरियाणा सांस्कृतिक मंच के द्वारा मनाया गया होली महोत्सव अपनी सांस्कृतिक छटा बिखेरताऔर क्षेत्र के पारंपारिक गीत संगीत नृत्य के कार्यक्रमों से रंगीन छटा व हरियाणा की सांस्कृतिक परंपराओं पर आधारित आकर्षक कलाओं व परम्पराओं का मंचन के साथ संपन्न हुआ। होली के फाग, पारंपारिक डफ, छंद, धमाल का दंगल के साथ सांस्कृतिक विरासत से संबंध रखने वाली प्रस्तुतियां ,गीत संगीत नृत्य आदि विधाओं के साथ मनमोहक सांग व महिलाओं के कार्यक्रम अत्यंत मनमोहक रहे ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय ओम प्रकाश यादव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री ने आयोजकों द्वारा सुंदर एवं मधुर होली महोत्सव की प्रशंसा की तथा कलाकारों को उनकी मनमोहक प्रस्तुतियों और प्रदर्शन की भूरी भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा हमें अपनी संस्कृति को दिल में बसाकर आपने समाज को वह राष्ट्र को आगे ले जाना है। हमारी संस्कृति दुनिया में सर्वोत्तम संस्कृति है। उसको सहेज कर रखा जाना चाहिए।

उन्होंने दक्षिणी हरियाणा की सांस्कृतिक मंच के प्रधान संतलाल व उनके सभी सहयोगियों के अथक प्रयास व संस्कृति को जिंदा रखने का सर्वोत्कृष्ट कार्य करने को प्रशंसनीय कार्य बताया।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता वीके शर्मा पूर्व प्राचार्य एवं व्याख्याता भौतिक ने की। कार्यक्रम में छंद धमाल की प्रतियोगिता का दंगल हुआ जिसमें कलाकारों ने एक दूसरों से चुनौती भरे तथा रोमांचकारी अंदाज में प्रदर्शन किए। जिसमें प्रथम स्थान जगमाल सिंह नांग तिहाड़ी, वेद प्रकाश लिशान, दलबीर सिंह लिसान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाली टीमों ने क्रमश 5100,2100,1100 के नकद पुरस्कार प्राप्त किए। इसके पश्चात कुछ अन्य मनमोहक कार्यक्रम जिनमें घोड़ी नृत्य, देवयानी स्कूल का नृत्य, लख्मीचंद का गुर्जर नृत्य, कुंदन की कविता, लुहर नांद, तिवारी का होली नृत्य आदि अनेक रंगारंग कार्यक्रम सभी कलाकारों को मंच द्वारा सम्मानित किया गया। मंच संचालन भूप सिंह यादव ने किया। मुख्य अतिथि का अध्यक्ष का स्वागत संत लाल व साथियों द्वारा फूल मालाएं पहनाकर तथा शाल ओढ़ा कर व स्मृति चिन्ह प्रदान कर यादों को संजोया। प्रधान संत लाल ने सभी सभी कलाकारों साथियों सहयोगियों व दर्शकों का हार्दिक धन्यवाद किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में बाबा बालक नाथ भी आशीर्वाद देते हुए शिरकत की। वीके शर्मा ने इस समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर महेंद्र कुमार यादव, वासुदेव यादव, रतन लाल, एडवोकेट ओमप्रकाशमांदी, सत्यनारायण वर्मा ,बाबूलाल ,वेद प्रकाश शर्मा, मास्टर संतलाल रोहतास सूबेदार, शुभम यादव, श्रीमती कृष्णा, श्रीमती शकुंतला, मुकुट गुप्ता, श्रीमती राज यादव व अनेक गणमान्य मौजूद रहे। साथ ही महिला कलाकारों की उपस्थिति भी रही। हरियाणा की सांस्कृतिक परंपराओं पर आधारित आकर्षक कलाओं व परम्पराओं का मंचन आयोजन दक्षिणी हरियाणा सांस्कृतिक मंच द्वारा द्वारा किया जाता रहेगा।

पंजाब में महिलाओ ने धूम धाम से मनाई होली

होली और आम आदमी पार्टी की खुशी में रंगी सभी महिलाएं.... पवनीत

» मदरलैंड संवाददाता

लुधियाना। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर और साथ ही होली का त्यौहार आने पर महिलाओं में खुशी की लहर देखी आज लुधियाना जालंधर अमृतसर सभी जगह महिलाओं ने मिलकर एक दूसरे के साथ होली खेली और अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान जिंदाबाद के नारे भी लगाए पवनीत पावनी और धीरा मेहरा ने एक-दूसरे को रंग लगाए वहीं दूसरी और सोनिया चंदू ने अपनी सहेलियों के साथ डिजिटल टीशर्ट पहनकर एक दूसरे को रंग लगाए और कहा कि पंजाब में खुशी की लहर आ गई है सभी औरतें रंगों में रंग गई हैं रंग दे बसंती गानों पर डांस किया वही पम्मी दुआ ने भी अपनी सहेलियों के साथ खूब होली मनाई होली का त्यौहार पिछले 2 साल से कोविड-19 लोग घरों में ही बना रहे थे मगर अब जैसे ही छूट मिली सभी सहेलियों ने इकट्ठे होकर अपनी अपनी किट्टी पार्टी कर होली मनाई और खूब मस्ती के साथ बॉलीवुड गानों में डांस किया

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

हमारे आँगना आओ ओरी गौरैया

प्रभुनाथ शुक्ल

(20 मार्च गौरैया दिवस पर विशेष)

गौरैया हमारी प्राकृतिक सहचरी है। कभी वह हमारे आँगन और नीम के पेड़ के नीचे फुदकती और बिखेरे गए चावल या अनाज के दाने को चुगती। कभी प्यारी गौरैया घर की दीवार पर लगे आईने पर अपनी हमशक्ल पर चोंच मारती दिख जाती है। लेकिन बदलते वक्त के साथ गौरैया का बयां बेहद कम दिखाई नहीं देता है। एक वक्त था जब बबूल के पेड़ पर सैकड़ों की संख्या में घोसले लटके होते और गौरैया के साथ उसके चूजे चीं-चीं-चीं का शोर मचाते। बचपन की यादें आज भी जेहन में ताजा हैं लेकिन वक्त के साथ गौरैया एक कहानी बन गई है।

गौरैया इंसान की सच्ची दोस्त भी है और पर्यावरण संरक्षण में उसकी खास भूमिका भी है। दुनिया भर में 20 मार्च को गौरैया संरक्षण दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रसिद्ध पर्यावरणविद मो. ई. दिलावर के प्रयासों से इस दिवस को चुलबुली गौरैया के लिए रखा गया। 2010 में पहली बार यह दुनिया में मनाया गया। प्रसिद्ध उपन्यासकार भीष्म साहनी ने अपने बाल साहित्य में गौरैया पर बड़ी अच्छी कहानी लिखी है, जिसे उन्होंने गौरैया नाम दिया। हालांकि, जागरूकता की वजह से गौरैया की आमद बढ़ने लगी है। हमारे लिए यह शुभ संकेत है।

गौरैया एक घरेलू और पालतू पक्षी है। यह इंसान और उसकी बस्ती के पास अधिक रहना पसंद करती है। पूर्वी एशिया में यह बहुतायत पायीजाती है। यह अधिक वजनी नहीं होती हैं। इसका जीवन काल दो साल का होता है। यह पांच से छह अंडे देती है। आंध्र यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में गौरैया की आबादी में 60 फीसदी से अधिक की कमी बताई गई थी। ब्रिटेन की ह्यरॉयल सोसाइटी आफ प्रॉटेक्शन आफ बर्डसह्ल ने इस चुलबुली और चंचल पक्षी को ह्यरेड लिस्टह्ल में डाल दिया था ।

गौरैया पासेराडेई परिवार की सदस्य है। लेकिन इसे वीवरपिंच परिवार का भी सदस्य माना जाता है। इसकी लंबाई 14 से 16 सेंटीमीटर होती है। इसका वजन 25 से 35 ग्राम तक होता है। यह अधिकांश झुंड में रहती है। यह अधिक दो मिल की दूरी तय करती है। गौरैया को अंग्रेजी में पासर डोमेस्टिकस के नाम से बुलाते हैं। शहरी हिस्सों में इसकी छह प्रजातियां पायी जाती हैं जिसमें हाउस स्पैरो, स्पेनिश, सिंउ स्पैरो, रसेट, डेड और टी स्पैरो शामिल हैं। यह यूरोप, एशिया के साथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के अधिकतर हिस्सों में मिलती है।

बढ़ती आबादी के कारण जंगलों का सफाया हो रहा है। ग्रामीण इलाकों में पेड़ काटे जा रहे हैं। ग्रामीण और शहरी इलाकों में बाग-बगीचे खत्म हो रहे हैं। इसका सीधा असर इन पर दिख रहा है। गांवों में अब पक्के मकान बनाए जा रहे हैं। जिसका कारण है कि मकानों में गौरैया को अपना घोंसला बनाने के लिए सुरक्षित जगह नहीं मिल रही है। पहले गांवों में कच्चे मकान बनाए जाते थे, उसमें लकड़ी और दूसरी वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाता था। कच्चे मकान गौरैया के लिए प्राकृतिक वातावरण और तापमान के लिहाज से अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराते थे, लेकिन आधुनिक मकानों में यह सुविधा अब उपलब्ध नहीं होती है। यह पक्षी अधिक तापमान में नहीं रह सकता है। गगनचुंबी ऊंची इमारतें और संचार क्रांति इनके लिए अभिशाप बन गई। शहर से लेकर गांवों तक मोबाइल टावर एवं उससे निकलते रेडिएशन से इनकी जिंदगी संकट में है।

खेती-किसानी में रसायनिक उर्वरकों का बढ़ता प्रयोग बेजुबान पक्षियों और गौरैया के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है। केमिकलयुक्त रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग से कीड़े मकोड़े भी विलुप्त हो चले हैं। जिससे गौरैया के लिए भोजन का भी संकट खड़ा हो गया है। दूसरा बड़ा कारण मकर सक्रांति पर पतंग उत्सवों के दौरान काफी संख्या में हमारे पक्षियों की मौत हो जाती है। पतंग की डोर से उड़ने के दौरान इसकी जद में आने से पक्षियों के पंख कट जाते हैं। हवाई मार्गों की जद में आने से भी इनकी मौत हो जाती है। दूसरी तरफ बच्चों की ओर से चिड़ियों को रंग दिया जाता है। जिससे उनका पंख गीला हो जाता है और वे उड़ नहीं पाती। हिंसक पक्षी जैसे बाज इत्यादि हमला कर उन्हें मौत की नींद सुला देते हैं। दुनिया भर में प्रसिद्ध पर्यावरणविद मोहम्मदई. दिलावर नासिक से हैं और वह बाम्बे नैचरल हिस्ट्री सोसाइटी से जुड़े हैं। उन्होंने यह मुहिम 2008 से शुरू की थी। आज यह दुनिया के 50 से अधिक मुल्कों तक पहुंच गई है।

गौरैया के संरक्षण के लिए सरकारों की तरफ से कोई खास दिलचस्पी नहीं दिखती है। हालांकि, यूपी में 20 मार्च को गौरैया संरक्षण दिवस के रूप में रखा गया है। दिलावर के विचार में गौरैया संरक्षण के लिए लकड़ी के बुरादे से छोटे-छोटे घर बनाए जाएं और उसमें खाने की भी सुविधा भी उपलब्ध हो। अमेरिका और अन्य विकसित देशों में पक्षियों का ब्योरा रखा जाता है लेकिन भारत में ऐसा नहीं हैं। पक्षियों के संरक्षण के लिए कॉमन बर्ड मॉनिटरिंग आफ इंडिया के नाम से साइट बनाई है जिस पर आप भी पक्षियों से संबंधी जानकारी और आंकड़ा दे सकते हैं। कुछ सालों से उनकी संस्था गौरैया को संरिक्षत करने वालों को स्पैरो अवॉर्ड्स देती है।

विज्ञान और विकास के बढ़ते कदम ने हमारे सामने कई चुनौतियां भी खड़ी की हैं। जिससे निपटना हमारे लिए आसान नहीं है। विकास की महत्वाकांक्षी इच्छाओं ने हमारे सामने पर्यावरण की विषम स्थिति पैदा की है। जिसका असर इंसानी जीवन के अलावा पशु-पक्षियों पर साफ दिखता है। इंसान के बेहद करीब रहने वाली कई प्रजाति के पक्षी और चिड़िया आज हमारे बीच से गायब हैं। उसी में एक है स्पैरो यानी नन्ही सी वह गौरैया। समय रहते इन विलुप्त होती प्रजाति पर ध्यान नहीं दिया गया तो वह दिन दूर नहीं जब गिद्धों की तरह गौरैया भी इतिहास बन जाएगी और यह सिर्फ गूगल और किताबों में ही दिखेगी। सिर्फ सरकार के भरोसे हम इंसानी दोस्त गौरैया को नहीं बचा सकते हैं। प्रकृति प्रेमियों को अभियान चलाकर लोगों को मानव जीवन में पशु-पक्षियों के योगदान की जानकारी देनी होगी। इसके अलावा स्कूली पाठ्यक्रमों में हमें गौरैया और दूसरे पक्षियों को शामिल करना होगा।

(स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार)

संपादकीय

यूक्रेन-हमला या द्रौपदी का चीर

हेग के अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में भारतीय जज दलवीर भंडारी बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने यूक्रेन के मामले में उन 13 जजों का साथ दिया है, जिन्होंने रूस से मांग की है कि वह यूक्रेन पर चल रहे युद्ध को तुरंत रोके। भारत सरकार ने स्पष्ट शब्दों में ऐसी मांग नहीं की है लेकिन वह भी यही चाहती है। भंडारी के वोट को रूस-विरोधी इसलिए कहा जा सकता है कि वह उन राष्ट्रों के जजों के साथ मिलकर दिया गया है, जो रूस-विरोधी हैं। लेकिन सारी दुनिया में रूस और पूतिन की निंदा हो रही है। पूतिन का कुछ पता नहीं, वे इस हमले को कब रोकेंगे? यूक्रेन और रूस के बीच बातचीत के कई दौर चले हैं लेकिन अभी तक वे किसी अंजाम पर नहीं पहुंचे हैं। यह हमला द्रौपदी का चीर बन गया है। मुझे ऐसा लगता है कि रूस इस मुख्य मुद्दे पर तो संतुष्ट हो गया है कि यूक्रेन नाटो में शामिल नहीं होगा लेकिन जिस मुद्दे पर बात अभी तक लटकी हुई है, वह यह है कि रूस ने दोनात्स्क और लुहांस्क नामक जो दो नए स्वतंत्र राष्ट्रों की घोषणा कर दी है उस पर यूक्रेन राजी नहीं हो रहा है। यूक्रेन को पता है, इन दोनों क्षेत्रों में रूसी मूल के लोग बहुसंख्यक हैं और वे यूक्रेनी सत्ता से स्वायत्त होकर पहले से ही रह रहे हैं। यदि वे यूक्रेन के साथ जुड़े रहे तो वे सिरदर्द ही सिद्ध होंगे। या तो उन्हें वह रूस को सौंपकर चिंतामुक्त हो जाए या फिर कोई ऐसा व्यवस्था बनवा ले कि पूरे दोनबास क्षेत्र से यूक्रेन और रूस के एक समान संबंध बन जाएं। यह युद्ध तुरंत बंद होना चाहिए वरना यूक्रेन का भयंकर नुकसान तो होगा ही, विश्व राजनीति भी हिचकोले खाए बिना नहीं रहेगी। देखिए, यूक्रेन ने अमेरिका और चीन तथा भारत और चीन को एक ही जाजम पर ला खड़ा किया है। अब बाइडन और शी चिन फिंग में सीधा संवाद चलेगा और चीन के विदेश मंत्री वांग यी भी भारत आ रहे हैं। भारत और चीन दोनों ने यूक्रेन के सवाल पर जैसी तटस्थता और एकरुपता दिखाई है, वह अविश्वसनीय है। अब भारत ने रूसी तेल के लाखों बैरल भी खरीदने शुरू कर दिए हैं। यह पहल रूस को तो पश्चिमी दबाव सहने की ताकत प्रदान करेगी ही, साथ ही भारत को सस्ता तेल भी मिलेगा। यूरोपीय देशों की पूरी कोशिश है कि यह युद्ध बंद हो जाए, क्योंकि देर-सबेर उनकी रूसी तेल की सप्लाय रूक सकती है। भारत की आलोचना करनेवाले अमेरिकी सीनेटरों से मैं पूछता हूं कि आपको भारत का रूस से तेल लेना इतना आपत्तिजनक क्यों लग रहा है, जबकि यूरोपीय राष्ट्रों को उसके तेल की सप्लाय में जरा भी रूकावट नहीं आई है? यूरोपीय राष्ट्रों और अमेरिका के सांसदों को झेलेंस्की बराबर संबोधित कर रहे हैं। इन संबोधनों में वे ऐसी बातें भी कह देते हैं, जो पूतिन को चिढ़ाए बिना नहीं रह सकतीं। यदि यह मामला हल हो रहा हो तो भी ऐसी बातें उसमें बाधा बन जाती हैं। इसमें शक नहीं कि यूक्रेन की फौज और जनता ने रूस का मुकाबला काफी डटकर किया है लेकिन इस नाजुक मौके पर झेलेंस्की को भी दूरदर्शितापूर्वक व्यवहार करना चाहिए। उन्हें अमेरिका और नाटो पर जरुरत से ज्यादा भरोसा नहीं करना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन अब पूतिन को 'युद्ध-अपराधी' कहने लगे हैं। यह ऐसा ही है, जैसे 100 चूहे मारकर कोई बिल्ली हज करने चली हो।

आजादी की चिंगारी, वीरांगना रानी अवंती बाई

हेमेन्द्र क्षीरसागर

कालगलवित, 20 मार्च 1858 को रानी अवन्ती बाई ने शाहपुर के पास स्थित तालाब के पास बने मंदिर में पूजा अर्चना की और युद्ध मैदान में उतर गई। यहां अंग्रेजों और रानी के बीच घमसान युद्ध हुआ। रानी अवन्ती बाई ने अपने आप को अंग्रेजों से घिरता देख वीरांगना रानी दुर्गावती का अनुकरण करते हुए अपनी तलवार निकाली और कहा 'हमारी दुर्गावती ने जीते जी वैरी के हांथ अंग ना छुए जाने का प्रण लिया था। इसे ना भूलना' इतना कहकर रानी ने अपने सीने में मारकर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दे दिया। शौर्यगाथा, वीरांगना जब मृत्यु सैय्या पर थीं तब उन्होंने अंगेजों को अपना बयान दिया कि 'ग्रामीण क्षेत्र लोगों को मैंने ही विद्रोह के लिए भड़काया, उकसाया था, प्रजा बिलकुल निर्दोष है'।

(20 मार्च, बलिदान दिवस विशेष)

अदम्य साहस की प्रतिमूर्ति, महान वीरांगना रानी अवन्ती बाई ने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे। अपनी मातृभूमि की रक्षा के खातिर अपने प्राण न्योछावर कर दिए। 1857 के क्रान्ति में रानी अवन्ती बाई का वही योगदान है जो रानी लक्ष्मी बाई का है। इसी कारण रानी अवन्ती बाई की तुलना रानी लक्ष्मी बाई से की जाती है। इतिहास इन दोनों महान वीरांगनाओं का हमेशा ऋणी रहेगा। रानी अवन्ती बाई का अवतरण 16 अगस्त 1831 को ग्राम मनकेहणी जिला सिवनी, मध्यप्रदेश के जमींदार राव जुझार सिंह के यहां हुआ था। इनकी शिक्षा दीक्षा ग्राम मनकेहणी में हुई। जुझार सिंह ने अपनी कन्या अवंती बाई का विवाह रामगढ़ रियासत के राजा लक्ष्मण सिंह लोधी के पुत्र राजकुमार विक्रमादित्य सिंह लोधी के सांथ तय किया। 1850 में राजा लक्ष्मण सिंह के निधन के बाद राजकुमार विक्रमादित्य ने राजगद्दी संभाली। विक्रमादित्य वचपन से ही वीतरागी प्रवृत्ति के थे। पूजा पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों में लगे रहते थे। इनके दो पुत्र थे अमान सिंह और शेर सिंह। इनके दोनों पुत्र छोटे ही थे की राजा विक्षिप्त हो गए और राज्य की सारी जिम्मेदारी रानी अवन्तीबाई के कन्धों पर आ गई।

यह समाचार सुनकर अंग्रेजों ने रामगढ राज्य पर ह्यह्लकोर्ट ऑफ वाड्र्सह्लह्ल की कार्यवाही की एवं राज्य के प्रशासन के लिए सर बराहकार नियुक्त कर शेख मोहम्मद और मोहम्मद अब्दुल्ला को रामगढ़ भेजा। जिससे रामगढ राज्य ह्यह्लकोर्ट ऑफ वाड्र्सह्लह्ल के अधीन चला गया। अंग्रेजों कि इस हड़प नीति को रानी जानती थी और दोनों सरबराहकारों को रामगढ़ से बाहर निकाल दिया। लार्ड डलहोजी की राजे रजवाड़ों को हडपने की नीति जिसे डलहोजी की हड़प नीतिह्व कहा गया। जिसके कारण सतारा, जैतपुर, संभलपुर, बघाट, उदयपुर ,नागपुर, झाँसी सहित कई देशी रियासतों का अंग्रजी साम्राज्य में विलय कर दिया गया। अन्य रियासतों को हडपने का अंग्रजी कुचक्र देश जोर-सोर से चल रहा था। अंग्रजों के इस कुचक्र का राजे रजवाड़ों ने विरोध किया। जिसका रानी अवन्तीबाई ने भी विरोध किया। पुरवा में आस-पास के राजाओं और जमीदारों का विशाल सम्मलेन बुलाया। जिसकी अध्यक्षता 70 वर्षीय गोंड राजा शंकर शाह ने की। राजा शंकर शाह को मध्य भारत में क्रांती का नेता चुना गया। इस सम्मलेन में प्रचार प्रसार का कार्य रानी अवंतीबाई को सोंपा गया। प्रचार के लिए एक पत्र और दो काली चूड़ियों की एक पुड़िया बनाकर प्रसाद के रूप में वितरित की गईं। इसके पत्र में लिखा गया -ह्लह्लअंगेजों से संघर्ष के लिए तैयार रहो या चूड़ियाँ पहनकर घर बैठो। तुम्हें धर्म, ईमान की सौगंध है, जो इस कागज का सही पता बैरी को दोह्लह्ल। जो राजा, जमींदार और मालगुजार पुड़िया ले तो इसका अर्थ क्रांति में अंग्रेजों के विरुद्ध अपना समर्थन देना था।

इस समय तक मंडला नगर को छोड़कर पूरा जिला अंग्रेजों से मुक्त हो चुका था। 23 नवम्बर 1857 को मंडला के पास अंग्रेजों और रानी अवन्तीबाई के बीच भीषण युद्ध हुआ। इस युद्ध में मंडला का अंग्रेज डिप्टी कमिश्नर वाडिंग्टन पूरी शक्ति लगाने के बाद भी कुछ ना कर सका और मंडला छोड़ सिवनी भाग गया। इस प्रकार पूरा मंडला और रामगढ़ स्वतंत्र हो गया। इस प्रकार पूरा मंडला जिला और रामगढ़ राज्य स्वतंत्र हो गया। अंग्रेज अपनी हार से बौखलाए हुये थे और अपनी हार का बदला लेना चाहते थे। अंग्रेज लगातार अपनी शक्ति सहेजते रहे अंग्रेजों ने 15 जनवरी 1858 को घुघरी पर नियंत्रण कर लिया। मार्च 1858 के दूसरे सप्ताह में रीवा नरेश की सहायता से रामगढ को घेरकर हमला बोल दिया। वीरांगना रानी अवन्तीबाई की सेना जो अंग्रेजों की सेना की तुलना में बहुत छोटी थी फिर भी साहस पूर्वक अंग्रेजों का सामना किया। रानी ने परिस्थितियों को भांपते हुये अपने किले से निकलकर डिंडोरी के पास देवहारगढ़ की पहडियों की ओर प्रस्थान किया। अंगेजों की सेना रानी अवन्ती बाई का पता लगाते हुये देवहारगढ़ की पहडियों तक पहुँच गई। यहां वीरांगना रानी अवन्ती बाई पहले से ही मोर्चा लगाये बैठी थी।

कालगलवित, 20 मार्च 1858 को रानी अवन्ती बाई ने शाहपुर के पास स्थित तालाब के पास बने मंदिर में पूजा अर्चना की और युद्ध मैदान में उतर गई। यहां अंग्रेजों और रानी के बीच घमसान युद्ध हुआ। रानी अवन्ती बाई ने अपने आप को अंग्रेजों से घिरता देख वीरांगना रानी दुर्गावती का अनुकरण करते हुए अपनी तलवार निकाली और कहा ह्ल हमारी दुर्गावती ने जीते जी वैरी के हांथ अंग ना छुए जाने का प्रण लिया था। इसे ना भूलनाह्लह्ल इतना कहकर रानी ने अपने सीने में मारकर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दे दिया। शौर्यगाथा, वीरांगना जब मृत्यु सैय्या पर थीं तब उन्होंने अंगेजों को अपना बयान दिया कि ह्यह्ल ग्रामीण क्षेत्र लोगों को मैंने ही विद्रोह के लिए भड़काया, उकसाया था, प्रजा बिलकुल निर्दोष है ह्यह्ल। इस प्रकार वीरांगना ने वीरगति में भी हजारों लोगों को अंग्रेजों द्वारा दी जाने वाली यातनाओं से बचा लिया। वरेण्यं, क्रांति मुक्त आंदोलन की सूत्रधार, आजादी की चिंगारी, वीरांगना रानी अवन्ती बाई के श्री चरणों में बलिदान दिवस पर शत-शत नमन... !

कांग्रेस ईमानदार आत्ममंथन से दूर

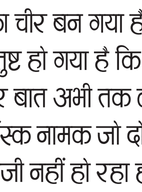

रहीम खान

भारत की राजनीति में वर्षो तक एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस पार्टी विगत एक दशक से कड़े राजनीतिक संघर्ष के दौर से गुजर रही है। गत दिवस सम्पन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर उसे निराशा हाथ लगी। 2017 में इन राज्यों में जहां उसका प्रदर्शन यूपी छोडकर अन्य राज्यों में सम्मानजनक था 2022 में वह भी उसके हाथ से निकल गया। आंतरिक लड़ाई के चलते पंजाब उसकी सरकार थी वहां उसे शर्मनाक पराजय का सामना करना पड़ा।

दरअसल कांग्रेस की मुख्य समस्या यह है कि वह अपने पराजय और पतन पर ईमानदारी के साथ आत्ममंथन करके जो कमियां और गलतियां है उसके सुधार की तरफ कोई सार्थक और ठोस पहल नहीं कर पाती। केन्द्रीय नेतृत्व और राज्य नेतृत्व के बीच तालमेल की वजह से कांग्रेस पार्टी भीतर ही भीतर अपनी नींव को खोखली कर रही है। 2014 के बाद एक-एक करके कांग्रेस के हाथ से अनेक राज्य जहां उसकी सरकार थी हाथ से निकल गये। पार्टी का राज्य नेतृत्व हो या केन्द्र अपनी जमीनी कार्यकर्ता की आहत होती भावनाओं को समझने में विफल है। एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता के अनुसार अफसोस होता है कांग्रेस का बिखराव देखकर ?

भाजपा दुष्प्रचार करके देश में राज कर रही है और कांग्रेस सच बोलकर संघर्ष के दौर में उलझी है। कांग्रेस को यदि अपने स्वर्णीम दौर में वापस लौटना है तो उसे जिले से लेकर राज्य और केन्द्र तक के संगठन को मजबूत करना पड़ेगा। बूथ लेबल पर कांग्रेस के पास कागजों में कमेटियां है पर धरातल पर इनकी उपलब्धियां शून्य है। कमजोर संगठन के सहारे कांग्रेस बहुत बड़ा राजनीतिक लक्ष्य हासिल नहीं कर सकती।

भले ही लोग गांधी परिवार के नेतृत्व को लेकर सवाल खड़ा करें पर वास्तविकता यह है कि श्रीमती सोनिया गांधी हो या राहुल गांधी या प्रियंका गांधी को जो कांग्रेस मिली है वह संघर्ष वाली कांग्रेस है जहां पर उनके लिये पार्टी को एकजुट रख पाना एक मुश्किल काम बनता जा रहा है। कांग्रेस के भीतर अनुशासनहीनता और नेताओं के बीच संवादहीनता बढ़ने के कारण जिस कांग्रेस नेता को जो आता है वह उसे बोल देता है, जो बाद में उनके विरोधियों को लिये राजनीतिक मुद्दा बन जाता है।

राजनीति के मैदान में कई तरह की विषमताओं से गुजरती कांग्रेस को यदि आज जरूरत है ऐसे नेतृत्व की जो अंतिम छोर में खड़े पार्टी कार्यकताओं की भावनाओं को समझे और उसके अनुरूप पार्टी को आगे ले जाने एक मजबूत रोडमैप और होमवर्क तैयार करें। कांग्रेस के संगठन महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवादल जैसे संगठन को वर्तमान राजनीति के अनुरूप खड़ा करना पड़ेगा। पुराने कार्यप्रणाली से यह संगठन पार्टी को बहुत बड़ा लाभ नहीं दे पायेगें। जब तक इन संगठनों के पास घर-घर जाकर कार्य करने वाले प्लान नहीं होगें ये कांग्रेस को मजबूती नहीं दे सकते।

यह कटु सत्य है कि कांग्रेस एक विचारधारा है जो हमेशा बहते रहेगी। पर यह तभी संभव है जब आप संगठित होकर काम करेगें। कांग्रेस पार्टी जब सत्ता में भी तब मक्खन मलाई खाने वाले नेता संघर्ष के दौर में कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल खड़ा करके भाजपा में शामिल हो रहे है जो एक बेईमानी से ज्यादा कुछ नहीं है। वहीं दूसरी ओर यह भी सच है कि भाजपा को चुनौती भी कांग्रेस दे सकती है दूसरी कोई पार्टी नहीं। 2019 के चुनाव के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद से राहुल गांधी का त्यागपत्र देना गलत फैसला था, उनको इस पद पर रहकर अपने राजनीतिक नेतृत्व क्षमता से आगे कार्य करना था। चुनाव में जीत हार एक सामान्य घटनाक्रम होता है। 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव में राहुल के नेतृत्व में ही कांग्रेस ने भाजपा को उसके इस गढ़ में पानी पिला दिया था पर उस सफलता को कांग्रेस संभाल नहीं पाई।

अनेक तरह के राजनीतिक संकट में उलझी कांग्रेस का नेतृत्व इससे बाहर कैसे निकलेगा यह बड़ा सवाल कांग्रेस कार्यकताओं में चर्चा का केन्द्र है। वर्तमान मोदी सरकार जनता से जुड़े अनेक मुद्दों पर विफल है पर मीडिया प्रोपोगंडा और संगठन मजबूत होने के कारण वह जनता में अपना प्रभाव बनाये हुए है। वास्तविकता के धरातल पर नोटबंदी हो या फिर कोरोना से उत्पन्न संकट यह फिर चीन नेपाल के साथ सीमा विवाद आदि मुद्दे पर वह कुछ बेहतर नहीं कर पाई। बेरोजगारी का ग्राफ बड़ा है मंहगाई आसमान छू रही है, अर्थव्यवस्था की कमर टूट चुकी है। जिस पर पर्दा डालने के लिये नये नये हथकंडों को उछालकर जनता का ध्यान बांटती है। भाजपा खुद 76 वर्षीय यदुरप्पा को कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनाती है पर वह सवाल कांग्रेस में उठाती है कि वहां युवाओं को आगे आने का मौका नहीं दिया जा रहा है।

बहरहाल पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन के पश्चात फिर कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर सवाल खड़े किये जा रहा है। जिस तरह की परिस्थितियां निर्मित है उसमें जी-23 के नेता जो मुद्दे उठाकर रहे है उसको उपेक्षित करने की जगह संपूर्ण घटनाक्रम को सकारात्मक दृष्टिकोण से देखते हुए कांग्रेस को मौजूदा राजनीति की नब्ज को समझने और पकड़ने की जरूरत है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक संजय कुमार उपाध्याय द्वारा विवेक पब्लिशर्स, ए 16, सेक्टर 7, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, से मुद्रित एवं 203 एफ 32, विजय ब्लॉक लक्ष्मी नगर, दिल्ली -11 00 92 से प्रकाशित। सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाएगा। संपादकः संजय कुमार उपाध्याय। मो.: 8700635881, आर.एन.आई नं. DELHIN/2019/78266

संक्षिप्त समाचार

पुलिस पिटाई से युवक की मौत, ग्रामीणों ने थाने में लगाई आग, भागे पुलिसकर्मी

बेतिया। जिले के बलथर थाना क्षेत्र में आर्यानगर गांव में शनिवार की दोपहर में होली के दौरान डीजे बजाने के आरोप में हिरासत में लिए गए युवक की थाने में मौत हो गई। उसके बाद उग्र ग्रामीणों ने थाने में आग लगा दी है। फिलहाल, बलथर थाने को चारों तरफ से हजारों की संख्या में लोगों ने घेर लिया है। अन्य थानों की पुलिस भी मदद में बलथर थाने में नहीं पहुंच पा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की पिटाई से युवक की मौत हो गई है। हालांकि अधिकारी पुलिस की पिटाई से युवक की मौत की बात को अफवाह बता रहे हैं। मृतक की पहचान आर्य नगर निवासी अनिरुद्ध कुमार (40) के रूप में की गई है। घटना को लेकर बलथर थाना में बवाल मचा है। हजारों की भीड़ थाना पर पहुंच थाना परिसर में रखे जब्त वाहनों में आग लगा दी है। लोगों ने मैनाटांड़ अंचल निरीक्षक के गाड़ी को भी क्षतिग्रस्त कर दिया है। ग्रामीणों ने बताया कि होली के अवसर पर शनिवार की दोपहर आर्य नगर में कुछ युवक डीजे बजा रहे थे। इसी दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी मीरा शर्मा डीजे को जब्त कर थाना भिजवा दी। लोगों का आरोप है कि युवक थाने पर पहुंचे तो पुलिस कर्मियों ने पिटाई की। पिटाई के कारण उसकी की मौत हो गई। घटना के बाद लोग उग्र हो गए और बेतिया-बलथर मुख्य पथ को जाम कर दिया। लोगों ने थाना पर भी हमला बोल दिया और आग लगा दी। अभी थाना पर भीड़ जमी हुई है। थाना परिसर से आग के धुआं निकल रहा हैं। आसपास के थानों की पुलिस को भी बलथर में बुला लिया गया है। पुलिस वहां किसी को जाने की इजाजत नहीं दे रही है। नरकटियागंज के अनुमंडल पदाधिकारी धनंजय कुमार का कहना है कि पिटाई से युवक की मौत की बात अफवाह है। थाना परिसर में मधुमक्खियों के झुंड के आक्रमण के युवक की हालत चिंताजनक होने पर इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था। रास्ते में उसकी मौत हो गयी है। बता दें कि आक्रोशित लोगों ने बलथर थाने को करीब दो किलोमीटर के आसपास तक चारों तरफ से घेर लिया है इसलिए अभी तक कोई अधिकारी भी बलथर थाने में नहीं पहुंच पाए हैं। युवक की मौत की सूचना पर हजारों की भीड़ बलथर थाने में घुसने लगी। ग्रामीणों का कहना है कि भीड़ को रोकने के लिए पुलिस ने हवाई फायरिंग की। तब लोगों का गुस्सा भड़क गया और थाने में आग लगा दी। हालांकि हवाई फायरिंग किए जाने की अधिकारिक पुष्टि नहीं हो रही है। बलथर थाने में युवक की मौत की घटना के बाद पुलिस अधिकारियों का फोन नहीं उठ रहा है। किसी का फोन नाट रिचेबल है तो कोई लगातार घंटी बजने के बाद भी नही फोन नहीं उठा रहा है। आक्रोशित ग्रामीणों ने थानेदार के निजी कार को आग के हवाले कर दिया है। थाना परिसर में हीं थानेदार का आवास है। आवास के सामने उनकी निजी कार खड़ी थी, जिसमें ग्रामीणों ने आग लगा दी हैं। हालांकि थानेदार के आवास पर ग्रामीणों ने हमला नहीं किया है। आवास में उनका परिवार सुरक्षित है। बताया जाता है कि होली को लेकर थानेदार का परिवार भी यहां आया था। पुलिस हिरासत में युवक की मौत के बाद लोगों का गुस्सा इस कदर बढ़ा हैं कि करीब ढ़ाई घंटे गुजर जाने के बाद भी सड़क जाम और प्रदर्शन जारी है। बलथर की सीमा पर करीब एक दर्जन थानों की पुलिस पहुंची है। लेकिन प्रदर्शनकारियों का गुस्सा देख कोई भी अधिकारी आगे बढ़ने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। नरकटियागंज के एसडीओ धनंजय कुमार, नरकटियागंज के एसडीपीओ कुंदन कुमार, साठी, शिकारपुर, मैनाटांड़, इनरवा, पुरूषोत्तमपुर, भंगहा, सिकटा, गोपालपुर आदि थानों की पुलिस बलथर की सीमा पर खड़ी है। चारों तरफ से आक्रोशित लोगों ने बलथर को घेर लिया है। प्रदर्शनकारियों को समझाने के लिए कोई जनप्रतिनिधि भी अभी तक आगे नहीं आए हैं।

मुकेश सहनी को भाजपा ने बिहार में दे दिया होली का गिफ्ट, मंत्री ने कहा, इस तोहफे के लिए धन्यवाद

पटना। बोचहां विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए भाजपा ने अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। पूर्व विधायक बेबी कुमारी वहां से पार्टी का चेहरा होंगी। इस पर वीआइपी के संस्थापक और बिहार सरकार के मंत्री मुकेश सहनी काफी नाराज हैं। उन्होंने भाजपा का नाम लिए बिना कटाक्ष किया है। इधर कई दलों के नेताओं ने भी इस मुद्दे पर चुटकी ली है। ट्वीट कर मुकेश सहनी ने लिखा है कि होली के शुभ अवसर पर सहयोगी दल के द्वारा दिए गए तोहफा के लिए धन्यवाद। उनका यह निर्णय दशार्ता है कि हम निषाद समाज एवं पूरे अतिपिछड़े समाज के हक एवं अधिकार की लड़ाई को सही दिशा में लड़ रहे हैं। यह हक और अधिकार की लड़ाई में खलल डालने का प्रयास है। हमारा संघर्ष जारी रहेगा। एक अलग ट्वीट में उन्होंने लिखा है कि निषाद समाज को एससी-एसटी का आरक्षण और अतिपिछड़ा के आरक्षण को 15 प्रतिशत तक बढ़वाने के लिए आखिरी सांस तक लड़ेंगे। जितना बड़ा संघर्ष होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी। गौरतलब है कि यूपी चुनाव से ही मुकेश सहनी बीजेपी पर हमलावर थे। उन्होंने पीएम और यूपी के सीएम को भी नहीं छोड़ा। बिहार में भी वे जदयू के प्रति नरम लेकिन भाजपा के प्रति गरम रहे। एमएलसी चुनाव में भाजपा के खिलाफ सात प्रत्याशी उतार दिए। बोचहां सीट पर भी पीछे हटने को तैयार नहीं थे। वहां से वीआइपी के दिवंगत विधायक मुसाफिर पासवान के पुत्र को पार्टी का उम्मीदवार बनाया था। हालांकि, भाजपा के कई नेता कह रहे थे कि वह सीट भाजपा की है। भाजपा ने अपने कोटे से वह सीट वीआइपी को दी थी। लेकिन अब इसका सवाल ही नहीं उठता। आखिरकार भाजपा ने वहां से बेबी कुमारी को उम्मीदवार घोषित कर ही दिया।

हस्त नक्षत्र व वृद्धि योग में आज मनाई जा रही होली, शहर से लेकर गांव तक कल से ही मचा है धमाल

पटना। रंगोत्सव होली की धूम मची है। इस बार होलिका दहन के एक दिन बाद होली की तिथि है। हालांकि लोग शुक्रवार को भी होली मना रहे हैं। गुरुवार की मध्य रात्रि के बाद होलिका दहन किया गया। होलिका जलाने के साथ जयकारे लगाते हुए अपनी अनिष्टता नाश करने के साथ सुख-शांति, समृद्धि व संतान की उन्नति की कामना की। वहीं प्रदेश के गांव-देहातों में देर रात होलिका दहन करने के साथ लोगों ने होलिका दहन के दौरान गेहूं, चने की बाली को होलिका में जलाने के साथ होलिका के चारों ओर चक्कर लगाने के बाद शुभता के लिए वरदान मांगा। ज्योतिष आचार्य की मानें तो शनिवार को हस्त नक्षत्र व वृद्धि योग में होली 19 मार्च को मनाई जा रही है। ज्योतिष के अनुसार होलिका दहन पूर्णिमा तिथि में रात के समय भद्रामुक्त काल में मनाया गया। इस वर्ष रात 12 बजे के बाद तक भद्रा का साया रहने से होलिका दहन के एक दिन बाद 19 मार्च को होली मनाई जाएगी। पर्व को लेकर मिथिला व बनारसी पंचांग दोनों का एकमत है। पचांग के अनुसार होलिका दहन के एक दिन बाद होली मनाने का अनूठा संयोग छह वर्षों बाद बना है। इसके पूर्व 2012 में सात मार्च को होलिका दहन व नौ मार्च को होली मनाई गई थी। वहीं 2013 में 26 मार्च को होलिका दहन 28 मार्च को होली मनी थी। वर्ष 2016 में 22 मार्च को होलिका दहन और 24 मार्च को होली मनाई गई थी।

सीएम-विधानसभाध्यक्ष नोंक-झोंक के बाद पुलिस अफसर का तबादला

उनके स्थान पर आईपीएस अधिकारी सैय्यद इमरान मसूद को भेजा गया है

पटना, एजेंसी। बिहार के सीएम नीतीश कुमार और विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा के बीच सदन में इस सप्ताह के शुरू में नोंक-झोंक के केंद्र में रहे एक पुलिस पदाधिकारी का तबादला कर दिया गया। बिहार के गृह विभाग द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार लखीसराय के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) रंजन कुमार को उसी पद पर पूर्वी चंपारण जिले के अरेराज में स्थानांतरित किया गया है। उनके स्थान पर 2018 बैच के आईपीएस अधिकारी सैय्यद इमरान मसूद को भेजा गया है, जो वर्तमान में पटना जिले के दानापुर के एसडीपीओ के रूप में तैनात हैं।

रंजन कुमार बिहार पुलिस सेवा के अधिकारी हैं। लखीसराय विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले राज्य विधानसभा अध्यक्ष एसडीपीओ सहित अन्य पुलिस अधिकारियों के कथित असहयोग से नाराज थे। भाजपा के टिकट पर चुनाव जीतकर आए सिन्हा एक मामले में पुलिस कार्रवाई का विरोध कर रहे थे और जब बजट सत्र शुरू हुआ तो यह मामला विशेषाधिकार समिति को सौंप दिया गया। लखीसराय मुंगेर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जिसका प्रतिनिधित्व मुख्यमंत्री की पार्टी जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन करते हैं। मीडिया के एक धड़े की खबर के अनुसार सिन्हा पुलिस की सांसद के करीबी लोगों के प्रति कथित नर्मी उनके समर्थकों के प्रति सख्ती से नाराज थे। मुख्यमंत्री के पास ही गृह विभाग भी है और भाजपा नेताओं का एक वर्ग इस बात से कथित नाराज है कि अपने कम होते राजनीतिक दबदबे के बावजूद वह पुलिस पर ह्यह्यपूर्ण नियंत्रणह्लह्ल बनाए रखने में सफल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में सोमवार को ह्यह्यबार-बारह्लह्ल उठाए जाने वाले मुद्दे को अपवाद के रूप में लिया सदन के अंदर ही अपने गुस्से का इजहार करते हुए अध्यक्ष से कहा कि यह संविधान के खिलाफ है। सदन के भीतर मुख्यमंत्री के साथ हुई नोंक-झोंक के बाद अध्यक्ष अगले दिन सदन में आसन संभालने नहीं पहुंचे और मंगलवार की रात्रि मुख्यमंत्री के साथ बैठक हुई जहां माना जाता है कि दोनों के बीच सुलट गया।

नीतीश की सरकार आई और गुल हो गई लालटेन की बत्ती, बिहार सरकार के मंत्री का राजद पर कटाक्ष

पटना। ऊर्जा और योजना एवं विकास मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने विधान परिषद में विभागीय बजट भाषण में राजद के चुनाव चिह्न लालटेन पर जमकर कटाक्ष किया। हालांकि, राजद का कोई सदस्य सदन में नहीं था। राजद (RJD) ने विधानसभा अध्यक्ष के अपमान को लेकर बहिष्कार कर दिया था। बिजेंद्र प्रसाद यादव चुटकी लेते हुए कहा कि बिजली की उपलब्धता इतनी है कि राजद कार्यालय में लगी लालटेन भी बिजली से जलती है।

मंत्री ने कहा, जब राजद का गठन हुआ था, उस समय घर-घर लालटेन जलता था। इसी के चलते पार्टी का चुनाव चिह्न भी लालटेन रख लिया। क्या पता था कि नीतीश कुमार की सरकार आ जाएगी और लालटेन की बत्ती गुल हो जाएगी। बिजेंद्र प्रसाद यादव वित्तीय वर्ष 2022-23 पर ऊर्जा और योजना एवं विकास विभाग के बजट पर विधान परिषद में वाद-विवाद के बाद सरकार का उत्तर दे रहे थे। ऊर्जा क्षेत्र में नीतीश सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2004-05 में बिहार में ग्रिड उप केंद्र 45, संचरण लाइन की कुल लंबाई पांच हजार किमी, बिजली की अधिकतम मांग की आपूर्ति सात सौ, उपभोक्ताओं की संख्या 22.48 लाख थी। वहीं, वर्ष 2020-21 में बिहार में ग्रिड उपकेंद्र 156, संचरण लाइन की कुल लंबाई 17,346 किमी, बिजली की अधिकतम मांग की आपूर्ति 6,627 और उपभोक्ताओं की संख्या 178.92 हो गई है। उन्होंने कहा कि भविष्य की जरूरतों पर भी हम काम कर रहे हैं। 13 हजार करोड़ की लागत से बिजली की वर्तमान व्यवस्था को मोडिफाइड करने जा रहे हैं। इसके जरिए बिजली के नेटवर्क को मजबूत करेंगे।

खेत से चने की फसल उखाड़ने से मना करना बुजुर्ग किसान को पड़ा भारी

- मना करने पर दबंगों ने की बुजुर्ग किसान की पीट-पीटकर हत्या, एक गिरफ्तार
- थाना अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है

जमुई, एजेंसी। बिहार के जमुई जिले में खेत से चने की फसल को उखाड़ने से मना करना एक बुजुर्ग किसान को भारी पड़ गया। दबंगों ने अर्जुन तांती नाम के 65 वर्षीय किसान की पीट-पीट कर हत्या कर दी। घटना लछुआड़ थाना क्षेत्र के नवाबगंज गांव की है। शुक्रवार देर शाम नवाबगंज गांव के बगल के जुगलो गांव के कुछ युवक किसान के खेत से चने की फसल उखाड़ रहे थे। किसान के बेटे ने उन्हें ऐसा करने से मना किया, तो दबंगों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। हो-हल्ला सुन कर वहां बीच-बचाव करने आये अर्जुन तांती की युवकों ने बेरहमी से लाठी-डंडे से पीट-पीट कर हत्या कर दी।

बुरी तरह से जख्मी अर्जुन तांती को परिजन आनन-फानन में सिकंदरा अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के बेटे ललित कुमार ने बताया कि उनकी खेत के पास जुगुलो गांव के कुछ लोग बैठे हुए थे। वो हमारे खेत से चने की फसल उखाड़ कर चना खा रहे थे। मैंने उनको ऐसा करने से मना किया तो वो भड़क गए और मारपीट करने लगे। हंगामा की आवाज सुन कर पिताजी वहां पहुंचे तो वो लोग उन पर लाठी-डंडा लेकर टूट पड़े और पीट-पीट कर उन्हें मार डाला। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध में लछुआर थाना अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा कि खेत से चना उखाड़ने के विवाद में लाठी-डंडे से पीट-पीट कर अर्जुन तांती की हत्या की गई है। आवेदन के आधार पर कार्रवाई करते हुए फरार सभी आरोपियों की गिरफ्तारी जल्द की जाएगी।

नाराज गर्लफ्रेंड को मनाने के लिए गले में डाला फांसी का फंदा

पटना, एजेंसी। राजधानी पटना से सटे बाढ़ में एक प्रेमी को अपनी नाराज गर्लफ्रेंड को मनाना काफी भर पड़ गया। गर्लफ्रेंड को मनाने के लिए उसने सोशल मीडिया का सहारा लिया जो उसके लिए जानलेवा साबित हो गया। दरअसल, खाना खाने के बाद युवक अपने कमरे में गया और प्रेमिका को मनाने की कोशिश करने लगा। काफी मिन्नतों के बाद भी जब वो नहीं मानी तो उसने खुदखुशी करने की धमकी दी। वीडियो कॉल के दौरान उसने फांसी का फंदा अपनी गर्दन में डाल लिया। उसे उम्मीद थी कि प्रेमिका ऐसा करने से मान जाएगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अचानक प्रेमी के हाथ से मोबाइल छूट गया। उसे पकड़ने के लिए वह टेबल से कूद गया। कूदते ही फांसी का फंदा कस गया और उसकी मौत हो गई। दिल दहला देने वाली यह घटना बाढ़ अनुमंडल के अथमलगोला थाना के रूपस की है। राजधानी पटना से सटे बाढ़ में एक प्रेमी को अपनी नाराज गर्लफ्रेंड को मनाना काफी भर पड़ गया। गर्लफ्रेंड को मनाने के लिए उसने सोशल मीडिया का सहारा लिया जो उसके लिए जानलेवा साबित हो गया। दरअसल, खाना खाने के बाद युवक अपने कमरे में गया और प्रेमिका को मनाने की कोशिश करने लगा। काफी मिन्नतों के बाद भी जब वो नहीं मानी तो उसने खुदखुशी करने

की धमकी दी। वीडियो कॉल के दौरान उसने फांसी का फंदा अपनी गर्दन में डाल लिया। उसे उम्मीद थी कि प्रेमिका ऐसा करने से मान जाएगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अचानक प्रेमी के हाथ से मोबाइल छूट गया। उसे पकड़ने के लिए वह टेबल से कूद गया। कूदते ही फांसी का फंदा कस गया और उसकी मौत हो गई। दिल दहला देने वाली यह घटना बाढ़ अनुमंडल के अथमलगोला थाना के रूपस की है। पुलिस ने बताया कि प्रेमी के हाथों से अचानक मोबाइल छूट गया। वह उसे पकड़ने के लिए टेबल से कूद गया। उसके कूदते ही गले में पड़ा फंदा कस गया और उसकी मौत हो गई। लाइव वीडियो देख रही प्रेमिका ने प्रेमी के पड़ोस में फोन करके बता या कि उसने फांसी लगा ली है। इसके बाद पड़ोसी भागकर उसके घर पहुंचे और घरवालों को इसकी जानकारी दी। लोगों ने खिड़की से देखा तो प्रेमी फांसी के फंदे से लटक रहा था। पुलिस ने बताया कि पूरा मामला प्रेम प्रसंग का है। हालांकि पुलिस सभी एंगल की जांच कर रही है।

मैट्रिक के 23 साल बाद पति ने पत्नी, साली के साथ पास की इंटर परीक्षा

बांका, एजेंसी। बिहार के बांका जिले में एक पति, पत्नी और साली ने इंटर की परीक्षा फर्स्ट डिविजन से पास कर कीर्तिमान स्थापित किया है। खास यह है कि मैट्रिक करने के 23 वर्षों बाद राजेश मंडल ने पत्नी और साली के साथ यह कारनामा कर दिखाया है। झारखंड के गोड्डा जिले के बसंतराय प्रखंड के हिलावय के निवासी राजेश मंडल ने वर्ष 1999 में अविभाजित बिहार रहने के दौरान गोड्डा के त्रिवेणी उच्च विद्यालय महेशपुर से मैट्रिक पास की थी। दसवीं करने के बाद राजेश मंडल गोड्डा में ही व्यावसायिक गतिविधियों में लग गया था। लेकिन आगे की पढ़ाई पूरी नहीं करने की टीस कहीं न कहीं उसके मन में थी। अपने कुछ दोस्तों के प्रेरित करने के बाद राजेश ने इस बार स्वतंत्र छात्र के रूप में बांका जिला के पंजवारा हाई स्कूल से इंटरमीडिएट की परीक्षा दी थी। 16 मार्च को जारी इंटर के परिणाम में उसने 80 प्रतिशत से ज्यादा मार्क्स लाकर सबको हैरान कर दिया है। यही नहीं, राजेश मंडल की पत्नी और साली ने भी फर्स्ट डिविजन से इंटर पास किया है। मैट्रिक करने के 23 वर्षों के बाद इंटर परीक्षा में बैठने वाले राजेश को 500 में से 402 अंक, उसकी पत्नी चांदनी को 392 अंक और साली पूनम कुमारी को 380 अंक प्राप्त हुआ है। राजेश ने बताया कि आगे की पढ़ाई के लिये कुछ दोस्तों के प्रेरित करने पर वो पंजवारा स्कूल प्रबंधन से मिला था। उनसे भी उत्साहवर्धन मिलने पर तीनों ने इक्ट्ठा इस बार की इंटर परीक्षा में शामिल होने का फैसला लिया था। राजेश ने बताया कि उसकी पत्नी और साली भी शादी के बाद मैट्रिक से आगे की पढ़ाई नहीं कर पायी थी। इंटर के परिणाम में राजेश, उसकी पत्नी चांदनी और साली की सफलता पर उनके परिजन भी काफी खुश हैं। इस बाबत पंजवारा स्कूल के प्रिंसिपल विमल कुमार विनोद ने राजेश मंडल के रिजल्ट की पुष्टि करते हुए कहा कि इस तरह के परिणाम समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि वैसे लोग जिनकी उम्र ज्यादा हो चुकी है, और आगे की पढ़ाई करना चाहते हैं वो इससे सीख लेकर आगे शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं।

अपहरण के बाद तीन साल के बच्चे की हत्या, खेत में मिला शव, एक गिरफ्तार

- परिजनों ने दो लोगों के खिलाफ चुनाव की रंजिश के कारण अपहरण की शिकायत की थी

सुपौल, एजेंसी। बिहार के सुपौल में 3 साल के बच्चे का अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। घटना सदर थाना क्षेत्र के चकडुमरिया गांव की है। जानकारी के अनुसार 15 मार्च को घर के पास खेल रहे तीन वर्षीय प्रिंस कुमार का अपहरण कर लिया गया था। बाद में उसका शव उसके घर से कुछ दूर पर एक खेत में फेंका मिला था। प्रिंस की हत्या के बाद उसके परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

मृतक बच्चे के परिजनों के मुताबिक प्रिंस अपने घर के पास खेल रहा था। इस दौरान अज्ञात लोगों ने उसको अगवा कर लिया और भाग निकले। इस दौरान ग्रामीणों ने प्रिंस को मोटरसाइकिल पर बिठा कर ले जाते गांव के जामुन शर्मा को देखा। उनकी सूचना के आधार पर परिजनों ने 15 मार्च को सदर थाने में लिखित आवेदन देकर दो लोगों पर पंचायत चुनाव की रंजिश के कारण प्रिंस कुमार का अपहरण की शिकायत की थी। परिजनों का कहना है कि पुलिस ने 16 मार्च को मामला दर्ज कर लिया था। लेकिन कार्रवाई को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। पुलिस की लेट-लतीफी और ढुलमुल रवैये की वजह से अपहरणकताओं ने प्रिंस की हत्या कर दी और उसकी लाश को क्षत-विक्षत अवस्था में खेत में फेंक दिया। इस संबंध में सदर एसडीपीओ इंद्र प्रकाश ने बताया कि इस मामले में देर रात जामुन शर्मा के बेटे को पकड़ा गया है जिससे पूछताछ की जा रही है।

बथनाहा:शांतिपूर्वक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया होली

» मदरलैंड संवाददाता

अररिया। रंगों आपसी मिलन का त्योहार होली बथनाहा ओपी थाना क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में शुक्रवार को धूमधाम से मनाया गया। छिटफुट घटनाओं को छोड़ होली का त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त होने से पुलिस-प्रशासन ने भी राहत की सांस ली है। जिले के सभी प्रखंडों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक लोगों ने जम कर एक दूसरे पर रंगों की बौछार की और एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाए। बुजुर्गों ने होली के गीत के साथ माहौल को रंगीन बनाया तो युवा वर्ग के लोगों ने गाजे-बाजे के साथ होली मनाया। शाम को सबों ने मिलकर अबीर की होली खेली जिसमें छोटे लोगों ने अपने से बड़ों से आशीर्वाद लिया। वही 56वीं वाहिनी एस. एस. बी. बथनाहा मुख्यालय में भी काफी उत्साह व जोश के साथ होली मनाया गया। इस अवसर पर वाहिनी के कमांडेंट श्री मुकेश कुमार सिंह मुंडा समस्त कार्मिकों के साथ पवित्र रंग व गुलाल के साथ होली मनाए। श्री मुंडा ने

समस्त कार्मिकों व नव प्रशिक्षुओं को उनके परिवार सहित होली की हार्दिक शुभकामना देते हुए कहा कि यह पर्व हमलोगों को आपसी सौहार्द व भाईचारे के साथ जीवन जीने के लिए प्रेरणास्वरूप है। मैं आप सभी के लिए मंगलकामना करता हूँ कि आपसभी इस पर्व की नई प्रेरणा, जोश व उमंग के साथ आने वाले समय में अत्यंत सुखमय जीवन व्यतीत करें।

मौके पर कमांडेंट/वेटी ई. चाओबा सिंह, उप कमांडेंट रोमेश याईखोम, सहायक कमांडेंट अमनेंद्र प्रताप सिंह, समस्त कार्मिक, नव प्रशिक्षु एवं फैमिली लाइन की समस्त संदीक्षा सदस्य उपस्थित। वही दूसरी ओर युवा व्यवसायी अमित गुप्ता, रवीं आर्या, मिट्ठू सोनी, गौरव गुप्ता, विशाल यदुवंशी, युवा समाजसेवी विजय कुमार मंडल, विजय दास, भाजपा नेता जुगेश यादव आदि उपस्थित थे।

कर्तव्य पर मुस्तैद, दिखी बथनाहा पुलिस

भारत में आज धूमधाम से होली का त्योहार मनाया जा रहा है। वहीं, आज के दिन शब-ए-बरात का त्योहार भी है। इस दिन मुसलमान सारी रात जागकर अल्लाह से अपने गुनाहों की माफी मांगते और इबादत करते हैं। मुसलमानों के लिए ये दिन खास होता है। दूसरी तरफ पूरा देश होली की खुशियां मना रहा है। ऐसे में बथनाहा पुलिस मुस्तैद है। होली और शब-ए-बरात के त्यौहारों के बीच बथनाहा थाना क्षेत्र के बथनाहा चौक, मंडल चौक, स्टेशन चौक एवं हाट चौक आदि चौक-चौराहों व संवेदनशील जगहों पर पुलिस कर्मियों की पैनी नजर बनी हुई हैं, लगातार गश्ती की जा रही हैं।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

बच्चे को बांटना इस प्रकार सिखायें

तीन साल की उम्र से ही बच्चों को अपनी चीजें दूसरे के साथ शेयर करना सिखाना चाहिए। इसी उम्र से चीजें बांटने के साथ-साथ बच्चे एक-दूसरे के साथ अपनी भावनाएं बांटना भी सीखते है। इससे बच्चे बड़े होकर व्यवहार कुशल और सहयोगी प्रवृति के यानी सामाजिक बनते हैं।

आप सिखाएंगी, वो सीखेगा

बच्चों के मन में अपनी चीजों को लेकर एकाधिकार की भावना होती है और वे अपनी चीजें दूसरों के साथ बांटना नहीं चाहते। ऐसे में आप खुद बच्चे के साथ उसकी चीजें शेयर करें, क्योंकि हर चीज बच्चा सबसे पहले घर से ही सीखता है। बच्चे की चीजों को शेयर करने के साथ आप अपनी चीजें भी दूसरों के साथ शेयर करें। बच्चा देखकर कई चीजें खुद ही सीख लेता है। अगर वह आपके साथ कुछ भी शेयर करने से मना करे तो आप उसे प्यार से समझाएं कि अकेले खाना या खेलना अच्छी बात नहीं, इसलिए मम्मी-डैडी या दादा-दादी को भी दो।

धीरे-धीरे सीखेगा बांटना

बच्चा जैसे-जैसे बड़ा होगा, अपनी चीजें दूसरों के साथ साझा करना भी सीख लेगा। कोई बच्चा कम उम्र में परिपक्व हो जाता है, तो किसी को इसमें वक्त लगता है। जरूरी नहीं है कि हर बच्चा एक ही उम्र में परिवक्व होगा, पर यह जरूर है कि सही चीजें और सही सीख उन्हें सही दिशा देती है। कुछ बच्चों में शेयरिंग की आदत आने में समय लग जाता है और कुछ यह गुण जल्दी सीख लेते हैं। तो धैर्य के साथ बच्चे को शेयरिंग करना सिखाएं, वह जरूर सीखेगा।

न करें जबरदस्ती

बच्चों को शेयरिंग सिखाने में जबरदस्ती बिल्कुल न करें। ध्यान रहे कि शुरू में बच्चों को उन चीजों को बांटने को कहा जाए जो उनके लिए बहुत ज्यादा मायने न रखती हों। बच्चा ऐसे में बांटना सीखेगा। अगर आप बच्चे की सबसे पसंदीदा चीज उसे किसी के साथ साझा करने के लिए कहें, तो यह भी ठीक नहीं है क्योंकि अपनी प्यारी चीज को अक्सर बड़े भी शेयर नहीं करते। हमेशा यह याद रखें कि आखिरकार वह एक बच्चा ही है, तो सब कुछ शेयर करने की उम्मीद उससे न करें। खासकर उसकी पसंदीदा चीज। सच यही है कि कुछ चीजें ऐसी हैं, जिसे आपका बच्चा शेयर नहीं करना चाहता। आप इतना कर सकती हैं कि हालात ऐसे बनाएं कि आपके बच्चे को शेयर करना ही पड़े। जैसे यदि दूसरा बच्चा आपके घर आया है तो दो चीजें रखें और उसमें से एक उसे जरूर दें। इससे बच्चा आसानी से शेयर करना सीखेगा। तो बच्चे को आजमाने की जगह उनको शेयरिंग की आदत पड़ने दें। एक बार जब वह शेयर करना सीख ले, तब आप उससे बड़ी उम्मीदें कर सकती हैं।

तारीफ के दो बोल

बच्चों की तारीफ की जाए तो वे और भी उत्साहित होते हैं। उनके जिस काम की प्रशंसा की जाती है, उसे वह दोगुने उत्साह के साथ आगे बढ़कर पूरा करते हैं। कभी बच्चा अपनी चीज दोस्तों के साथ बांटे यानी अपने खिलौने या अन्य चीजों को शेयर करे, उसकी प्रशंसा जरूर करें। हो सके तो सबके सामने। घर के अन्य सदस्यों को भी उसकी तारीफ करने के लिए कहें। इससे खुश होकर आपका बच्चा खुद आगे बढ़कर अपने दोस्तों के साथ अपनी चीजें बांटने लगेगा।

बच्चों को यातायात के नियम भी बताएं

स्कूल और घर में ज्यादा दूरी ना होने के कारण बच्चे अकेले ही वहां चले जाते हैं। ऐसे में हमें उन्हें यातायात के सुरक्षा नियमों की जानकारी देनी चाहिये ताकि बच्चे सुरक्षित रूप से स्कूल आ जा सकें। ध्यान रखें कि आपके बच्चे एक ही रूट से प्रतिदन आएं-जाएं और वह रास्ता सुरक्षा की दृष्टि से भी सही होना चाहिए। उन्हें ऐसे रास्ते से भेजें जिसमें सड़क पर कम-से-कम क्रासिंग हो ताकि उन्हें बार-बार सड़क पार ना करनी पड़ी।

किसी भी तरह का गैजेट जैसे मोबाइल, वीडियो गेम, टैबलेट एवं आई पैड इत्यादि उन्हें देंने से बचें ताकि बच्चे सड़क पर फोन पर बात करते हुए, गाने सुनते हुए या गेम खेलते हुए किसी दुर्घटना का शिकार ना हों।

अपने बच्चों को सुरक्षा नियमों का पालन करने को कहें। चाहे वे पैदल जाते हों या वैन एवं बस में उन्हें पता होना चाहिए कि वैन में कैसे बैठना है। यदि आगे की सीट पर बैठ हैं तो बैल्ट लगा कर बैठें। सड़क पार कर रहे हैं सिग्नल देख कर करें। अपने बच्चों को लाल, हरी और पीली बत्ती का फर्क समझाएं।

दस साल से कम उम्र के बच्चों के साथ किसी बड़े का होना जरूरी है। उन्हें कभी भी सड़क पर अकेले ना छोड़ें। जब तक कि उनमें सड़क नियमों को समझने की परिपक्वता ना आ जाएं। अपने बच्चों को अजनबियों से सावधान रहने को कहें। उन्हें समझाएं किसी भी अजनबी से कोई भी उपहार, टॉफी या खाने की चीज ना लें और ना ही उनके साथ कहीं जाएं।

बच्चों को समझाएं कि सड़क के किनारे से सिग्नल को देखकर और जेब्रा क्रासिंग पर ही सड़क पार करें।

बच्चों को बताएं कि बस से उतरने के बाद हमेशा उसके सामने से ही जाएं ताकि ड्राइवर उन्हें जाते हुए देख सके।

कभी भी सड़क पर मस्ती-मजाक करते हुए दौड़ ना लगाएं। कार पार्किंग के बीच में ना भागें।

बच्चों को अपने मोबाइल और घर के नंबर, घर का पता, स्कूल का पता याद करवा दें ताकि जरूरत पड़ने पर या किसी मुसीबत में वे आपसे संपर्क कर सकें। यदि आपके बड़े बच्चे बाइक, स्कूटर या स्केट बोर्ड से स्कूल जाते हैं तो उन्हें हैलमेट पहनने को जरूर कहें। उनकी सुरक्षा करने के लिए ध्यान दें कि वे इसका पालन कर रहे हैं या नहीं।

बच्चों के लिए खेलना है जरुरी

अगर आप चाहते है कि आपके बच्चे का विकास स्वस्थ तरीके से हो तो उसके लिए बच्चों के खेल खेलना बहुत ही जरुरी है। अगर आपके बच्चे किसी तरह का खेल नहीं खेलेंगे तो बच्चो के शरीर की विकास अच्छी तरह से नही होगा न ही वह सक्रिय रहेगे। ऐसे में बच्चो को मोटापा भी नही आता। एक पालक होने के नाते आपको यह जानना आवश्यक है कि बच्चों के जीवन में खेल के क्या फायदे हैं। अगर आप बच्चों को उनके बचपन में खेलने से रोक रहे हैं तो वास्तव में आप उनका बचपन उनसे छीन रहे हैं।

आजकल देखा गया है कि बहुत से स्कूलों में तो बच्चों के लिए खेलने के मैदान ही नहीं होते। ऐसे में आपको चाहिए कि अपने बच्चे को स्कूल के बाद खेलने के लिए भेजे। इस तरह से आप अधिक अच्छे पालक बन सकते हैं।

सामाजिक कौशल का विकास

जब आपका बच्चा खेलों में भाग लेता है तो उनमें सामाजिक कौशल का बहुत अच्छा विकास होता है। खेलों के दौरान आपका बच्चा अन्य बच्चों से मिलता है और उनसे बातचीत करता है। यह उसके समाजिक कौशल के विकास में सहायक होता है।

टीम वर्क

टीम वर्क में आपका बच्चा सीखता है कि किस प्रकार टीम की विजय में योगदान दिया जा सकता है।

मस्तिष्क का विकास

जब बच्चें किसी भी तरह का कोई खेल खेलते है तो उनके शरीरिक गतिविधि तो होती ही है साथ में उनके सिर के अंदर का जो अंग है उसका विकास होता भी है जो आपके बच्चे को जल्दी सीखने और बढ़ने में सहायक होता है।

खेलों से शारीरिक विकास

खेल या अन्य शारीरिक गतिविधियों से मांसपेशियों का विकास होता है। स्वस्थ हड्डियों और मांसपेशियों के अच्छे विकास के लिए आपको बच्चे को किसी भी तरह का खेल खालने के लिए उत्साहित करना चाहिए।

इम्यूनिटी के लिए स्पोर्ट्स फायदेमंद हैं

जब आपका बच्चा खेलों में भाग लेता है तो आपके बच्चे की इम्यूनिटी बढ़ती है। इसके अलावा बच्चे को खुली हवा में छोड़ना अच्छा होता है ताकि उसे अपने आसपास के माहोल का भी पता लगेगा।

खिलाड़ी की भावना

अपने बच्चो को बताना चाहिए कि जीतना और हारना जीवन का हिस्सा है तथा आपका बच्चा इसे खेल की उन गतिविधियों के माध्यम से सीखता है जिसमें वह हिस्सा लेता है।

धैर्य

खेल की गतिविधियों से शारीरिक सहनशीलता बढ़ती है, क्योंकि प्रत्येक गेम आखिरी तक खेला जाता है जिससे आपका बच्चा सीखता है कि अधिक समय तक गर्मी में कैसे रहा जाता है।

सहनशीलता

खेल खिलाड़ी की सहनशीलता के लिए चुनौती के समान होता है। अगर आपका बच्चा इस प्रकार के खेलों में सहभागी हो ताकि उसकी सहनशीलता बढ़ सके। शारीरिक गतिविधियों में ताकत ही सब कुछ होती है।

संवेदनशील बच्चों का ऐसे रखें ध्यान

खेलना-कूदना, शरारत करना आदि बच्चों के लिए सामान्य-सी बात है, लेकिन वहीं कुछ बच्चे अपनी गुमसुम दुनिया में व्यस्त रहना ज्यादा पसंद करते हैं। ऐसे बच्चों की परवरिश में थोड़ी सतर्कता की जरूरत होती है।

समझें अपने बच्चे को

कई बच्चे होते हैं, जो दुनिया से कटे-कटे रहते हैं और कहीं न कहीं इन सभी की मांएं अपने बच्चों को लोगों के करीब ले जाना चाहती हैं लेकिन ऐसी स्थिति में बच्चों को समझाने से ज्यादा खुद माताओं को यह समझना जरूरी है कि यहां कोई भी जोर-जबरदस्ती काम नहीं आने वाली। वो इसलिए, क्योंकि ऐसे बच्चे बहुत ज्यादा संवेदनशील होते हैं और इनसे बर्ताव का तरीका सामान्य बच्चों से अलग होता है। अगर बच्चा संवेदनशील है तो माताओं को अपने व्यवहार में तब्दीली लाने और कुछ बातों को समझने की जरूरत है। बच्चा चुप-चुप रहता है, ज्यादा किसी से मिलता नहीं। ऐसे में आप उस पर सामाजिकता का जोर डालना बंद कर दीजिए। उसके व्यवहार को बदलने की जगह उसकी रुचि को बढ़ावा देने की कोशिश कीजिए। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार अपने बच्चे को जबरदस्ती अन्य बच्चों की तरह एक्टिव और स्मार्ट बनाने की जरूरत नहीं है। हर बच्चा एक-सा नहीं होता। अगर बच्चा घर में ज्यादा रहना पसंद करता है तो उसे किताबों, पेंटिंग, कहानी लेखन जैसी चीजों में व्यस्त किया जा सकता है। इस तरह से बच्चे भविष्य में कमाल दिखा सकते हैं। हां, थोड़ी-बहुत सामाजिकता के लिए उसे अकेले में प्यार से समझाएं और किसी भी काम को करने के लिए सही और सही कारण सामने रखें। बच्चा संतुष्ट हो जाएगा तो खुद उस काम को करेगा।

हम अकसर ही बच्चों पर अपना पूरा अधिकार समझते हुए उन्हें कहीं भी डांट लगा देते हैं, लेकिन संवेदनशील बच्चे इन्हीं बातों को दिल से लगा बैठते हैं। उनका सोचने का तरीका नकारात्मक होने लगता है और धीरे-धीरे उन्हें सामान्य-सी बात समझाना भी मुश्किल पड़ने लगता है। बच्चों की भावनाओं की जिम्मेदारी आपकी है। उसे चोट न पहुंचने दें। अपने बच्चे को अकेले में मौका देखकर समझाएं। किसी कारणवश सबके बीच डांटना पड़ा भी तो बाद में उसे उस डांट का कारण देकर तसल्ली दें। जब बच्चे को आपका टोकना पसंद नहीं आता तो जाहिर है दूसरों का बिल्कुल नहीं आएगा। ऐसे में अपने बच्चे की संवेदनशीलता के बारे में पहले ही टीचर और दूसरों को बता दें तकि बच्चा उन लोगों के बीच सहज महसूस कर सके।

बच्चे की संवेदनशीलता का ध्यान रखते समय इस बात का ख्याल भी जरूरी है कि कहीं वो बिगड़ न जाए। बच्चे के लिए मां बदल सकती है, लेकिन दुनिया नहीं। ध्यान रखें कि बड़े होकर उसको भी जीवन के उतार-चढ़ाव देखने होंगे। इसके लिए आप बच्चे से अपने घर के नियमों का पालन जरूर करवाइए। बच्चे के लिए नियम तोड़ना उसे जिद्दी बना देगा। इसके साथ ही आपको भी बच्चे की दिनचर्या का पूरा ध्यान रखना होगा। संवेदनशील बच्चे बदलावों को आसानी से स्वीकार नहीं कर पाते।

अगर बच्चे के रवैये से ऊबकर आप उसकी शिकायतें दूसरे लोगों और रिश्तेदारों से लेकर बैठ जाती हैं तो आप गलत कर रही हैं। अपने लिए बार-बार शिकायतों को सुनना और दूसरों के सामने खुद को कटघरे में खड़ा महसूस करना बच्चे को हीनभावना से ग्रसित कर देता है। खाता नहीं है, पढ़ता नहीं है, जैसी बातें उसके हौसलों को तोड़कर रख देती हैं। ऐसी बातों से बचें। जितना हो सके अपनी उम्मीदों को उस पर न थोपें। हां, अच्छी बातों पर उसका हौसला जरूर बढ़ाएं।

सब्र से काम लें

संवेदनशील बच्चे भावनाओं से ओतप्रोत होते हैं। इनको समझने और समझाने के लिए आपको सबसे पहले खुद में सब्र लाना जरूरी है। आपका धैर्य खोना उनकी भावनाओं को चोट पहुंचा देता है। बच्चे को समय दें , उससे बातें करें और अगर कोई काम उससे करवाना चाहती हैं तो उसको उस काम को करने के लिए राजी होने का मौका दें।

यूक्रेन-रूस युद्ध के 24 वें दिन पोलैंड के पास लवीव में पहली बार मिसाइलों से हमला

लवीव, एजेंसी। रूस-यूक्रेन के बीच चल रही जंग 24वें दिन भी थमने का नाम नहीं ले रही है। रूस की सेना ने युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार पोलैंड से सटे पश्चिमी यूक्रेन के शहर लवीव में शुक्रवार को मिसाइलों से भीषण हमला किया है। रूस ने 6 मिसाइलों से लवीव एयरपोर्ट से सटे इलाकों को निशाना बनाया। लवीव के मेयर ने रूस के इन हमलों की जानकारी दी है। इस बीच यूक्रेन ने कहा है कि उसने कीव पर हमला करने के रूस के दो मुख्य रास्तों को ब्लॉक कर दिया है। मेयर ने बताया कि लवीव में हुए रूसी हमलों में अभी किसी के मरने की पुष्टि नहीं हुई है। लवीव शहर नाटो सदस्य देश पोलैंड की सीमा से मात्र 80 किमी दूर है। मेयर ने बताया कि रूस ने एक एयरक्राफ्ट रिपेयर प्लांट को निशाना बनाया। यूक्रेन की सेना के पश्चिमी कमान ने बताया कि रूस की ओर से काला सागर के रास्ते संभवतः 6गुणा 555 मिसाइलों को दागा गया। इनमें से दो

मिसाइलों को यूक्रेन के एयर डिफेंस के जरिए हवा में ही तबाह करने का दावा किया गया है।

इस बीच अपने भाषण में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदयमयर जेलेंस्की ने कहा कि देश की वायुसेना सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इस बीच यूक्रेन की सेना ने राजधानी कीव पर रूसी हमले के रास्तों को ब्लॉक करने का दावा किया है। इसके साथ ही रूस की सेना की दो तरफ से कीव की ओर हो रही बढ़त रुक गई है। यूक्रेन की सेना ने बताया कि रूसी सेना शहर के दक्षिणी किनारे से 70 किमी दूर है। इस वजह से वे रॉकेट के अलावा और हमले नहीं कर पा रहे हैं। यूक्रेन की सेना ने कहा कि रूसी सेना उनके इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बना रही है लेकिन हमलों के मुख्य रास्तों को ब्लॉक कर दिया गया है। यही नहीं अब कीव की सुरक्षा के लिए दो लेयर के साथ तीसरी लेयर को भी बनाया जा रहा है। हालांकि उन्होंने माना कि क्रूज मिसाइलों से अभी भी शहर को खतरा बना हुआ है। रूस काला सागर और बेलारूस के रास्ते यूक्रेन पर मिसाइलों की बारिश कर रहा है, ये दोनों ही अलग-अलग दिशा में हैं। इस बीच अमेरिका ने कहा है कि रूस ने अब तक यूक्रेन पर 1080 मिसाइलें दागी हैं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भविष्यवाणी की है कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध रूस को दशकों पीछे ले जाएगा- ह्य90 के दशक की त्रासदियोंह्व जैसे हालात हो जाएंगे। जेलेंस्की ने कहा, ह्यमुझे विश्वास है कि हम पर हमला करके वे पिछले 25 वर्षों में रूसी समाज ने जो कुछ हासिल किया है, उसे नष्ट कर देंगे और वे वहीं लौट आएंगे, जहां उन्होंने एक बार उठना शुरू किया था- हालात ह्य90 के दशक की त्रासदियोंह्व जैसे हो जाएंगे।' उन्होंने एक वीडियो संबोधन में कहा, 'केवल स्वतंत्रता के बिना, लाखों लोगों की अपने राज्य के विकास के लिए काम करने की रचनात्मक इच्छा के बिना। यह रूस के लिए यूक्रेन के खिलाफ युद्ध की कीमत होगी। यह उनके लिए एक गिरावट होगी, एक दर्दनाक गिरावट होगी। इससे पहले, यूक्रेन के सशस्त्र बलों ने कहा था कि रूसी सैनिकों ने मिसाइलों के अपने पूरे भंडार और कुछ प्रकार के गोला-बारूद का इस्तेमाल किया है। यूक्रेन के सशस्त्र बलों के अनुसार, रूसी हथियार उद्योग में काम करने वाली कई कंपनियों को चौबीसों घंटे मोड में बदल दिया गया है।

कोरोना के प्रकोप से चीन बेहाल, 9 करोड़ लोग लॉकडाउन में

1 साल बाद दो लोगो की मौत

बीजिंग, एजेंसी। वैश्विक महामारी कोविड-19 के संक्रमण को दुनियाभर में फैसाने के लिए बदनाम चीन में एक साल से ज्यादा समय बाद पहली बार दो लोगों की कोरोना वायरस संक्रमण से मौत हो गई है। चीन में दो तिहाई प्रांत कोरोना के बेहद संक्रामक गुप्त ओमिक्रोन वेरिएंट की चपेट में आ गए हैं। इससे करीब 9 करोड़ लोगों को पूरी तरह से या आंशिक रूप से लॉकडाउन कर दिया गया है। चीन में कोरोना के नए मामले लगातार सामने आ रहे हैं। यही वजह है कि इसे वुहान महामारी के बाद सबसे बड़ा संक्रमण बताया जा रहा है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर चीन में इसी तरह से कोरोना बढ़ता रहा तो यह पूरे देश को अपनी चपेट में ले लेगा।

चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकार ने शनिवार को बताया कि देश में कोरोना वायरस संक्रमण से दो लोगों की मौत हो गई है। जनवरी 2021 के बाद से पहली बार मृतक संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। चीन में कोरोना वायरस के ओमीक्रोन वेरिएंट से संक्रमण के काफी मामले हैं। कोरोना संक्रमण से दोनों मौत उत्तर पूर्वी जिलिन प्रांत में हुईं, जिसके बाद देश में मृतक संख्या बढ़कर 4,638 हो गयी है। चीन में शनिवार को कोरोना संक्रमण के 2,157 नए मामले सामने आए, जो संक्रमण के सामुदायिक प्रसार से जुड़े हैं। इनमें से अधिकतर मामले चीन के जिलिन प्रांत से सामने आए हैं। संक्रमण के प्रसार को राकने के लिए जिलिन प्रांत में यात्रा प्रतिबंध लगाए गए हैं और लोगों को यात्रा के लिए पुलिस की अनुमति लेना अनिवार्य बनाया गया है। चीन के वुहान शहर से साल 2019 के अंत में फैले संक्रमण के बाद से अब तक 4,636 लोगों की मौत हुई है। इन आंकड़ों को अप्रैल 2020 में एक बार अपडेट किया गया था।

इस बीच दुनिया भर में कोरोना वायरस के मामले बढ़कर 46.76 करोड़ हो गए हैं। इस महामारी से अबतक कुल 60.7 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 10।77 अरब से ज्यादा का वैक्सीनेशन हुआ हैं। ये आंकड़े जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी ने साझा किए हैं। ताजा अपडेट में बताया कि वर्तमान वैश्विक मामले, मरने वालों और टीकाकरणकीकुलसंख्याबढ़करक्रमशः467,671,421, 6,070,281 और 10,772,862,375 हो गई है। सीएसएसई के अनुसार, दुनिया के सबसे ज्यादा मामलों और मौतों 79,717,219 और 970,804 के साथ अमेरिका सबसे ज्यादा प्रभावित देश बना हुआ है। कोरोना मामलों में भारत दूसरा सबसे प्रभावित देश है, जहां कोरोना के 43,004,005 मामले सामने आ चुके हैं, जबकि 516,281 लोगों की मौत हो चुकी है, इसके बाद ब्राजील में कोरोना के 29,584,800 मामले सामने आ चुके हैं, जबकि 657,098 लोगों की मौत हो चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

बाइडन ने पुनीत तलवार को मोरक्को में अमेरिका का राजदूत नामित किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारतीय मूल के अमेरिकी राजनयिक पुनीत तलवार को मोरक्को में देश का राजदूत नामित किया है। तलवार वर्तमान में विदेश मंत्रालय में वरिष्ठ सलाहकार हैं। तलवार ने विदेश मंत्रालय, व्हाइट हाउस और संसद में राष्ट्रीय सुरक्षा तथा विदेश नीति से जुड़े पदों पर कार्य किया है। व्हाइट हाउस ने कई अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक पदों के लिए भी नामों की घोषणा की। तलवार ने राजनीतिक-सैन्य मामलों के लिए सहायक राज्य मंत्री, राष्ट्रपति के विशेष सहायक और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में वरिष्ठ निदेशक तथा अमेरिकी सीनेट में विदेश संबंधों की समिति में एक वरिष्ठ सदस्य के रूप में कार्य किया। तलवार की सेवाओं में प्रतिनिधि सभा और विदेश मंत्रालय के ह्यपॉलिसी प्लानिंग स्टाफह्व में महत्वपूर्ण भूमिकाएं भी शामिल हैं। सरकार से इतर, वह एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट में वरिष्ठ शोधार्थी, पेन्सिलवेनिया यूनिवर्सिटी पेन बाइडन सेंटर में विजिटिंग स्कॉलर आदि रह चुके है। तलवार ने कॉर्नेल विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग में बीएस की डिग्री हासिल की और कोलंबिया विश्वविद्यालय से अंतरराष्ट्रीय मामलों में एमए किया। वह विदेश संबंध परिषद के सदस्य हैं और वाशिंगटन के निवासी हैं।

रूसी रॉकेट हमले में यूक्रेन की अभिनेत्री ओक्साना की मौत

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की मशहूर अभिनेत्री ओक्साना श्वेत्स की कीव में एक आवासीय इमारत पर रूसी रॉकेट हमले में मौत हो गई है। वह 67 साल की थीं। यूक्रेनी राजधानी से प्रकाशित एक अंग्रेजी भाषा के दैनिक समाचार पर अपनी रिपोर्ट के आधार पर डेडलाइन ने कहा कि श्वेत्स ने दशकों तक थिएटर और फिल्म में काम किया था और उनके इन्हीं प्रयासों की वजह से उन्हें यूक्रेन के सर्वोच्च सम्मानों में से एक प्राप्त हुआ था, जिसका शीर्षक मोटे तौर पर अनुवादित है- यूक्रेन के सम्मानित कलाकार। यह सम्मान केवल देश के सबसे कुशल कलाकारों में से एक को दिया जाता है। यह वर्णन करने से पहले कि अभिनेत्री की मौत कैसे हुई, अपनी घोषणा में यंग थियेटर ने श्वेत्स के निधन पर अपूरणीय दुःख व्यक्त किया। श्वेत्स का जन्म 10 फरवरी, 1955 को हुआ था। उन्होंने इवान फ्रेंको थिएटर और कीव स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ थिएटर आर्ट्स में थिएटर स्टूडियो से स्नातक किया था। यंग थिएटर के साथ अपने समय के अलावा, श्वेत्स ने टेरनोपिल म्यूजिक एंड ड्रामा थिएटर और कीव थिएटर में काम किया था।

अमेरिकी सांसदों की मांग भारत पुतिन के खिलाफ बयान दे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सांसदों के एक द्विदलीय समूह ने भारत से यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के खिलाफ आवाज उठाने का आग्रह किया। कांग्रेस सदस्य जो विल्सन और भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना के नेतृत्व में सांसदों ने अमेरिका में भारत के शीर्ष राजदूत तरनजीत सिंह संधू को फोन करके मामले पर चर्चा की। खन्ना ने कहा कि उन्होंने विल्सन के साथ मिलकर राजदूत संधू से बात कर भारत से यूक्रेन में नागरिकों को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा निशाना बनाए जाने के खिलाफ आवाज उठाए जाने का आग्रह किया। उन्होंने ट्वीट किया, दोनों दलों में भारत के मित्र उससे शांति के लिए अपने प्रभाव का उपयोग करने का आग्रह कर रहे हैं।ह्लह्लदो दिनों में यह दूसरी बार है, जब अमेरिकी सांसदों ने भारत से यूक्रेन के खिलाफ सैन्य हमले को लेकर रूस की निंदा करने का आग्रह किया है।एक दिन पहले, दो सांसदों टेड डब्ल्यू लियू और टॉम मालिनोवस्की ने भारत से रूस की निंदा करने का आग्रह किया था।

अब चीन में कहर बरपा रहा कोरोना का ओमिक्रॉन वेरिएंट

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकार ने शनिवार को कहा कि देश में कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमण के काफी मामले हैं। चीन में शनिवार को संक्रमण के 2,157 नए मामले सामने आए, जो संक्रमण के मुदायिक प्रसार से जुड़े हैं। इनमें से अधिकतर मामले जिलिन प्रांत से सामने आए।

कोरोनारोधी टीके की चौथी खुराक से ओमिक्रॉन वायरस से मिल सकती है सुरक्षा

वॉशिंगटन, एजेंसी। वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना के घातक वायरस से अभी पूरी तरह निजात नहीं मिल सकी है। वैज्ञानिक कोरोना वायरस के कुछ और नए घातक वेरिएंट के भी आने की चेतावनी दे चुके हैं। कोरोना वायरस का वेरिएंट ओमिक्रॉन भी काफी जानलेवा साबित हुआ है। इसने दुनियाभर में बड़ी संख्या में लोगों की जान ली है। वहीं भारत समेत अन्य देशों में कोरोना के खिलाफ टीकाकरण का अभियान भी चल रहा है। इस बीच एक शोध में दावा किया गया है कि मौजूदा एमआरएनए कोरोना वैक्सीन की चौथी डोज युवाओं और स्वस्थ लोगों का मामूली रूप से ही बचाव कर सकती है।

इस शोध को इजरायल के तेल अवीव में स्थित शेबा मेडिकल सेंटर में किया गया है। इसमें 270 ऐसे हेल्थकेयर वर्कर्स शामिल किए गए जिन्होंने फाइजर वैक्सीन की तीन डोज ले ली थीं और चौथी डोज यानी बूस्टर डोज भी लगवा ली हैं। इनमें प्रत्येक स्वास्थ्यकर्मी को उम्र के हिसाब से दो ऐसे प्रतिभागियों के समूह में रखा गया था, जिन्होंने फाइजर वैक्सीन की तीन डोज ली थीं। इनमें 50 से 65 साल तक के लोग भी शामिल थे। इस शोध में पाया गया कि वैक्सीन की चौथी डोज पूरी तरह से सुरक्षित है। इससे लोगों की एंटीबॉडी में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई।

इजरायल में यह अध्ययन तब हुआ था, जब वहां ओमिक्रॉन वेरिएंट के मामले काफी अधिक थे। जिन लोगों ने वहां फाइजर वैक्सीन की चौथी डोज लगवाई थी। उन लोगों में कोरोना संक्रमण होने का खतरा 30 फीसदी तक कम हो गया था। जबकि जिन लोगों ने मॉडर्ना वैक्सीन लगवाई थी उनमें यह 18 फीसदी कम रहा। गिली रेजेव योचे के नेतृत्व में शोधकताओं ने लिखा है कि जिन लोगों को वैक्सीन की तीन डोज लगी थीं। उनमें इम्युनिटी रिस्पांस अधिक था और उन्हें चौथी डोज लगने के बाद इससे इम्युनिटी फिर से ठीक हो गई।

लिमा में 1.36 मिलियन साल पुराने बेसिलोसॉरस व्हेल के जीवाश्म का प्रदर्शन किया गया।

चीन ने अगर रूस की मदद की तो भुगतने होंगे गंभीर परिणाम, ताइवान से रहें दूर : अमेरिकी राष्ट्रपति

वॉशिंगटन, एजेंसी। यूक्रेन-चीन के बीच जारी जंग के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने समकक्ष चीन के शी जिनपिंग को आगाह करते हुए चेतावनी दी कि अगर बीजिंग ने यूक्रेन पर हमले में पुतिन की मदद की तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। करीब दो घंटे तक चली बातचीत के दौरान बाइडेन ने शी जिनपिंग से यह भी कहा कि वह ताइवान से दूर रहे। बाइडेन ने जिनपिंग को बताया कि अगर चीन ने रूस की मदद की तो इसका क्या असर होगा और उसे क्या परिणाम भुगतने होंगे। इस बीच चीन ने संकेत दिया है कि बाइडेन की धमकी के बाद भी वह रूस की हथियारों से मदद कर सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय वाइट हाउस ने कहा कि यूक्रेन में रूस आम नागरिकों के खिलाफ क्रूर हमले कर रहा है। हालांकि वाइट हाउस ने यह नहीं बताया कि चीन को क्या परिणाम भुगतने होंगे या बाइडेन ने चीन से ऐसी कोई विशेष मांग की है जिसका रूस के साथ नजदीकी राजनयिक रिश्ता है। बताया जा रहा है कि बाइडेन और जिनपिंग के यह बातचीत अमेरिका के उन प्रयासों का हिस्सा है जिसके तहत वह पुतिन को दुनिया की ओर से मदद देने से रोक रहे हैं। बाइडेन ने अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों की ओर से रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों के बारे में बताया। बयान में यह नहीं बताया गया है कि दोनों नेता किसी मुद्दे पर सहमत हुए या नहीं। हालांकि इसमें कहा गया है कि आगे भी बातचीत जारी रहेगी। एक शीर्ष अमेरिकी अधिकारी ने कहा, 'मैं कहूंगा कि यह बातचीत सीधी थी।' उन्होंने कहा कि यह फोन कॉल बाइडेन की ओर से कोई खास मांग करने के लिए नहीं की गई थी, बल्कि यह बताने के लिए की गई थी कि किसी कदम का क्या प्रभाव हो सकता है। वाइट हाउस की प्रवक्ता ने कहा कि अब फैसला चीनी राष्ट्रपति को लेना है। उधर, जिनपिंग ने बाइडेन से कहा कि 'यूक्रेन संकट' कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे 'हम देखना चाहते हैं।' चीनी राष्ट्रपति ने विश्व शांति एवं स्थिरता के लिए ह्यअंतरराष्ट्रीय दायित्वोंह्व को पूरा करने को लेकर अमेरिका-चीन के संयुक्त सहयोग की अपील की। शी ने बाइडन से कहा, ह्यशांति एवं विकास की मौजूदा प्रवृत्ति गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। विश्व ना तो शांत है ना ही स्थिर है। यूक्रेन संकट कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे हम देखना चाहते हैं।' यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की चीन ने अब तक निंदा नहीं की है जिसकी अमेरिका की ओर से आलोचना की जा रही है। बता दें कि चीन और रूस के बीच करीबी संबंध हैं।

पाक में इमरान खान की सत्ता पलटने की तैयारी पर बवाल

- 24 असंतुष्ट विधायक अविश्वास प्रस्ताव पर खिलाफ में कर सकते हैं मतदान
- अब 21 मार्च को नेशनल असेंबली का सत्र बुलाए जाने की उम्मीद

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान अपनी सरकार को बचाने के लिए संघर्ष करते नजर आए। उनकी ही पार्टी के 24 असंतुष्ट विधायक संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर उनके खिलाफ मतदान कर सकते हैं, जबकि उनके दो सहयोगी राजनीतिक संकट को हल करने के लिए माइनस इमरान खान का फामूर्ला दिया है। अब 21 मार्च को नेशनल असेंबली का सत्र बुलाए जाने की उम्मीद है और मतदान 28 मार्च को होने की संभावना है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के लगभग 100 सांसदों ने 8 मार्च को नेशनल असेंबली सचिवालय के सामने एक अविश्वास प्रस्ताव पेश किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) सरकार इमरान खान के नेतृत्व में देश में आर्थिक संकट और बढ़ती मुद्रास्फीति के लिए जिम्मेदार है। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (मक्यूएम-पी) और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कायद (पीएमएल-क्यू), इमरान की पीटीआई के दो सहयोगी दलों ने वोटिंग से पहले मौजूदा सरकार को बचाने के लिए इमरान खान को हटाकर सरकार बचाने का फामूर्ला पेश किया है।

मक्यूएम-पीके संयोजक खालिद मकबूल सिद्दीकी ने बताया कि मौजूदा घटनाक्रम के बाद, उन्हें लगता है कि प्रधानमंत्री इमरान खान को अब पीएमओ में रहने का कोई फायदा नहीं है। सिद्दीकी ने कहा कि यह सामने आने के बाद कि 24 पीटीआई विधायक सिंध हाउस में रह रहे हैं, प्रधानमंत्री के लिए अविश्वास प्रस्ताव से बचना बहुत मुश्किल है, लेकिन पीटीआई के सीनियर नेता और विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि पार्टी में माइनस वन के लिए कोई जगह नहीं है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि एक अफवाह चल रही थी कि इमरान खान के अलावा सब कुछ ठीक है।

दुनिया में फिर से पैस पसार रहा कोरोना, चीन में संकट अमेरिका में लाकडाउन की तैयारी

बीजिंग, एजेंसी। कोरोना के मामलों में कुछ हफ्तों में लगातार केस में गिरावट आने के बाद कोविड-19 वायरस वापस आ गया है। चीन और दक्षिण कोरिया जैसे राष्ट्र दैनिक कोरोना मामलों के मामले में नई ऊंचाई पर पहुंच रहे हैं, जो ज्यादातर ऑमिक्रोन वरियंट के हैं। इसके बाद भारत सरकार ने सभी राज्यों को एक पत्र लिखा, जिसमें उनसे आग्रह किया गया कि वे अपने स्तर पर लोगों को कोरोना को लेकर लापरवाही करने से रोक दें। परीक्षण, ट्रैक, उपचार, कोविड-उपयुक्त व्यवहार का पालन करें और टीकाकरण जारी रखें। भारत में इनदिनों मामले नियंत्रण में हैं।

चीन वर्तमान में 2020 में वुहान में शुरूआती प्रकोप के बाद से स्थानीय रूप से प्रसारित कोविड-19 मामलों की अपनी सबसे बड़ी लहर से लड़ रहा है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकार ने देश में कोरोना संक्रमण से दो लोगों की मौत की पुष्टि की, जो जनवरी 2021 के बाद से मृतक संख्या में दर्ज पहली बढ़ोतरी है। देश में कोरोना के ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमण के काफी मामले हैं। संक्रमण से दोनों मौत उत्तर पूर्वी जिलिन प्रांत में हुईं, जिसके बाद देश में मृतक संख्या बढ़कर 4,638 हो गयी है। चीन में शनिवार को संक्रमण के 2,157 नए मामले सामने आए, जो संक्रमण के सामुदायिक प्रसार से जुड़े हैं। इनमें से अधिकतर मामले जिलिन प्रांत से सामने आए। संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए जिलिन प्रांत में यात्रा प्रतिबंध लगाए गए हैं और लोगों को यात्रा के लिए पुलिस की अनुमति लेना अनिवार्य किया गया है। चीन के वुहान से 2019 के अंत में फैले संक्रमण के बाद से अब तक 4,636 लोगों की मौत हुई है। इन आंकड़ों को अप्रैल 2020 में एक बार अद्यतन किया गया था।

हांगकांग के संचयी कोरोना संक्रमण एक मिलियन से अधिक हो गए हैं, क्योंकि शहर एक व्यापक प्रकोप से जूझ रहा है जिसने पूरे मुख्य भूमि चीन में कथित कोविड -19 मौतों की तुलना में अधिक लोगों की जान ले ली है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने शुक्रवार को 20,079 पुष्ट संक्रमणों की सूचना दी, जो महामारी की शुरूआत के बाद से कुल 1,016,944 हो गए। हांगकांग में मौतों की कुल संख्या-5,401झमुख्य भूमि चीन में दर्ज 4,636 घातक घटनाओं को पार कर गई है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के मुख्य चिकित्सा सलाहकार डॉ एंथनी फौसी ने चेतावनी दी है, कि अगर मामले बढ़ते हैं, तब अमेरिका जल्द ही लॉकडाउन उपायों को लागू कर सकता है। उन्होंने कहा कि ओमीक्रॉन का बीए.2 सब-वेरिएंट जल्द ही अमेरिका में संक्रमण की दर को बढ़ा सकता है।

यूक्रेन के शहरों में धमाकों के बीच रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने मॉस्को में निकाली विशाल रैली

लवीव, एजेंसी। यूक्रेन पर मिसाइलों और बमों के धमाकों के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मास्को में देश का झंडा लहराने वाली एक विशाल रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि गोलाबारी और मिसाइल हमले के साथ यूक्रेनी शहरों पर अपने घातक हमले बढ़ा दिए हैं। मास्को पुलिस ने बताया कि दो लाख से अधिक लोग लुझनिकी स्टेडियम के अंदर और इसके चारों ओर मौजूद थे। यूक्रेन से छीने गए क्रीमियाई प्रायद्वीप पर रूस के कब्जे की आठवीं वर्षगांठ के अवसर पर यह रैली की गई। कार्यक्रम में गायक ओलेग गाजमानोव ने ह्यमेड इन यूएसएसआरह्व गीत गाया, जिसकी शुरूआती पंक्ति थी, ह्ययूक्रेन और क्रीमिया, बेलारूस और मोल्दोवा की सीमाएं खुलने के साथ ये सब मेरे देश हैं।ह्व

पुतिन के मंच पर आने के दौरान वक्ताओं ने उनकी सराहना यूक्रेन में नाजीवाद से लड़ने वाले नेता के तौर पर की, हालांकि इस दावे को विश्व भर के नेताओं ने खारिज कर दिया। इस बीच, रूसी सैनिकों ने यूक्रेन की राजधानी कीव में बम बरसाना जारी रखा है। साथ ही, पश्चिमी शहर ल्वीव के बाहरी इलाकों में कई मिसाइल दागी गई। ल्वीव पर आज तड़के हमले किये गये। शहर में अस्पतालों, स्कूलों और रिहाइशी इमारतों पर हमले किये गये। यूक्रेन की संसद के मानवाधिकार आयुक्त लुदमायला डेनीसोवा ने कहा, ह्यहमारे पास उपलब्ध डेटा के मुताबिक इन आश्रय स्थलों पर करीब 1,300 से अधिक लोग थे। हम उनके जीवित बचे होने की उम्मीद करते हैं।ह्व

मिसाइल काला सागर से दागी गई। लेकिन यूक्रेन की वायुसेना के पश्चिमी कमान ने कहा है उसने छह में से दो मिसाइल को नष्ट कर दिया। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि उसने अस्पतालों पर 43 हमले होने को सत्यापित किया है जिसमें 12 लोग मारे गए जबकि 34 अन्य घायल हो गये। शुक्रवार सुबह यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन की रक्षा पंक्ति उम्मीद से कहीं अधिक मजबूत साबित हुई है।

यूक्रे-रूस जंग समाप्त करने की कूटनीति में शामिल होने को भारत तैयार

जिनेवा, एजेंसी। युद्धग्रस्त देश यूक्रेन में जंग को खत्म करने संबंधी कूटनीति में शामिल होने के लिए भारत सहर्ष तैयार है। भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत आने वाले दिनों में सुरक्षा परिषद के साथ-साथ संबंधित पक्षों में इन उद्देश्यों को जारी रखने के लिए तैयार हैं। मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की दोनों से बात की है और उनसे सीधी बातचीत करने का आग्रह किया है। अंडर-सेक्रेटरी-जनरल रोजमेरी डिकार्लो ने कहा कि लाखों निवासियों के भाग्य के बारे में गंभीर आशंका है, जो तीव्र हमलों का सामना कर रहे हैं। रूस और यूक्रेन के बीच बातचीत में कुछ सकारात्मक विकास हुए हैं, लेकिन इसका कोई फल नहीं निकला है। उन्होंने कहा, ह्यइस हफ्ते, यूक्रेन और रूस के प्रतिनिधियों के बीच चल रही सीधी बातचीत के संबंध में सकारात्मक संकेत मिले हैं। हम इस तरह की सभी व्यस्तताओं का स्वागत करते हैं।ह्व वातार्कारों के बाद, रूस के व्लादिमीर मेडिंस्की और यूक्रेन के मायखाइलो पोडोलीक ने वीडियो वार्ता का एक दौर आयोजित किया था। जेलेंस्की ने कहा, ह्यमुझे सूचित किया गया है, बातचीत के दौरान स्थिति पहले से ही अधिक यथार्थवादी लगती है।ह्व रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने 22-दिवसीय युद्ध में आशावाद का एक नोट पेश करते हुए कहा कि वे एक समझौते के करीब हैं। तिरुमूर्ति ने कहा, ह्यहम पूरे यूक्रेन में

शत्रुता को तत्काल समाप्त करने के अपने आह्वान को दोहराते हैं।ह्व उन्होंने कहा कि मानवीय सहायता का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए और इसे मानवता, तटस्थता, निष्पक्षता और स्वतंत्रता के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित किया जाना चाहिए। मानवीय संकट को कम करने में योगदान देने के लिए तिरुमूर्ति ने कहा कि भारत पहले ही 1 मार्च से यूक्रेन और उसके पड़ोसियों को 90 टन से अधिक राहत आपूर्ति भेज चुका है। उन्होंने कहा, हम इस तरह की अन्य जरूरतों की पहचान करने और आने वाले दिनों में और आपूर्ति भेजने की प्रक्रिया में हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्येयियस ने यूक्रेन में स्वास्थ्य आपदा की रूपरेखा बताते हुए कहा, ह्यअब हमें जिस जीवन रक्षक दवा की जरूरत है वह है शांति।ह्व उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएचओ ने स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं पर 43 हमलों की पुष्टि की है, जिसमें स्वास्थ्य कर्मियों सहित 12 लोगों की मौत और 34 घायल हुए हैं। अमेरिका की स्थायी प्रतिनिधि लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने कहा कि वह यूक्रेन के नागरिक समाज के नेताओं से मिली थीं, जिन्होंने आतंक की सूचना दी थी। वह आतंक जो रूस पूरे यूक्रेन में फैला रहा है, जिसमें ब्रेड लाइन में खड़े लोगों की शूटिंग भी शामिल है। चीन के स्थायी प्रतिनिधि झांग जून ने कहा कि संघर्ष विराम का मौका उभर रहा है। रूस के स्थायी प्रतिनिधि वसीली नेबेंजिया ने यूक्रेन में मानवीय संकट को स्वीकार किया, लेकिन रूस द्वारा चिकित्सा सुविधाओं या लोगों को आश्रय देने वाले थिएटर या मस्जिद जैसी जगहों पर हमला करने के आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा, ह्यहमें खेद है कि यूक्रेन हमेशा रूस के खिलाफ संघर्ष में एक मोहरा रहा है और अभी भी एक मोहरा बना हुआ है।'

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में चार प्रतिशत की तेजी रही

- सेंसेक्स 1,047 अंक उछलकर 57,863 पर बंद
- निफ्टी 311 अंक चढ़कर17,287 पर बंद

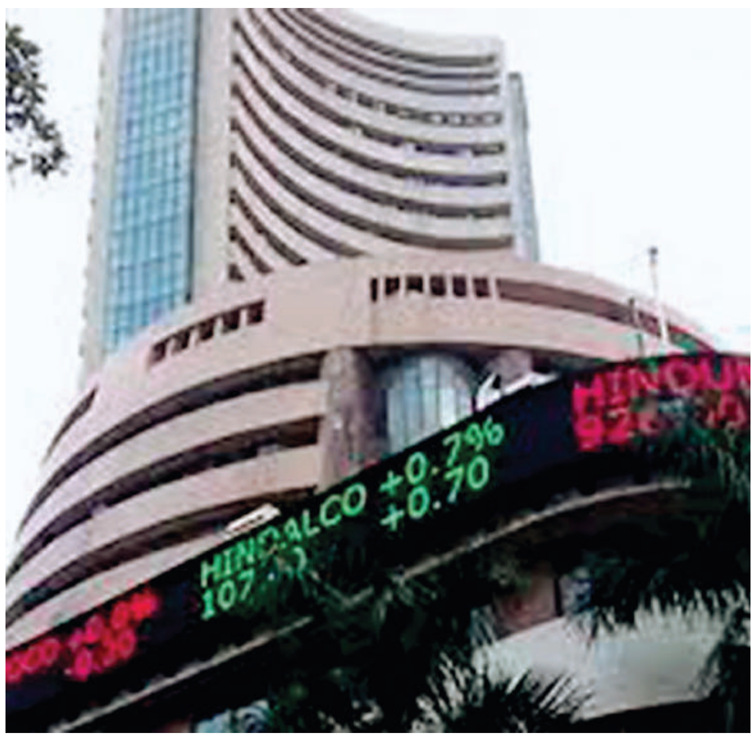

मुंबई, एजेंसी। बीते सप्ताह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की लिवाली और डॉलर के मुकाबले रुपए में मजबूती से सेंसेक्स और निफ्टी में चार प्रतिशत की तेजी रही और गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह शुक्रवार 18 मार्च को होली के अवसर पर शेयर बाजार में सप्ताह में चार दिन ही कारोबार हुआ। बाजार के जानकारों का कहना है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के मुद्रास्फीति को काबू में लाने के लिए ब्याज दर बढ़ाये जाने तथा आने वाले समय में नीतिगत दर को और सख्त किए जाने के संकेतों के बावजूद बाजार में तेजी रही। पिछले सप्ताह चार कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 309.91 अंक चढ़कर 55,860.21 पर खुला और 935.72 अंक चढ़कर 56,486.02 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी शुरूआती कारोबार में 72.1 अंक की बढ़त के साथ 16,702.55 पर खुला और 240.85 अंक की तेजी के साथ 16,871.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 150 अंक की गिरावट के साथ 56,333.72 पर खुला और 28.50 अंक की गिरावट के साथ 16,842.80 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 808.69 अंक चढ़कर 56,585.54 पर खुला और हल्की तेजी के साथ 56,816.65 पर बंद हुआ। निफ्टी शुरूआती कारोबार में 233.20 अंक की बढ़त के साथ 16,896.20 पर खुला और 312.35 अंक मजबूत होकर 16,975.35 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 846.31 अंक बढ़कर 57,662.96 पर खुला और 1,047.28 अंक उछलकर 57,863.93 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 236.80 अंक बढ़कर 17,212.15 पर खुला और 311.70 अंक चढ़कर 17,287.05 अंक पर बंद हुआ।

इलेक्ट्रिक बाइक की बुकिंग पर मिल रही छूट

प्री-बुकिंग विंडो 15 से 30 मार्च तक खुली रहेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक बाइक बनाने वाली कंपनी नहक मोटर्स की इलेक्ट्रिक बाइक की बुकिंग पर भारी छूट मिल रही है। कंपनी की प्री-बुकिंग विंडो 30 मार्च तक खुली रहेगी। कंपनी ने घोषणा की है कि उसने अपनी आगामी नहक पी-14 हाई स्पीड इलेक्ट्रिक बाइक की प्री-बुकिंग शुरू कर दी है। कंपनी का कहना है कि प्री-बुकिंग विंडो 30 मार्च तक सीमित अवधि के लिए खुली रहेगी। कंपनी इसी साल मई में बाइक की डिलीवरी शुरू करने की योजना बना रही है।

नहक पी-14 की कीमत रुपए 2.49 लाख (एक्स-शोरूम) रखी गई है और इसे कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट पर रुपए11,000 की टोकन राशि पर बुक किया जा सकता है। कंपनी प्री बुकिंग अवधि के दौरान एमआरपी पर 10प्रतिशत की छूट भी दे रही है। प्री-बुकिंग की शुरूआत के बारे में बोलते हुए नहक ग्रुप के चेयरमैन प्रवत नाहक ने कहा, ह्न लोगों को बेहतर गुणवत्ता वाले इलेक्ट्रिक बाइक के ऑप्शन देना हमारी जिम्मेदारी है। हालांकि, स्मार्ट इलेक्ट्रिक बाइक में अब तक स्पीड को नजरअंदाज किया जाता रहा है। हम इसे एक उज्जवल और तेज भविष्य के लिए बदल रहे हैं। हम नाहक पी-14 के साथ इलेक्ट्रिक बाइक सेगमेंट में हाई स्पीड पेश कर रहे हैं। कंपनी का दावा है कि यह भारत की पहली हाई स्पीड इलेक्ट्रिक बाइक है, जिसकी टॉप स्पीड 135 केएमपीएच है। बाइक लिथियम आयन बैटरी 72वी 60एएच से लैस है जिसे घर पर भी चार्ज किया जा सकता है और फुल चार्ज होने में लगभग 3 घंटे का समय लगता है। यह बाइक फास्ट चार्जिंग विकल्प के साथ भी उपलब्ध है जो केवल 30 मिनट में बैटरी को चार्ज कर देती है। प्रवत नाहक ने आगे कहा, ह्नहमने अपनी वेबसाइट के माध्यम से भारत की पहली हाई स्पीड इलेक्ट्रिक बाइक नहक पी-14 की प्री बुकिंग शुरू कर दी है। कोई भी 11 हजार रुपये में इस शानदार इलेक्ट्रिक बाइक की बुकिंग कर सकता है। हमने ऑटो एक्सपो 2020 के दौरान भारत की पहली हाई स्पीड इलेक्ट्रिक बाइक,नहक पी-14 लॉन्च की थी और कोविड-19 के कारण विभिन्न सीमाओं के बावजूद, हम इसे लॉन्च करने जा रहे हैं। ह्व

संक्षिप्त समाचार

अगले साल 77.5 प्रति डॉलर तक टूट सकता है रुपया

मुंबई, एजेंसी। चालू खाते का घाटा (कैड) बढ़ने, ऊर्जा की ऊंची कीमतों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी के चलते रुपए पर दबाव बढ़ने का अनुमान है। क्रिसिल रेटिंग की रिपोर्ट के अनुसार स्थानीय मुद्रा मार्च 2023 तक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 77.5 के स्तर तक टूट सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक मार्च-2022 में डॉलर के मुकाबले रुपया 76.5 पर रह सकता है। रेटिंग एजेंसी द्वारा जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक रुपया पहले ही बाहरी तनावों का सामना कर रहा है और हमारा मानना है कि मार्च, 2023 तक इसमें और मूल्यह्रास होगा तथा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले यह लगभग 77.5 के स्तर पर आ जाएगा। क्रिसिल ने कहा कि कमजोरी में दो कारकों की प्रमुख भूमिका होगी। एक उच्च ऊर्जा कीमतें चालू खाते के घाटे को बढ़ा रही हैं।

जीएसटी ने लेनदेन लागत, कर भार कम करने की मददः पीएचडीसीसीआई

नई दिल्ली, एजेंसी। उद्योग मंडल पीएचडीसीसीआई ने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) ने व्यापारियों और विनिमार्ताओं की अंतर-राज्यीय लेनदेन की लागत को कम करने में मदद की है। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जीएसटी के लागू होने के बाद उल्लेखनीय संख्या में उत्पादों को ऊंचे स्लैब से निचले स्लैब में लाया गया है। उन्होंने कहा कि 28 प्रतिशत की उच्चतम कर स्लैब के तहत आने वाले वस्तुओं की संख्या जनवरी, 2022 में घटकर केवल तीन प्रतिशत रह गई है। जीएसटी के लागू होने के समय यह संख्या 17 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि कई वस्तुओं को पिछले पांच वर्षों के दौरान 28 प्रतिशत से 18 प्रतिशत या इससे कम वाले कर के स्लैब में डाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस समय पेट्रोलियम उत्पादों को उत्पाद शुल्क, केंद्रीय बिक्री कर समेत मूल्य वर्धित कर (वैट) जैसे करों के प्रभाव को दूर करने के लिए जीएसटी के दायरे में लाया जाना चाहिए।

जीएसटी ने लेनदेन लागत, कर भार कम करने की मददः पीएचडीसीसीआई

नई दिल्ली, एजेंसी। उद्योग मंडल पीएचडीसीसीआई ने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) ने व्यापारियों और विनिमार्ताओं की अंतर-राज्यीय लेनदेन की लागत को कम करने में मदद की है। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जीएसटी के लागू होने के बाद उल्लेखनीय संख्या में उत्पादों को ऊंचे स्लैब से निचले स्लैब में लाया गया है। उन्होंने कहा कि 28 प्रतिशत की उच्चतम कर स्लैब के तहत आने वाले वस्तुओं की संख्या जनवरी, 2022 में घटकर केवल तीन प्रतिशत रह गई है। जीएसटी के लागू होने के समय यह संख्या 17 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि कई वस्तुओं को पिछले पांच वर्षों के दौरान 28 प्रतिशत से 18 प्रतिशत या इससे कम वाले कर के स्लैब में डाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस समय पेट्रोलियम उत्पादों को उत्पाद शुल्क, केंद्रीय बिक्री कर समेत मूल्य वर्धित कर (वैट) जैसे करों के प्रभाव को दूर करने के लिए जीएसटी के दायरे में लाया जाना चाहिए।

मीडिया और मनोरंजन उद्योग 2030 तक पहुंच सकता है 100 अरब डॉलरः सचिव

नई दिल्ली, एजेंसी। देश का मीडिया और मनोरंजन उद्योग 2030 तक 100 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच जाने का अनुमान है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव अपूर्व चंद्र ने दुबई एक्सपो में भारतीय मंडप का उदघाटन करते हुए यह बात कही। देश का मीडिया और मनोरंजन उद्योग फिलहाल 28 अरब डॉलर का है। उन्होंने कहा कि देश में उद्योग की जरूरत के अनुसार प्रतिभा और रचनात्मक कौशल है। चंद्रा ने एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) सामग्री तैयार करने के लिए भारत के साथ सहयोग पर भारतीय मंडप में आयोजित एक गोलमेज चर्चा में कहा कि भारतीय मीडिया और मनोरंजन उद्योग दुनिया में तेजी से बढ़ने वाले मीडिया एवं मनोरंजन उद्योग में से एक है। यह दुनिया में सबसे ज्यादा दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि भारतीय मीडिया एवं मनोरंजन उद्योग का मूल्य फिलहाल 28 अरब डॉलर है और इसके 2030 तक 12 प्रतिशत की संचयी वृद्धि के साथ 100 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

होली के बाद बिटकॉइन की कीमत में गिरावट

मुंबई, एजेंसी। होली के बाद भारतीय क्रिप्टो बाजारों में मिलाजुला असर देखने को मिल रहा है। जहां बिटकाइन के दाम में दो फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल रही हैं। वहीं इथेरियम की कीमत में 5.50 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न देखने को मिल रहा है और ग्लोबल क्रिप्टो मार्केट पिछले 24 घंटों में 3.64 फीसदी बढ़कर 1.88 ट्रिलियन डॉलर हो गया, जबकि इस अवधि के दौरान ट्रेडिंग वॉल्यूम 25.63 फीसदी बढ़कर 97.58 बिलियन डॉलर हो गया। डीआईएफआई की कुल मात्रा वर्तमान में 13.61 डालर बिलियन है, जो कुल क्रिप्टो बाजार के 24 घंटे की मात्रा का 13.95 फीसदी है। सभी स्टेबल काइन की मात्रा अब 77.40 बिलियन डालर है, जो कुल क्रिप्टो बाजार के 24 घंटे की मात्रा का 79.32 फीसदी है।

ब्रिटेनिया का वर्ष 2024 तक 50 प्रतिशत महिला कर्मचारी शामिल करने का लक्ष्य

कोलकाता, एजेंसी। दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनी ब्रिटेनिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीआईएल) ने कहा है कि उसका 2024 तक अपने कारखाने के कर्मचारियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने का लक्ष्य है। कंपनी के मुख्य विपणन अधिकारी (सीएमओ) अमित दोषी ने कहा कि वर्तमान में कंपनी के कारखाने के कर्मचारियों में 38 प्रतिशत महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य वर्ष 2024 तक 50 प्रतिशत का विविधता अनुपात हासिल करना है। अभी इस मामले में हमारे कारखानों में मौजूदा राष्ट्रीय औसत 38 प्रतिशत है। दोषी ने कहा कि ब्रिटेनिया के गुवाहाटी कारखाने में कार्यबल में महिलाओं का अनुपात 60 प्रतिशत है और इसे बढ़ाकर 65 प्रतिशत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमें इंजीनियरिंग के साथ-साथ पैकिंग, हाउस कीपिंग, लैब टेस्टिंग, कैंटीन और सुरक्षा जैसे आम तौर पर पुरुषों के वर्चस्व वाले क्षेत्रों में

महिला कार्यबल के होने पर गर्व है। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कंपनी पहले ही महिला उद्यमियों के बीच स्टार्टअप चुनौती शुरू कर चुकी है। उन्होंने कहा कि अब तक कंपनी ने ई-कॉमर्स, डिजिटल सेवाओं, मोबाइल वैन के जरिये नेत्र विज्ञान देखभाल और बाल शिक्षा जैसे क्षेत्रों में स्टार्ट-अप के लिए प्रत्येक 30 महिला उद्यमियों को 10 लाख रुपए की शुरूआती पूंजी प्रदान की है। कंपनी ने देश भर में महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए गूगल के साथ भी करार किया है।

आरबीआई ने पेटीएम पर नए ग्राहक जोड़ने पर लगाई रोक

450 रुपए किया शेयर का टारगेट प्राइस

ब्लूमबर्ग, एजेंसी। देश की ऑनलाइन भुगतान कंपनी पेटीएम को एक और झटका लगा है। पिछले दिनों ही रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेटीएम पेमेंट बैंक पर नए ग्राहक जोड़ने पर रोक लगाई है। अब पेटीएम के शेयरों के टारगेट प्राइस को और घटा दिया है। पेटीएम के शेयरों के टारगेट प्राइस को घटाकर 450 रुपए कर दिया है। पेटीएम स्टॉक के टारगेट प्राइस को मैक्वायरी कैपिटल सिक्योरिटी के एनालिस्ट ने रिवाइज किया है। पिछले साल नवंबर में आईपीओ आने के बाद से पेटीएम के शेयरों में 71 फीसदी की गिरावट आई है। मैक्वायरी कैपिटल सिक्योरिटीज के एनालिस्ट सुरेश गणपति ने पहले पेटीएम के शेयरों के प्राइस टारगेट को घटाकर 700 रुपये किया था। अब मैक्वायरी के सुरेश गणपति ने पेटीएम के शेयरों का टारगेट प्राइस घटाकर 450 रुपये कर दिया है। उन्होंने दुनिया भर में फिनटेक कंपनियों के लिए

लोअर वैल्यूएशंस का हवाला दिया है। उन्होंने पेटीएम के शेयरों को अंडरपरफॉर्म रेटिंग दी है हालांकि, मैक्वायरी कैपिटल के सुरेश गणपति ने पेटीएम के लिए अपने अर्निंग या रेवेन्यू एस्टिमेट्स में कोई बदलाव नहीं किया है। पेटीएम के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में गुरुवार को 2.29 फीसदी की गिरावट के साथ 619.9 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। गणपति का कहना है कि फिनटेक रेगुलेशंस और सख्त कंप्लायंस नॉर्म्स कंपनी के लिए मुश्किल भरे हो सकते हैं। डेटा के मुताबिक, पेटीएम कवर करने वाले 9 एनालिस्ट्स का 12 महीने का एवरेज प्राइस टारगेट 1203 रुपए है।

टोयोटो हर महीने करेगी आठ लाख कारों का उत्पादन

मुंबई, एजेंसी। टोयोटा मोटर कॉर्प ने कहा है कि वह वैश्विक स्तर पर हर महीने लगभग 800,000 कारों का उत्पादन करने पर विचार कर रही है। कंपनी ने कम उत्पादन के आंकड़े के लिए लगातार सेमीकंडक्टर की कंपोनेंट की कमी को जिम्मेदार ठहराया है। जापान की कंपनी में टोयोटा ने पहले ही कहा था कि वह अप्रैल में उत्पादन में 20 फीसदी, मई में 10 फीसदी और जून के महीने में उत्पादन में पांच प्रतिशत की कटौती करेगी। कंपनी द्वारा जारी एक बयान में टोयोटा ने बताया कि क्योंकि

यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कंपोनेंट की कमी कब तक रहेगी। इसमें चिप संकट की स्थिति के साथ-साथ सप्लाई चेन पर यूक्रेन और रूस की जंग भी शामिल है। गौरतलब है कि कंपनी ने 2020 और 2021 में इस संबंध में सभी ऑटोमोटिव ब्रांडों में जबरदस्त उत्पादन किया है। विशेषज्ञ का कहना है कि कोविड की स्थिति और चिप की कमी से टोयोटा को उतनी मुश्किल नहीं हुई है, जितना कि वोक्सवैगन, जीएम, फोर्ड और अन्य जैसे अन्य ऑटो दिग्गजों को हुई है लेकिन टोयोटा के साथ-साथ अन्य वैश्विक ब्रांड के लिए मौजूदा हालात अनिश्चित बने हुए हैं। चिप की कमी के अलावा विभिन्न ऑटो ब्रांडों के लिए सप्लाई चैन के लिए रूस और यूक्रेन का युद्ध भी जिम्मेदार है।

चीन में रियलमी ने लॉन्च की जीटी 2 सीरीज

भारत में भी जल्द हो सकती है लॉन्चिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। चाइनीज कंपनी रियलमी ने चीन में जीटी 2 सीरीज लॉन्च की, जिसमें दो फ्लैगशिप स्मार्टफोन, रियलमी जीटी 2 और जीटी 2 प्रो शामिल हैं। अब इसकी लॉन्चिंग भारत में भी करने की तैयारी चल रही है।

कंपनी हाल ही में अपने ट्विटर हैंडल के जरिए भारत में इसकी लॉन्चिंग को टीज किया है। हालांकि अभी सटीक लॉन्च डेट का खुलासा नहीं हुआ है।

पिछले महीने एमडब्ल्यूसी 2022 में दोनों स्मार्टफोन की वैश्विक स्तर पर घोषणा भी की गई थी। इसके अलावा, रिपोर्ट्स का दावा है कि स्मार्टफोन मार्च में भारत में डेब्यू कर सकते हैं। दोनों स्मार्टफोन्स ने पिछले साल चीन में आधिकारिक शुरूआत की थी। रिपोर्टों के अनुसार, स्मार्टफोन का भारतीय संस्करण चीनी संस्करण के समान हो सकता है। हालांकि, रियलमी जीटी 2 की कीमत 8जीबी रैम + 128जीबी स्टोरेज के लिए ईयूआर 549 (लगभग 46,300 रुपये) और 12जीबी + 256जीबीस्टोरेज मॉडल के लिए ईयूआर 599 (लगभग 50,500 रुपये) है। रियलमी जीटी 2 प्रो में कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस प्रोटेक्शन के साथ 6.7-इंच क्यूएचडी + अमोलेड पैनल 120एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ है। स्मार्टफोन स्नैपड्रैगन 8 जेन 1 चिपसेट द्वारा संचालित है जिसमें 12जीबी तक एलपीडीडीआर5 रैम और 512जीबी तक यूएफएस3.1 स्टोरेज है। यह एंड्राएड 12 पर आधारित रियलमी यूआई 3.1 कस्टम स्किन पर चलता है। जहां तक कैमरा फीचर्स की बात है, तो रियलमी जीटी 2प्रो में ट्रिपल कैमरा सेटअप है जिसमें 50-मेगापिक्सल का प्राइमरी सेंसर, 50-मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड लेंस और 2-मेगापिक्सल का अल्ट्रा-मैक्रो लेंस है।

सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए 32 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा है जिसके ऊपर बाईं ओर पंच-होल कटआउट है। कंपनी ने इस स्मार्टफोन को 65 डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 5000एमएएच की बैटरी से लैस किया है।फोन को स्टेनलेस स्टील वेपर कूलिंग प्लस और जीटी मोड 3.0 के साथ लॉन्च किया गया है। कंपनी ने 5000 एमएएच की दमदार बैटरी दी है जो 65 वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है।रियलमी जीटी 2 में प्रो मॉडल जैसी ही विशेषताएं हैं, जैसे बैटरी, रियलमी यूआई 3.0 और रैम। स्मार्टफोन में 6.62 इंच का फुल एचडी प्लस 120एचझेड ई4 अमोलेड डिस्प्ले है और यह स्नैपड्रैगन 888 5जी प्रोसेसर द्वारा संचालित है जिसमें 12जीबी तक रैम और 256जीबी तक की इंटरनल स्टोरेज है।

तमिलनाडु के बजट से राज्य का होगा विकासः एमसीसीआई

चेन्नई, एजेंसी। उद्योग संगठन मद्रास चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एमसीसीआई) ने कहा कि तमिलनाडु के वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में सामाजिक क्षेत्रों सहित कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में खासतौर से ध्यान दिया गया है और ये प्रदेश के समग्र विकास को बढ़ावा देगा। राज्य की द्रमुक सरकार ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2022-23 के लिए बजट पेश किया। वित्त मंत्री पलानीवेल थियागा राजन ने कहा कि 2014 के बाद पहली बार राजस्व घाटा 7,000 करोड़ रुपए से अधिक कम होने का अनुमान है। एमसीसीआई के अध्यक्ष श्रीवत्स राम ने कहा कि कई जिलों में नए औद्योगिक पार्कों और सूक्ष्म उद्योगों को बढ़ावा देने से राज्य में व्यापक विकास की दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्री ने कहा कि सूझ-बूझ के साथ राजकोषीय प्रबंधन से कुल मिलाकर राजस्व घाटा संशोधित अनुमान में कम होकर 55,272.79 करोड़ रुपए रहा जबकि बजट में इसके 58,692.68 करोड़ रुपए रहने का अनुमान रखा गया था।

भारत में लॉन्च हुई 'पावरफुल' इलेक्ट्रिक बाइक

कीमत 1 लाख रुपये से भी कम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में कंपनी ओबेन इलेक्ट्रिक ने पहली इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च कर दी है। इस शानदार इलेक्ट्रिक बाइक की कीमत 1 लाख रुपये से कम है। फेम -कक सब्सिडी के बाद इस बाइक का एक्स-शोरूम प्राइस 99,999 रुपये है। रोर इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल के लिए जुलाई 2022 में डिलिवरी शुरू हो जाएंगी।

ओबेन इलेक्ट्रिक ने इस बाइक को 100केएमपीएच की टॉप स्पीड के साथ बाजार में उतारा है। वहीं अगर बात की जाए इस बाइक की रेंज की तो बाइक सिंगल चार्ज में 200केएम की रेंज ऑफर कर सकती है। बाइक में फिक्स्ड बैटरी पैक का इस्तेमाल किया गया है यानी इसे रिमूव नहीं किया जा सकता है। बाइक के रियर वील को बेल्ट ड्राइव सिस्टम से पावर मिलती है। भारत के इलेक्ट्रिक टू वीलर मार्केट में कई नए मॉडल्स बीते कुछ वक्त में लॉन्च हुए हैं। यह सेगमेंट भारत में तेजी से उभर रहा है। इसीलिए इस सेक्टर में लेगेसी कंपनियों के साथ साथ कई स्टार्ट अप भी सामने आ रहे हैं।

इलेक्ट्रिक टू वीलर्स की डिमांड भी भारत में तेजी से बढ़ रही है इसीलिए इन स्टार्ट अप्स को भी भारत में बढ़िया रिस्पॉन्स मिल रहा है।इसके अलावा बाइक में टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स और रियर मोनो शॉक दिया गया है जो बाइक के सस्पेंशन को हैंडल करता है। बाइक के दोनों पहियों में सिंगल डिस्क ब्रेक्स दिए गए हैं और सा कंबाइंड ब्रेकिंग सिस्टम दिया गया है।

हिमालयन बाइक का छोटा भाई अब बाजार में

नाम है रॉयल इनफिल्ड हिमालयन स्क्रैम 411

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वदेशी कंपनी रॉयल इनफिल्ड के हिमालयन मॉडल बाइक का छोटा भाई बाजार में आ चुका है जिसका नाम रॉयल इनफिल्ड हिमालयन स्क्रैम 411 है। स्क्रैम शब्द का मतलब साफ है कि यह एक स्क्रैम्बलर स्टाइल वाली मोटरसाइकिल है, ना कि हिमालयन की तरह पूरी तरह एडवेंचर मोटरसाइकिल। पारंपरिक रूप से स्क्रैम्बलर रोड बाइक्स होती हैं और उस बाइक से आप थोड़ी बहुत ऑफ-रोडिंग भी कर सकते हैं, लेकिन रॉयल इनफिल्ड की स्क्रैम 411 देखा जाए तो हिमालयन पर आधारित है और इसी वजह से इसमें हिमालयन जैसी ऑफ-रोडिंग क्षमता भी देखने को मिल जाती है।

सबसे पहले अगर हम डिजाइन की बात करें तो सामने से यह मोटरसाइकिल हिमालयन जितनी हैवी और ऊंची नहीं दिखती। काफी सिंपल ये नजर आती है। गोल हेडलाइट देखने को मिल जाती है। इसी में एलईडी डीआरएल है और हेडलाइट काउल मेटल से बना हुआ है। फ्रंट सस्पेंशन पर फॉर्क बूट्स देख सकते हैं। साइड से देखेंगे तो आपको डुअल टोन या ट्रिपल टोन कलर देखने को मिलेगा। हमारे पास यह सिल्वर स्पिरिट वेरिएंट है जो कि काफी प्यारा नजर आ रहा है। इसमें आप सिल्वर, ब्लैक और लाइट ब्लू कलर की हाईलाइट्स देख सकते हैं। टायर्स पर भी लाइट ब्लू कलर की हाईलाइट्स देखने को मिल जाएंगी। टैंक समान 15 लीटर्स का ही है और टैंक के नीचे दिया गया यह रॉयल इनफिल्ड का बैज वाकई इसे हिमालयन से अलग बनाता है। रॉयल एन्फील्ड के मुताबिक स्क्रैम 411 ने हिमालयन का एडवेंचर प्लेटफॉर्म इस्तेमाल किया है और इसमें फ्लैट-ट्रैक रेसर्स की खूबियां शामिल करके इसे एडवेंचर-क्रोसओवर नाम दिया है।

कंपनी ने इसमें सिंगल-पीस सीट का इस्तेमाल किया है जो हिमालयन के मुकाबले 5 एमएम कम है। इसी वजह से इसकी सीट हाईट 795 एमएम है, जबकि हिमालयन में आपको 800 एमएम की सीट हाईट मिलती है। ग्रैब रेल्स भी छोटे दिए हैं और अगर हम इंस्ट्रूमेंट कंसोल की बात करें तो ये हिमालयन की तरह हाईटेक नहीं दिखेगा। इसमें आपको एक राउंड एनालॉग स्पीडोमीटर के साथ एक छोटा डिजिटल स्क्रीन देखे को मिलता है, जो कि आपको ओडोमीटर, फ्यूल गैज, गियर पॉजिशन इंडीकेटर और क्लॉक के साथ आपको सभी जरूरी जानकारी दे देता है। इसके अतिरिक्त इसमें एक ट्रिपर नेविगेशन पॉड का इस्तेमाल किया गया है, जो कि ऑप्शनल है और आप इसे मेक-इट-योर्स कस्टम और एक्सेसरीज प्रोग्राम के जरिए करीब 5 हजार रुपये अतिरिक्त देकर लगवा सकते हैं।

बता दें कि करीब 6 साल पहले जब रॉयल इनफिल्ड हिमालयन भारत में लॉन्च हुई थी तब उस मोटरसाइकिल ने उन लोगों के दिन में भूचाल उत्पन्न कर दिया था जो एडवेंचर के शौकीन हैं, क्योंकि हिमालयन कम कीमत में आपको वो सब ऑफर कर रही थी जो आप एक महंगी एडवेंचर मोटरसाइकिल से उम्मीद करते हैं। 5 वर्ष से ज्यादा वक्त बीता कई तब्दीलियां हुई।

ब्रेथवेट और ब्लैकवुड का शतक, वेस्टइंडीज ने की मैच में वापसी

ब्रिजटाउन, एजेंसी। कप्तान क्रेग ब्रेथवेट और जर्मेन ब्लैकवुड की शतकीय पारियों से वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में तीसरे दिन के खेल के बाद 288 रन बनाकर इंग्लैंड की पहली पारी के बड़े स्कोर का माकूल जवाब दिया। सपाट पिच पर टेस्ट में तीन दिन के खेल बाद सिर्फ 13 विकेट गिरे हैं और यह मैच भी श्रृंखला के पहले मुकाबले की तरह ड्रॉ की ओर बढ़ रहा है। ब्रेथवेट और ब्लैकवुड ने चौथे विकेट के लिए धैर्य से खेलकर 183 रन की साझेदारी कर इंग्लैंड के गेंदबाजों को लगभग 68 ओवर तक सफलता से दूर रखा। इंग्लैंड ने पहली पारी नौ विकेट पर 507 रन पर घोषित की थी। वेस्टइंडीज की टीम अभी 219 रन से पिछड़ हुई हैं, उसके 6 विकेट शेष है। स्टंप्स के समय ब्रेथवेट 109 (337 गेंद में 12 चौके) और रात्रि प्रहरी अल्जारी जोसेफ 4 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे।

ब्लैकवुड ने 215 गेंद की पारी में 11 चौके जड़े। वेस्टइंडीज की टीम ने दिन की शुरूआत एक विकेट पर 71 रन से आगे से खेलना शुरू किया, लेकिन जैक लीच ने शामराह ब्रुक्स (39) को क्रिस वोक्स के हाथों कैच करा कर दिन की पहली सफलता दिलाई। इसके बाद स्टोक्स ने पिछले मैच के शतकवीर नक्रुमाह बोनर (9) को पगबाधा कर वेस्टइंडीज को तीसरा झटका दिया। इस समय टीम का स्कोर तीन विकेट पर 101 रन था।इंग्लैंड के गेंदबाजों ने आक्रामक गेंदबाजी करना जारी रखा लेकिन ब्लैकवुड और ब्रेथवेट की सधी बल्लेबाजी के सामने उन्हें ज्यादा मौका नहीं मिला।कामचलाऊ गेंदबाज डेन लॉरेंस ने दिन के आखिरी सत्र में ब्लैकवुड को पगबाधा कर मैच में इंग्लैंड की वापसी कराई।

9 साल से कोमा में शूमाकर और मारिया के खिलाफ केस दर्ज

लंदन, एजेंसी। एफ-1 के मशहूर रेसर माइकल शूमाकर और रशियन टेनिस स्टार मारिया शारापोवा के खिलाफ गुरुग्राम में कोर्ट के आदेश पर बाशाहपुर थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज हुआ है। इन दोनों स्पोर्ट्स स्टार्स के अलावा मेसर्स रियलटेक डेवलपमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के बिल्डर के खिलाफ भी एफआईआर हुई है। छतरपुर की रहने वाली शैफाली अग्रवाल ने मामला दर्ज कराया है।

उनकी शिकायत में कहा गया है, ह्यउन्होंने 2013 में बिल्डर के ब्रोशर में मशहूर स्पोर्ट्स स्टार्स मारिया शारापोवा और माइकल शूमाकर का नाम देखकर सेक्टर-73 के एक प्रोजेक्ट में निवेश किया था।

बता दें कि शूमाकर वहीं एफ-1 रेसर हैं, जो पिछले 9 वर्षों से कोमा में हैं।29 दिसंबर, 2013 को एक दुर्घटना में वह गंभीर रूप से चोटिल हो गए थे। उसके बाद से शूमाकर बेड पर हैं। महिला की शिकायत पर आईपीसी की धारा 406, 420, 120 इ के तहत एफआईआर दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी गई। अग्रवाल का आरोप है कि बिल्डर ने उन्हें झूठे विज्ञापन में फंसाया। शूमाकर और शारापोवा के नाम ब्रोशर और विज्ञापन उल्लेख किया गया था। कंपनी की ओर से बताया गया था कि शूमाकर वर्ल्ड टावर भी नबाया जाएगा। महिला ने आरोप लगाया कि यह प्रोजेक्ट अभी तक शुरू ही नहीं हुआ है। उनका कहना है कि अगर संबंधित कंपनी ब्याज सहित पूरे पैसे वापस कर देती है, तब शिकायत वापस ले ली जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

मारियो बालोटेली को इटली की टीम में जगह नहीं मिली

रोम, एजेंसी। मारियो बालोटेली को फुटबॉल विश्व कप प्लेऑफ के लिए इटली की टीम में जगह नहीं मिली और यूरोपीय चैम्पियन को मिडफील्डर मैनुएल लोकाटेली की सेवाएं भी नहीं मिलेंगी क्योंकि उन्हें कोरोना संक्रमित पाया गया था। इटली का सामना गुरूवार को सिसली के पोलेरमो में नार्थ मेसेडोनिया से होगा। अगर टीम मैच में जीत दर्ज करती हैं, तब इस साल कतर में होने वाले विश्व कप में जगह बनाने के लिए उसका सामना पुर्तगाल और तुर्की के बीच मुकाबले के विजेता से होगा। इटली 2018 विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई नहीं कर सकी थी। अगर इस बार भी ऐसा हुआ,तब चार बार की चैम्पियन के लिए यह काफी खराब स्थिति होगी। बालोटेली जनवरी में इटली के तीन दिवसीय ट्रेनिंग शिविर में थे। इटली फुटबॉल महासंघ ने कहा कि लोकाटेली पृथकवास के बाद टीम से जुड़ने वाले हैं। इसका मतलब है कि वह प्लेऑफ के दूसरे मैच तक उपलब्ध नहीं होने वाले हैं। फारवर्ड फेडरिको चिएसा भी घुटने की सर्जरी के बाद जनवरी से टीम से बाहर हैं। वहीं सेंटर बैक जार्जियो चिलीनी और लियोनार्डो बोनुसी की वापसी हुई है।

द हंड्रेड क्रिकेट टूनार्मेंट के ड्राफ्ट और अनुबंध टले

लंदन, एजेंसी। पुरुष हंड्रेड क्रिकेट टूनार्मेंट के ड्राफ्ट और टूनार्मेंट के दूसरे सत्र के लिए महिला खिलाड़ियों के अनुबंध की घोषणा को पांच अप्रैल तक टाल दिया गया है। ऐसा ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वार्न के 30 मार्च को होने वाले अंतिम संस्कार को देखते हुए किया गया है। पुरुष हंड्रेड क्रिकेट टूनार्मेंट का ड्राफ्ट और टूनार्मेंट के दूसरे सत्र के लिए महिला खिलाड़ियों के अनुबंध की घोषणा तय कार्यक्रम के अनुसार 30 मार्च को होनी थी पर इसी दिन मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर वार्न को याद किया जाएगा, इसी कारण इसे टाला गया है। द हंड्रेड टूनार्मेंट ने अपने एक बयान में कहा, 'द हंड्रेड ड्राफ्ट से पुरुष खिलाड़ियों का चयन और नई महिला खिलाड़ियों के अनुबंध की घोषणा अब पांच अप्रैल को होगी।' इस बयान के अनुसार, 'वार्न के राजकीय सम्मान के साथ 30 मार्च को होने वाले अंतिम संस्कार को देखते हुए ऐसा किया गया है। पिछले साल पहले द हंड्रेड टूनार्मेंट में वार्न ने लंदन स्पिरिट पुरुष टीम को कोचिंग दी थी।

लखनऊ सुपरजाइंट्स को लगा झटका, तेज गेंदबाज मार्क वुड आइपीएल से हुए बाहर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2022 के शुरू होने में कुछ ही दिन बाकी हैं। इससे पहले पहली बार आइपीएल खेल रही लखनऊ की टीम को झटका लगा है। दरअसल इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड दाहिनी कोहनी में चोट के कारण आइपीएल से बाहर हो गए हैं। उन्हें मेगा आक्शन में लखनऊ की टीम ने 7.50 करोड़ की बड़ी कीमत पर खरीदा था। फिलहाल इंग्लैंड की टीम वेस्टइंडीज के साथ टेस्ट मैच खेल रही है। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन चोट लगी थी जिसके कारण वे पहली इनिंग में केवल 5 ओवर की गेंदबाजी कर पाए थे। दूसरी इनिंग में तो वे मैदान में भी नहीं उतरे थे। तभी से ये अनुमान लगाया जा रहा था कि चोट ज्यादा गंभीर है। अब स्कैन में इस बात की पुष्टि हुई है कि उनके कोहनी में समस्या है और वे अगले हफ्ते इंग्लैंड लौट आएंगे। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने इस खबर पर मुहर लगा दी है कि वे वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट और आगामी आइपीएल से बाहर हो गए हैं। फिलहाल अगली सूचना तक उन्हें क्रिकेट से दूर रहने की सलाह दी गई है। उनकी चोट पर विशेषज्ञों की एक टीम निगरानी रखेंगे। उनके दूसरे टेस्ट से बाहर हो जाने के बाद इंग्लैंड टीम ने 25 वर्षीय खिलाड़ी शाकिब महमूद को डेब्यू करने का मौका दिया था। वुड इंग्लैंड की तरफ से बाहर होने वाले दूसरे गेंदबाज हैं। इससे पहले आली राबिनसन भी दूसरे टेस्ट में शामिल नहीं हो पाए थे। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने शाकिब की काफी तारीफ की थी और उन्हें प्रभावी और मैच्योर गेंदबाज कहा था। आपको बता दें कि इंग्लैंड इस दौरे पर अपने दो सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज स्टुअर्ट ब्राड और जेम्स एंडरसन के बिना वेस्टइंडीज दौरे पर आई है। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरा टेस्ट 24 मार्च से शुरू होगा।

संगकारा को आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक और मुख्य कोच कुमार संगकारा को उम्मीद है कि उनकी टीम 15 वें सत्र में अच्छा प्रदर्शन करेगी। पिछले तीन सत्र में रॉयल्स की टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है ओर वह एक बार भी शीर्ष पांच में नहीं आई है। आईपीएल का आगामी सत्र 26 मार्च से शुरू होगा। संगकारा ने कहा कि हम उन विभाग की पहचान करने में सफल रहे जहां ध्यान देने की जरूरत थी और नीलामी में खिलाड़ियों का चयन करते हुए हमें सही प्रक्रिया का पालन किया है। इससे हम अपने अनुसार खिलाड़ियों को शामिल करने में सफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि फ्रेंचाइजी ने अच्छी टीम का चयन कर शानदार काम किया है। टीम के संयोजन पर प्रतिक्रिया देते हुए संगकारा ने कहा कि स्पिनर युजवेंद्र चहल और रविचंद्रन अश्विन के रहने से टीम को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि चहल और अश्विन के रूप में लेग स्पिन और ऑ स्पिन के मामले में हमारे पास आईपीएल के दो सर्वश्रेष्ठ स्पिनर हैं। संगकारा ने साथ ही कहा कि हमारे पास ट्रेंट बोल्ट, प्रसिद्ध कृष्णा, नवदीप सैनी, नाथन कोल्टर नाइल, ओबेद मैकाय के रूप में अच्छा गेंदबाजी क्रम है जिनका साथ देने के लिए यशस्वी जायसवाल, संजूसैमसन और जोस बटलर हैं जिन्हें हमने बरकरार रखा था।

बूडल्स चेल्टनहैम गोल्ड कप चेज राइडिंग जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते मौली डार्लिंगटन।

मिताली, यास्तिका और हरमनप्रीत के बल्ले ने दिखाया दम, ऑकलैंड में तीनों ने जड़ा अर्धशतक

ईडन पार्क, एजेंसी। भारतीय महिला टीम ने विश्वकप स्पर्धा में शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध नियत 50 ओवर में 7 विकेट पर 277 रन बनाए। ऑकलैंड के ईडन पार्क में भारतीय टीम की कप्तान मिताली राज और यास्तिका भाटिया के बाद 5वें नंबर पर बल्लेबाजी को उतरीं हरमनप्रीत कौर ने दमदार खेल दिखाया और तीनों ने अर्धशतक जड़े। मिताली ने 68, यास्तिका ने 59 और हरमनप्रीत कौर ने नाबाद 57 रन का योगदान दिया।

ऑस्ट्रेलिया की कप्तान मेग लैनिंग ने टॉस जीता और भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। भारत की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसे शुरूआती झटका स्मृति मंधाना (10) के रूप में 11 रन के टीम स्कोर पर ही लग गया। ओपनर शेफाली वर्मा भी कुछ खास नहीं कर सकीं और 12 रन बनाकर डार्सी ब्राउन का शिकार हो गईं।इससे टीम का स्कोर 6 ओवर में 2 विकेट पर 28 रन हो गया। फिर यास्तिका भाटिया और कप्तान मिताली राज क्रीज पर जम गईं और तीसरे विकेट के लिए 130 रन की शानदार साझेदारी की। यास्तिका ने अपने करियर का दूसरा अर्धशतक जड़ा। वह 158 रन के टीम स्कोर पर डार्सी ब्राउन की गेंद पर एलिस पेरी को कैच थमा बैठीं। यास्तिका ने 83 गेंद खेलीं और 6 चौकों की मदद से 59 रन बनाए। कप्तान मिताली को अलाना किंग ने पेरी के हाथों कैच कराया। भारतीय कप्तान ने अपने करियर का 63वां वनडे शतक जमाया। वह 68 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। उन्होंने 96 गेंदों की अपनी पारी में 4 चौके और 1 छक्का जड़ा। इसके बाद ऑलराउंडर हरमनप्रीत क्रौर ने दमदार अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने 42 गेंदों पर अपने वनडे करियर का 15वां अर्धशतक जड़ा। वह 47 गेंदों पर 57 रन बनाकर नाबाद लौटीं।

पारी की अंतिम गेंद पर पूजा वस्त्राकर रन आउट हुईं, जिन्होंने 28 गेंदों पर 1 चौके और 2 छक्कों की बदौलत 34 रन बनाए। पूजा और हरमनप्रीत ने 7वें विकेट के लिए 64 रन जोड़े जिससे टीम इंडिया 275 के स्कोर को पार करने में कामयाब हुई। ऑस्ट्रेलिया के लिए पेसर डार्सी ब्राउन ने 8 ओवर में 30 रन देकर 3 विकेट झटके जबकि अलाना किंग को 10 ओवर में 52 रन देने के बाद 2 विकेट मिले। जेस जोनासन ने भी 1 विकेट लिया।

एफआईएच महिला विश्व कप में भारतीय टीम का पहला मुकाबला इंग्लैंड से

भुवनेश्वर, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच महिला विश्व कप में भारतीय टीम को पूल बी में रखा गया है। भारतीय टीम इसमें अपना पहला मैच तीन जुलाई को इंग्लैंड से खेलेगी। वहीं भारतीय टीम पांच जुलाई को चीन से और सात जुलाई को न्यूजीलैंड से खेलेगी। भारत एक से 17 जुलाई तक होने वाली इस प्रतियोगिता में पूल चरण के अपने मैच नीदरलैंड के एम्सटेलवीन के वैगनर हॉकी स्टेडियम में खेलेगा। वहीं भारतीय महिला टीम की हॉफबैक सुशीला चानू ने कहा कि उनकी टीम किसी भी टीम का सामना करने के लिए तैयार है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि किस टीम से हमें खेलना है क्योंकि हमारी सोच और मानसिकता प्रत्येक मैच को अगले मैच की तरह लेने की है। हम प्रत्येक मैच को जीतने की कोशिश करेंगे। चानू ने कहा कि हमने हाल में ओमान के मस्कट में एशिया कप और फिर एफआईएच प्रो लीग में चीन का मुकाबला किया था। इससे हमें फायदा मिलेगा। हम अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ हॉकी प्रो लीग के मैच खेलेंगे। हम न्यूजीलैंड से आखिरी बार 2020 में खेले थे, इसलिए हम इन टीम को अच्छी तरह से जानते हैं। हमें पता है कि इन चुनौतियों का सामना करने के लिये किस तरह से तैयारी करनी है। वहीं भारतीय फॉरवर्ड नवनीत कौर ने कहा कि टीम ने पिछले दो वर्षों में काफी आत्मविश्वास हासिल किया है और अब वह किसी भी तरह की टीम का सामना करने से घबराती नहीं है।

वनडे मैचों का दोहरा शतक बनाने भारत की दूसरी महिला क्रिकेटर बनी झूलन गोस्वामी

ईडन पार्क, एजेंसी। भारत की महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप-2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में उतरते ही इतिहास रच दिया। वह वनडे मैचों का दोहरा शतक बनाने वाली दुनिया और भारत की दूसरी महिला क्रिकेटर बन गई हैं। उनसे पहल मुकाम तक भारतीय टीम की कप्तान मिताली राज दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर हैं। झूलन पिछले मैच में वनडे में 250 विकेट पूरा करने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनी थीं। मैच में टॉस के साथ ही उन्होंने मैचों का दोहरा शतक पूरा किया। उनकी साथ मिताली राज के नाम फिलहाल 234 मैच दर्ज हैं, और वह सबसे अधिक मैच खेलने वाली क्रिकेटर हैं।

इस तरह सबसे अधिक मैच खेलने वाले दो महिला क्रिकेटर भारत की हैं। 191 मैचों के साथ तीसरे नंबर पर इंग्लैंड की चर्लोट एडवर्ड्स हैं, जबकि द.अफ्रीका की मिगनन डू प्रीज हैं। प्रीज ने 150 वनडे खेल चुकी हैं। 5वें नंबर पर ऑस्ट्रेलिया की ब्लैवेल हैं। उन्होंने 144 मैच खेले हैं, उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ने निर्धारित 50 ओवरों में 7 विकेट पर 277 रन बनाए। मिताली राज (68), हरमनप्रीत कौर (57*) और यस्तिका भाटिया (59) ने हाफ सेंचुरी जड़ी, जिसके दम पर भारत शुरूआती झटकों के बावजूद सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच सका।

कोच ने महिला खिलाड़ी का यौन शोषण कर गर्भवती किया

कोर्ट ने कोच को आजीवन कारवास की सजा सुनाई

अकोला, एजेंसी। महाराष्ट्र के अकोला में एक बड़ा ही हैरान कर देने वाला मामला आया है। जानकारी के मुताबिक, कोच ने महिला कबड्डी खिलाड़ी को पहले झांसा देकर उसके साथ यौन शोषण कर महिला खिलाड़ी को गर्भवती किया। मामले में कोर्ट ने कोच को दोषी ठहराया था, क्योंकि आरोपी के खिलाफ कई ठोस सबूत मिले थे। आरोपी को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

आरोपी कोच का नाम शुद्धोधन सहदेव अंभोरे हैं, उस पर महिला खिलाड़ी के साथ यौन शोषण का गंभीर आरोप लगा है। कोच ने महिला खिलाड़ी को राज्य और राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बनाने का झांसा दिया था। मामला 30 जुलाई 2018 का है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया है कि, आरोपी कोच ने उसके साथ शारिरिक संबंध बनाने के लिए धमकी देता था। महिला को टीम से निकालने की धमकी देता था, इस कारण मजबूरन महिला खिलाड़ी को कोच की बात माननी पड़ी। इस बीच महिला गर्भवती भी हो गई। सरकारी अस्पताल में महिला ने छोटी बच्ची को जन्म तक दिया, लेकिन अस्पतालकर्मियों को शक हुआ कि ये महिला खिलाड़ी अविवाहित मां बनी है। अस्पताल ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी और महिला खिलाड़ी से पूछताछ कर सारी बात का खुलासा किया गया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ शुरू कर दी गई।

उधर आरोपी कोच ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को गलत बताया है। कोच ने कहा कि, यह बच्ची उसकी नहीं है। पुलिस ने आरोपी का डीएनए टेस्ट कराया,इससे साफ हो गया कि बच्ची का पिता आरोपी कोच ही है। एक दूसरी खिलाड़ी से भी छेड़छाड़ के मामले में आरोपी को कोर्ट द्वारा कोच को दोषी माना गया है। कोर्ट ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है और साथ ही 3.10 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। वहीं एक अन्य महिला कबड्डी खिलाड़ी के साथ छेड़छाड़ मामले में भी आरोपी कोच शुद्धोधन अंभोरे को धारा 354 के तहत 5 साल और धारा 506 के तहत 2 साल कारावास की सजा सुनाई गई है।

अमेरिका में राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों की तैयारियां करेगी चानू

नई दिल्ली, एजेंसी। शीर्ष महिला भारोत्तोलक मीराबाई चानू राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों की तैयारियों के लिए अमेरिका गयी हैं। मीराबाई के साथ मुख्य भारोत्तोलक कोच विजय शर्मा भी गये हैं। कोच ने कहा, ह्यहमने अभी चार से पांच हफ्ते रहने की योजना बनाई है पर इसे बढ़ाया भी जा सकता है।' उन्होंने कहा, 'हम वहां जाकर देखेंगे कि चीजें कैसी रहती हैं। अभी अप्रैल के अंतिम हफ्ते तक वहां रहने की योजना है पर हम एक महीने के बाद प्रगति का आंकलन करेंगे और फिर फैसला करेंगे कि हमें और अधिक समय वहां रहना है या नहीं।' चानू को असंतुलन के कारण स्नैच वर्ग में परेशानी होती थी क्योंकि इससे उनके दाएं कंधे और कमर पर असर पड़ता था। टोक्यो ओलंपिक से पहले अमेरिका में डॉ. आरोन होर्शिग से सलाह लेने से उन्हें काफी फायदा हुआ। डॉ. आरोन पूर्व भारोत्तोलक थे जो बाद में फिजियोथेरेपिस्ट और मजबूती एवं अनुकूल कोच बने। पिछले महीने एक साक्षात्कार में मीराबाई ने एक बार फिर डॉ. आरोन के साथ काम करने की इच्छा व्यक्त की है। कोच ने कहा, 'हां, हम एक बार फिर डॉ. आरोन से सलाह लेंगे।' मीराबाई ने बर्मिंघम में 28 जुलाई से आठ अगस्त तक होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए 49 किग्रा और 55 किग्रा दोनों वर्ग में क्वालीफाई कर लिया है। मीराबाई ने 49 किग्रा वर्ग में ओलंपिक रजत पदक जीता था। चानू राष्ट्रमंडल खेलों में दो बार की पदक विजेता हैं।

एएफसी एशिया कप में कंबोडिया, अफगानिस्तान और हांगकांग से खेलेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। एएफसी एशिया कप चीन 2023 के अंतिम दौर के क्वालिफायर मुकाबलों के लिए भारत को ग्रुप डी में हांगकांग, अफगानिस्तान और कंबोडिया के साथ रखा गया है। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के जारी कार्यक्रम के अनुसार इस टूनार्मेंट का यह आखिरी चरण आठ जून को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में शुरू होगा और जिसमें भारतीय फुटबॉल टीम कंबोडिया से खेलेगी, जबकि उसके अगले दो मैच 11 जून को अफगानिस्तान और 14 जून को हांगकांग से होंगे। इस टूनार्मेंट में भाग लेने वाली 24 टीमों को छह समूहों में बांटा गया है। किया गया है, जिसमें छह ग्रुप विजेता टीमें और दूसरे स्थान पर रहने वाली पांच सर्वश्रेष्ठ टीमें चीन में होने वाले एएफसी एशिया कप 2023 के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारतीय फुटबॉल टीम ने फीफा विश्व कप कतर 2022 और एएफसी एशियाई कप चीन 2023 के संयुक्त क्वालीफायर के दूसरे दौर में ग्रुप ई में तीसरे स्थान पर रहने के बाद एएफसी एशिया कप क्वालीफायर के तीसरे और अंतिम दौर में जगह बनाई थी। वहीं भारतीय टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक ने कहा, ह्यकार्यक्रम हमेशा अच्छा या बुरा हो सकता है, लेकिन हमें अपना काम करने की जरूरत है। हमारी योजना मई के पहले हफ्ते से कोलकाता में अपना तैयारी शिविर शुरू करने की है, लेकिन मुंबई सिटी एफसी के खिलाड़ी एएफसी चैंपियंस लीग में क्लब की प्रतिबद्धताओं के कारण 29 मई से पहले उपलब्ध नहीं होंगे।

भोजन में शामिल करें मशरूम

सेहत के लिए मशरूम एक बेहतरीन विकल्प है। इसके स्वाद के अलावा यह आपकी सेहत को भी कई तरह से पोषण देता है। यहीं वजह है कि मशरूम एक बेहद लोकप्रिय व्यंजन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मशरूम बेहद चाव से खाते हैं। आपको अगर मशरूम के ये फायदे मालूम हों तो आप भी रोजाना मशरूम को अपने भोजन में शामिल जरूर करना चाहेंगे। सेहत के लिए मशरूम एक बेहतरीन विकल्प है। इसके स्वाद के अलावा यह आपकी सेहत को भी कई तरह से पोषण देता है। यहीं वजह है कि मशरूम एक बेहद लोकप्रिय व्यंजन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मशरूम बेहद चाव से खाते हैं। आपको अगर मशरूम के ये फायदे मालूम हों तो आप भी रोजाना मशरूम को अपने भोजन में शामिल जरूर करना चाहेंगे। मशरूम को कई तरह से यानी सलाद, सूप और सब्जी के तौर पर खाया जाता है। मशरूम कई सारे औषधीय गुणों का खजाना है। यह आपके पेट संबंधी कई बीमारियों के अलावा कई अन्य शारीरिक समस्याओं में भी फायदा पहुंचाता है। मशरूम को विटामिन डी का भी अच्छा स्रोत माना जाता है। यह हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। एक तरफ मशरूम स्वाद में बेहद अच्छा लगता है, वहीं यह हमारे इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है। मशरूम के नियमित सेवन आपको कई गंभीर बीमारियों से लड़ने में मददगार हो सकता है। मशरूम, फाइबर, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट का एक अच्छा स्रोत है। मशरूम अल्जाइमर, हृदय रोग, कैंसर और मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों के जोखिम को कम करने में मददगार हो सकता है। इसके साथ ही वजन घटाने की सोच रहे लोगों के लिए मशरूम बेहतर विकल्प हो सकता है। मशरूम में मौजूद कुछ एन्जाइम्स और रेशे शरीर से कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करते हैं। मशरूम में हाई न्यूट्रिएंट्स होते हैं, जो दिल को स्वस्थ बनाए रखने में मददगार होते हैं। इसके साथ ही मशरूम पेट संबंधी कई समस्याओं को दूर करने में मददगार होता है।

उबले नींबू भी होते हैं फायदेमंद

क्या आपने कभी पिया है उबले नींबू का पानी, और अगर नहीं पिया हैं तो जल्दी पीना शुरू करे क्युकि इस से जबरदस्त फायदे होते है, वैसे तो नींबू के फायदों से आपने अनजान नहीं होंगे, मगर उबले नींबू भी आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकते हैं ये आप नहीं जानते होंगे। हम आप को बताते हैं इस के फायदे

नींबू को छिलके सहित उबालने के बारे में आपने कभी सोचा है? सुनने में आपको थोड़ा अजीब लग रहा हो, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस तरह नींबू का इस्तेमाल करके आप नींबू के सभी पोषक तत्व बहुत आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप नींबू को उबालकर पिएंगे तो कई तरह की बीमारियों से दूर रहेंगे, लेकिन जिन लोगों को नींबू से एलर्जी है, उन लोगों को इसके इस्तेमाल से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

ठीक रखता है हाजमा :-

नींबू को उबालकर पीने से शरीर में मौजूद विषैले तत्व बाहर निकल जाते हैं, जिससे आपकी पाचन क्रिया दुरुस्त होती है।

एनर्जी बूस्टर:-

नींबू एनर्जी को बढ़ाने में मदद करता है। उबलने के बाद नींबू के पानी के गुण कहीं ज्यादा बढ़ जाते हैं। इसके अलावा नींबू में 'विटामिन-सी' की अधिक मात्रा पायी जाती है।

हिप्स को परफेक्ट शेप देने के लिए जरूर करें ये एक्सरसाइज

साइड लंग्स एक्सरसाइज विद डंबल्स : इस एक्सरसाइज में कई एक्टीविटीज हैं। यह वर्कआउट मसल्स को टोन करने के लिए दबाव डालता है। सबसे पहले अपने वजन के हिसाब से हल्के या मीडियम डंबल लें। पैरों को मिलाकर सीधें खड़े हा जाएं। अपने राइट पैर आगे रखें और धीरे धीरे इसे बाहर निकालना शुरू करें। अब अपने घुटने को मोड़ें और हिप को पीछे की ओर करें। आगे देखते हुए अपने हाथों को पुश करें, हाथों को दाहिने पैर के पास रखें, दाहिने पैर से पुश करें फिर वजन को बाएं पैर पर ले जाएं, रिपीट करें। इसे 12 बार करना है और दोनों पैरों के साथ 3-3 बार करें।

स्प्लिट लेग स्क्वाट्स: स्प्लिट लेग स्क्वैट्स ग्लूट्स पर दबाव डालते हैं और आपकी स्टेबिलिटी को बढ़ाती हैं। इसे करने से आपके हिप्स गोल और अधिक आकर्षक भी बनाते है। सबसे पहले अपने अपने पैरों को चौड़ाई में फैलाएं। अपने शरीर के ऊपरी हिस्से को सामने के पैर पर टिकाएं।

स्क्वाट्स : यह आपके निचले शरीर और आपके कूल्हों की मसल्स को टोन करने के लिए एक बहुत फेमस एक्सरसाइज है। ये आपके हिप्स की मसल्स को चौड़ा करने में मदद करती है और इससे एक अच्छी शेप मिलती है। इसे करने के लिए सबसे पहले दोनों पैरों को खोलकर सीधे खड़े हो जाएं। फिर अपने दोनों हाथों को आगे की ओर खींचे, अब कुर्सी पर बैठने जैसा प्रयास करें। इस दौरान अपने हिप को पीछे की ओर बाहर निकालें। धीरे धीरे घुटनों को मोड़ें, कमर सीधी रहे, हिप्स बाहर, हाथ सीधे और केवल घुटनों से नीचे-ऊपर होइये। 15-15 के तीन सेट करने है।

साइड लेग लिफ्ट्स : ये एक्सरसाइज आपके मसल्स को खिंचाव देती है और उन्हें शेप में दिखाती है। इस एक्सरसाइज के लिए आप पहले एक मैट या थोड़ी नरम सतह पर लेट जाएं।अब एक करवट लें और अपनी हथेली को सिर के नीचे रखें।अब अपने पैरों को एक के ऊपर एक करके रखें, धीरे-धीरे अपने बाएं पैर को जितना हो सके ऊपर उठाएं और इसे 1 सेकंड के लिए रोक कर रखें।

हिप राइज एक्सरसाइज: ये एक्सरसाइज हिप को आकार देने और उन्हें टोन करने के लिए बहुत फायदेमंद है। हिप राइज आपको गोल बट हासिल करने में मदद कर सकता है। हालांकि, ध्यान रखें कि इस एक्सरसाइज को आप सही पोस्चर में करें क्योंकि यह आपकी पीठ और गर्दन की मसल्स को इफैक्ट कर सकती है। सबसे पहले फर्श पर सीधे पीठ के बल लेट जाएं। अपने हाथों को शरीर के साथ में सीधा रखें, अब सांस रोकते हुए अपने हैमस्ट्रिंग और पेल्विक फ्लोर को ऊपर उठाएं।अपने ऊपरी शरीर को कंधों पर टिकाएं और एक सीधी रेखा बनाएं।

चश्मा लगाने पर भी आप दिख सकती हैं खूबसूरत

चश्मा लगाने वाली लड़कियों को अक्सर इस बात से नाराजगी होती है कि चश्मे के नीचे उनकी आंखें दब जाती हैं और उन्हें सही से स्टाइल करने का मौका नहीं मिलता। लेकिन ये बात सही नहीं है। आपको बता दें कि आंखों पर चश्मा लगाने से स्टाइल में कोई कमी नहीं आती। चश्मा लगाने वाली लड़कियां भी भरपूर स्टाइलिश बन सकती हैं।

आंखों का मेकअप

चश्मा पहनने वाली लड़कियों को आपनी आंखों को सबसे ज्यादा हाईलाइट करना चाहिए। इसके लिए आप सबसे पहले आंखों पर आई शैडो लगाएं। आई शैडो आपकी त्वचा के रंग से थोड़ा सा हल्का लें क्योंकि चश्मे के साथ आई शैडो ज्यादा लगाने से आप की आंखें छोटी लगने लगेंगी। आईशैडो में नैचुरल लुक के लिए हल्का शेड व ग्लैमरस लुक के लिए चश्मे के फ्रेम का कलर इस्तेमाल कर सकते हैं।

आईलाइनर जरूर लगाएं

चश्मा लगाने वाली लड़कियों का आईलाइनर लगाना जरूरी है। इसके लिए लिक्विड लाइनर का इस्तेमाल करना बेहतर रहता है क्योंकि यह आंखों को अननैचुरल शाइन नहीं देता। लाइनर को जितना हो सके लैशलाइन के करीब लगाएं ताकि आप की आंखों की खूबसूरती अलग से दिख सके।

ऐसा रखें हेयरस्टाइल

चश्मे के साथ खुले बाल ज्यादा अच्छे लगते हैं। बालों को बाउंसी व पफी लुक भी दे सकते हैं। रोलिंग कॉम्ब या क्रिपिंग मशीन का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

लंबे ईयररिंग्स का न करें इस्तेमाल

चश्मा पहनने वाली लड़कियों पर ज्यादा लंबे ईयररिंग्स अच्छे नहीं लगते। चश्मे के शेप के अनुसार आप ईयररिंग्स पहने। आपको बता दें कि चश्मे के साथ झुमके बहुत अच्छे लगते हैं। आज के मॉर्डन टाइम में जीन्स टॉप के साथ भी झुमका पहना जा सकता है। इसके अलावा छोटी कान की बालियां भी अच्छी लगती हैं।

कई समस्याओं का समाधान है नीम

धार्मिक दृष्टि से देखा जाए तो नीम के पेड़ को भगवान के रूप में पूजा जाता है। और वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो नीम कई समस्याओं का समाधान है। जी हाँ नीम बहुत सारी बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल किया जाता है, परंतु इसके साथ-साथ नीम के बीज से भी बहुत से लाभ होते हैं इसके पत्तों में मौजूद बैक्टीरिया से लड़ने वाले गुण मुंहासे, छाले, खाज-खुजली, एक्जिमा को दूर करने में मदद करते हैं । इतना ही नहीं आप नीम के बीज के तेल के उपयोग से त्वचा कि अच्छी तरह से देखभाल कर सकते हैं।

नीम के बीज का तेल काफी लाभकारी होता है। यह हमें तेल, साबुन, क्रीम, लोशन और फेसवॉश के रूप में भी मिलता है। नीम के तेल का इस्तेमाल आप त्वचा कि विभिन्न प्रकार की समस्याओं को ठीक करने के लिए भी कर सकते है। इसके गुण से आप अपनी त्वचा को स्वस्थ और उसके दाग धब्बो से छुटकारा पा सकती है। नीम के बीच का प्रयोग आँख और कान की समस्या को दूर करने के लिए एक ड्रॉप के रूप में भी किया जाता है। इसे आप अपने बालों में लगाकर बालों में जान डाल सकती हैं। और बालों में हो रही कई समस्याओं को भी दूर कर सकती हैं।

अरंडी का तेल बालों और चेहरे के लिए अच्छा

औषधीय गुणों से भरपूर, अरंडी के तेल का उपयोग स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं में किया जाता है। इसे अरंडी के तेल के रूप में भी जाना जाता है। ज्यादातर लोग स्वस्थ रहने के लिए घरेलू उपचार की मदद लेते हैं। इसके लिए कई तरह के उपाय आजमाए जाते हैं। उनमें से एक अरंडी का तेल है। इससे कई तरह के लाभ मिलते हैं।

अरंडी का तेल भी त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता है। शुष्क त्वचा में इसका उपयोग नमी को बरकरार रखता है। इसके अलावा यह चेहरे पर एक चमक लाता है। इसमें मौजूद रालोलिक एसिड बैक्टीरिया को मुंहासों में बढ़ने से रोकने में उपयोगी हो सकता है। यह चेहरे को दमकता हुआ दिखाने वाले मुहासों को दूर करने में भी मदद करता है।

अरंडी का तेल भी बालों के लिए बहुत उपयोगी है। यह मॉइस्चराइजर और कंडीशनर के रूप में भी काम करता है। इसमें इसका उपयोग बालों को स्वस्थ बनाता है और टूटने से बचाता है। साथ ही यह बालों में चमक भी लाता है। कब्ज एक आम समस्या है। अरंडी का तेल कब्ज और पेट की अन्य समस्याओं में फायदेमंद है। हालांकि, यह केवल एक डॉक्टर की सलाह पर लिया जाना चाहिए।

अरंडी का तेल पेट दर्द और पेट फूलने से भी राहत दिलाता है। इसलिए अरंडी के तेल की कुछ बूंदों को गर्म करें और हल्के हाथों से पेट की मालिश करें। आराम मिलेगा।

घी में मिलाकर खाएं ये दो चीजें मिलेंगे गजब के फायदे

घी हर भारतीय रसोई में पाया जाता है, इसके बिना दाल, करी और सब्जी में स्वाद नहीं आता है और ना ही चपाती खाने में अच्छी लगती है। यहां हम आपको ऐसी दो चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनसे घी का स्वाद और बढ़ जाएगा और आपकी स्वास्थ्य को कई तरह के फायदे मिलेंगे।

दालचीनी : दालचीनी एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर होती है, जो आपको कई बीमारियों से बचा सकते है। दालचीनी से ब्लड शुगर लेवल को कम किया जा सकता है, इससे पेट से जुड़ी समस्याओं से काफी राहत मिलती है।

कैसे मिलाएं घी में दालचीनी

सामग्री : घी-एक कप, दाल चीनी - दो

विधि : -एक पैन में घी डालें और उसमें 2 दालचीनी की छड़ें डालें।

-मध्यम आंच पर घी को 4-5 मिनट तक गर्म करें और फिर इसे पूरी तरह से ठंडा होने दें। इससे घी दालचीनी के स्वाद को सोख लेगा।

-वहीं अगर आप घर पर मक्खन से घी बना रहे हैं, तो बस मक्खन को उबालते समय दालचीनी डाले और जब घी तैयार हो जाए तो छलनी से छानकर किसी बर्तन में रख लें।

हल्दी : एक्सपर्ट्स की मानें तो अगर घी में हल्दी मिलाकर खाई जाएं इससे आपको वजन घटाने में मदद मिल सकती है। हल्दी और घी का यह मिश्रण नई रक्त वाहिकाओं को बनाने में मदद करता है। जिससे हर्ट हेल्थ अच्छी होती है और गुर्दे के कार्य में सुधार होता है। इसका सेवन करने से सभी प्रकार के जोड़ों के दर्द से छुटकारा मिल सकता है। बता दें कि हल्दी में करक्यूमिन पाया जाता है, जो सूजन के इलाज में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कैसे बनाएं ये हल्दी वाला घी

सामग्री : घी - एक कप, हल्दी -एक छोटा चम्मच , काली मिर्च पाउडर - आधा छोटा चम्मच

विधि : एक जार ले उसमें घी, हल्दी और काली मिर्च पाउडर को डालकर अच्छे से मिला लें। इसके बाद इसे एयर टाइट जार में भरकर रख लें और रोजाना इसका सेवन करें।

ब्रेकफास्ट से पहले इन बातों का रखें ध्यान

ऐसा कहा जाता हैं की सब खाना छोड़ दो लेकिन ब्रेकफास्ट हमेशा भरपेट अवश्य करना चाहिए। ब्रेकफास्ट करने से स्वास्थ्य भी विल्कुल सही रहता हैं। ब्रेकफास्ट में बहुत सी बिमारियों से बचने की क्षमता होती हैं।

अक्सर आपने कुछ लोगों को यह कहते सुना होगा कि ब्रेकफास्ट हमारे शरीर के लिए बहुत ही जरूरी होता है। दूसरी ओर कुछ लोगों का मानना है कि ब्रेकफास्ट करने और न करने से कोई भी अंतर नहीं पड़ता है। इस संदर्भ में मेदांता द मेडिसिटी, गुडग़ांव की चीफ न्यूट्रिशनिस्ट एवं डायबिटीज एजूकेटर शुभदा भनोत कहती हैं कि अगर आप स्वस्थ रहना चाहती हैं तो हर दिन बगैर किसी अवरोध के ब्रेकफास्ट करना बहुत आवश्यक है।

कई शोध-अध्ययनों से भी यह बात साबित हुई है कि ब्रेकफास्ट करने वाले लोगों का ब्रेकफास्ट न करने वाले लोगों की तुलना में न केवल शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर रहता है और वजन भी नियंत्रित रहता है। ब्रेकफास्ट करने से बॉडी फिट और स्लिम रहती है।

साथ ही दिमागी तनाव भी नहीं होता है। विशेषज्ञों का कहना है कि ब्रेकफास्ट करने से शरीर में दिनभर चुस्ती-फुर्ती बनी रहती है। रात में सात-आठ घंटे की नींद लेने के बाद सुबह ब्रेकफास्ट लेना इसलिए आवश्यक है क्योंकि इससे शरीर के मेटाबॉलिज्म को सुचारु रूप से सक्रिय करने में मदद मिलती है।

डेंगू बुखार और कमजोरी से बचाएंगे ये स्पेशल फूड

विटामिन सी – खाने में जितना हो सके विटामिन सी से युक्त पदार्थों का सेवन करें। विटामिन-सी आपको स्वस्थ रखने के साथ ही शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। इसके अलावा यह किसी भी प्रकार के संक्रमण को फैलने से भी रोकता है।

हल्दी का प्रयोग – किसी भी रूप में खान-पान में हल्की का सेवन करें। सामान्यतः सब्जी या दाल में हल्दी का प्रयोग तो होता ही है, इसके अलावा आप चाहें तो हल्दी वाले दूध का सेवन कर सकते हैं।इसमें मौजूद एंटीबायोटिक तत्व आपके प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत कर बीमारियों से आपकी रक्षा करते हैं।

तुलसी और शहद – तुलसी और शहद का प्रयोग करने से भी डेंगू से बचाव किया जा सकता है। इसके लिए तुलसी को पानी में उबालकर, इसमें शहद डालकर पिया जा सकता है।इसके अलावा आप काढ़ा या चाय में तुलसी का प्रयोग कर सकते हैं। इसमें मौजूद एंटी बैक्टीरियल गुण बीमारियों से बचाव में सहायक है।

पपीते के पत्ते – डेंगू के इलाज में पपीते की पत्तियां बेहतर इलाज के रूप में जानी जाती हैं। पपीते के पत्ते का रस निकालकर दिन में दो बार लगभग 2-3 चम्मच की मात्रा में लेने से डेंगू से बचाव किया जा सकता है। इसमें प्रोटीन से भरपूर पपेन नामक एंजाइम पाया जाता है, जो पाचन शक्ति को ठीक करता है इसके अलावा लाल रक्त कणों में भी वृद्धि करता है।

अनार – डेंगू बुखार में शरीर में होने वाली रक्त की कमी और कमजोरी को दूर करने के लिए, अनार का सेवन फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद विटामिन ई, सी, ए और फोलिक एसिड और एंटी ऑक्सीडेंट बेहद लाभप्रद साबित होते हैं। यह लाल रक्त कणों के निर्माण में भी महत्वूर्ण भूमिका निभाता है, जो खून की कमी को पूरा करने में सहायक है।

मेथी – मेथी की हरी पत्तियों का सेवन डेंगू से बचाव में मददगार होते हैं। इसके प्रयोग से शरीर से सभी हानिकारक और विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। इसके अलावा शारीरिक दर्द और अनिद्रा की समस्या में भी यह लाभकारी होती है। इसकी सब्जी या इसे पानी में उबालकर प्रयोग किया जा सकता है। इसके अलावा मेथीदाने का प्रयोग भी किया जा सकता है।

क्या आप अपने बच्चों का कद बढ़ाने की सोच रहे हैं?

1 और प्यूबर्टी के बीच ज्यादातर बच्चे हर साल ऊंचाई में दो इंच प्राप्त करते हैं। प्यूबर्टी में दाखिल होने पर कद प्रति साल 4 इंच की दर से बढ़ सकता है। हालांकि, हर शख्स अलग-अलग रफ्तार से बढ़ता है।

आपके बच्चे के कद को पर्यावरण, डाइट समेत कई फैक्टर प्रभावित करते हैं। सभी प्रमुख योगदानकर्ताओं में आपकी जीन भी है, जो आपके बच्चे की अंतिम ऊंचाई का 60 से 80 फीसद होता है। जीन के बारे में कुछ नहीं किया जा सकता, लेकिन सही पोषण और शुरुआती उम्र से डाइट देना आपके बच्चे के कद को कुछ इंच बढ़ाने में मदद कर सकता है।

एक साल से लेकर प्यूबर्टी के पहुंचने तक हर साल उसका करीब दो इंच कद बढ़ता है। 12-14 की उम्र यानी प्यूबर्टी में दाखिल होने पर उसकी ऊंचाई प्रति साल 4 इंच की दर से बढ़ना शुरू होती है। ये चरण पार होने के बाद कद का बढ़ना रुक जाता है। इसका मतलब हुआ कि अपने बच्चे की ऊंचाई बढ़ाने के लिए आप सिर्फ 1 से 14 साल की उम्र के बच तक ही उपाय कर सकते हैं।

पौष्टिक डाइट-चाहे व्यस्क हों या बच्चे, हर शख्स के लिए पौष्टिक डाइट बुनियादी जरूरत है। पोषक तत्वों से भरपूर 3 भोजन और 2 स्नैक्स दिमाग और शरीर के विकास में मदद करते हैं। सही प्रकार का पोषण के साथ बच्चे की डाइट में कई फूड देने की कोशिश करें। ज्यादा ताजा फल, साबुत अनाज, डेयरी और प्रोटीन के स्रोत उसकी डाइट में इजाफा करें। शुगर और प्रोसेस्ड फूड से परहेज करें।

सप्लीमेंट्स की अनदेखी करें- ये सुनिश्चित करने के लिए कि बच्चा पोषक तत्वों की पर्याप्त मात्रा ले रहा है, माता-पिता उसको सप्लीमेंट्स भी देते हैं, जो जरूरी नहीं है। बच्चे को सप्लीमेंट्स डॉक्टर की सलाह से उसी वक्त दिए जाने चाहिए जब उसे कुछ पोषक तत्व की कमी हो या वृद्धि संबंधित समस्याओं से जूझ रहा है। प्राथमिकता फूड से पोषक तत्वों को देने की होनी चाहिए।

व्यायाम- अपने बच्चे को शुरुआती उम्र से रोजाना व्यायाम की शिक्षा देना सबसे अच्छा है। शारीरिक रूप से एक्टिव रहने के कई फायदे हैं, जिसमें कद बढ़ाना शामिल है। योग, स्ट्रेचिंग और मेडिटेशन भी शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रहने के लिए पर्याप्त है। व्यायाम रीढ़ की हड्डी को फैलाने में मदद करता है।

बार से लटकना- लटकना हमेशा बच्चे की लंबाई बढ़ाने का सबसे अच्छा उपाय माना यगया है। बार पर लटकने से रीढ़ लंबी होती है, जो कद को बढ़ाती है। बार से निरंतर लटकना समय के साथ कद को बढ़ा सकता है। उसके अलावा, मसल को मजबूत करने में भी मदद कर सकता है।

रात की अच्छी नींद- लोग अपनी जिंदगी में अच्छी नींद के महत्व को अक्सर कमतर समझते हैं। उसके कारण उनको कई स्वास्थ्य समस्याओं के विकसित होने का ज्यादा खतरा होता है। 7-8 घंटे सोना सभी के लिए जरूरी है। व्यस्कों के मुकाबले बच्चों को नींद की ज्यादा जरूरत होती है। सुनिश्चित करें कि आपका बच्चा समय पर सोए और रात भर चैन की नींद ले।

आज की रेसिपी

आलू-हरे लहसुन की सब्जी

हरे लहसुन के साथ आलू और मसालों के मिश्रण से बनने वाली एक सिंधी सब्जी है. इसे बनाना बहुत ही आसान है और हरे लहसुन की वजह से इस अनोखा स्वाद मिलता है, अगली डिनर पार्टी में आप इस सब्जी को बनाकर सर्व कर सकते हैं.

सामग्री :

- 250 ग्राम हरा लहसुन, टुकड़ों में कटा हुआ
- 2 आलू
- 1/2 टी स्पून जीरा
- 2 हरी मिर्च, टुकड़ों में कटा हुआ
- 1/2 टी स्पून हल्दी पाउडर
- 1 टी स्पून धनिया पाउडर
- 1/2 टी स्पून आम का पाउडर
- स्वादानुसार नमक
- स्वादानुसार लाल मिर्च पाउडर
- धनिया पत्ती गार्निश करने के लिए

विधि :

- एक पैन में तेल गर्म करें। जीरा डालें और चटकने तक का इंतज़ार करें।
- आलू डाले और आलू को नरम न हो लेकिन पूरी तरह से पकाया नहीं जाता है।
- सभी मसालों और लहसुन के पत्तों को डालें। ढककर 5-10 मिनट तक पकने दें। जरूरत हो तो पानी डालें।
- धनिया पत्ती से गार्निश करें और सर्व करें।